संस्थापक : स्व. श्री वीर विक्रम आदित्य

स्थापना वर्ष : 2002

हिन्द जनपथ

पंचकूला

रविवार

14 सितंबर, 2025

वर्ष:24 अंक: 81

कुल पृष्ठ:08

मूल्य : 1 रुपया

खबरें छापते हैं छुपाते नहीं

दैनिक प्रभात संस्करण हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित।

www.hindjanpath.com

मोटी-मोटी बातें

दारू सस्ती और दवा महंगी, तो भारत कैसे बनेगा विश्व गुरु - धीरेंद्र शास्त्री

गयाजी । बागेश्वर धाम सरकार पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री शनिवार को गयाजी पहुंचे। वह दिल्ली से विमान द्वारा गया हवाई अड्डे पर उतरे, जहां सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। एयरपोर्ट से उन्हें सीधे बोधगया स्थित संबोधि रिसॉर्ट ले जाया गया। यहां वे कई दिनों तक प्रवास करेंगे और यहीं से पिंडदान व तर्पण जैसे कर्मकांड संपन्न करेंगे।

इससे पहले, गया एयरपोर्ट पर आईएएनएस से बात करते हुए पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि गया नगरी भगवान बुद्ध और भगवान विष्णु दोनों की तपोभूमि है। सनातन धर्म में गयाजी का विशेष महत्व है, खासकर पितृ कर्म के लिए। उन्होंने कहा, 'हर साल की तरह इस साल भी मैं अपने पितरों के श्राद्ध हेतु गया जी आया हूं।'

धीरेंद्र शास्त्री ने भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने का संदेश भी दोहराया। उन्होंने कहा कि भारत पहले से ही अघोषित रूप से हिंदू राष्ट्र है और अब इसे घोषित रूप से हिंदू राष्ट्र होना चाहिए। उन्होंने बताया कि 7 नवंबर से 16 नवंबर तक वृंदावन से दिल्ली तक पैदल यात्रा आयोजित की जाएगी, जिसका उद्देश्य इस संदेश को जन-जन तक पहुंचाना है।

उन्होंने यह भी कहा कि भारत विश्व गुरु बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इसके लिए देश में शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाएं निशुल्क होनी चाहिए। वर्तमान व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा, 'आज इस देश में शराब सस्ती और दवाएं महंगी हैं, इस पर विचार करने की आवश्यकता है।'

वहीं नेपाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता पर प्रतिक्रिया देते हुए धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि पड़ोसी देश में हो रही हिंसा को देखते हुए हमें भी सतर्क रहने की जरूरत है।

दिल्ली से गया की फ्लाइट में भी पंडित धीरेंद्र शास्त्री के अनुयायियों का उत्साह देखने को मिला। एक महिला यात्री राजकुमारी, जो लंदन में कारोबार करती हैं, उसने कहा कि विमान में ही गुरुजी के दर्शन कर लिए। उन्होंने बताया कि लंदन में भी गुरुजी से उनकी मुलाकात हो चुकी है। राजकुमारी ने कहा कि गुरुजी ने हमें बोधगया में रिसॉर्ट पर आने का निमंत्रण दिया है। उनसे मिलकर बहुत अच्छा लगा।

दिल्ली के होटल ताज पैलेस में रखी हैं 16 आईईडी, बम की धमकी निकली अफवाह

नई दिल्ली । दिल्ली के चाणक्यपुरी में स्थित होटल ताज पैलेस को बम से उड़ाने की धमकी मिली, जिससे होटल में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और होटल की जांच पड़ताल की, लेकिन कहीं से कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला।

चाणक्यपुरी के ताज पैलेस होटल को बम की धमकी भरा ईमेल आया। ईमेल में लिखा गया था कि होटल ताज पैलेस में 16 बम रखे गए हैं। होटल में कई वीवीआईपी लोग रुके हुए हैं, इसलिए होटल को 11 बजे तक खाली करा लो। एक दिन पहले भी ऐसा ही मेल आया था।

शुक्रवार को जिस आईडी से दिल्ली एवं बॉम्बे हाई कोर्ट को धमकी भरा ईमेल आया था, उसी आईडी से शनिवार को भी धमकी भरा ईमेल आया है। रात 2 बजे मेल आया।

शनिवार को आए ईमेल में लिखा है कि दिल्ली के ताज पैलेस में दोपहर में विस्फोट के लिए 16 आरडीएक्स आईईडी (इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) लगाई गई हैं। वीवीआईपी की मौजूदगी की पुष्टि हो गई है। कृपया सुबह 11 बजे तक सभी अन्य निर्दोष मेहमानों को बाहर निकाल दें।

धमकी की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और पैलेस के कोने-कोने में छानबीन की, लेकिन कुछ भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। इसके बाद होटल और पुलिस ने राहत की सांस ली। इस मामले में पुलिस अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की कार्रवाई कर रही है। साइबर सेल दोनों धमकी भरे मेल की जांच कर रही है। इससे पहले दिल्ली और बॉम्बे हाईकोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी भरे ईमेल मिले थे।

मुंबई पुलिस के अनुसार, बॉम्बे हाई कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी वाले मामले में आजाद मैदान पुलिस स्टेशन में अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। मुंबई पुलिस ने आधिकारिक बयान में कहा, 'मुंबई आजाद मैदान पुलिस स्टेशन ने बॉम्बे हाई कोर्ट बम धमकी वाले ईमेल मामले में बीएनएस की धारा 353(1) और 353(2) के तहत एफआईआर दर्ज की है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।' इसके अलावा, दिल्ली हाई कोर्ट को भी ईमेल के जरिए धमकी मिली। दिल्ली पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए सुरक्षा कड़ी कर दी और एफआईआर दर्ज कर ईमेल भेजने वाले के स्रोत की जांच शुरू कर दी है। दिल्ली पुलिस की साइबर सेल और तकनीकी टीम इस बात का पता लगाने में जुटी है कि ईमेल कहां से भेजा गया और इसके पीछे कौन लोग शामिल हो सकते हैं।

पांचवां तटरक्षक वैश्विक शिखर सम्मेलन 2027 में चेन्नई में होगा

नयी दिल्ली – अंतर्राष्ट्रीय समुद्री सहयोग के क्षेत्र में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका को आगे बढाते हुए भारत वर्ष 2027 में चेन्नई में पांचवें तटरक्षक वैश्विक शिखर सम्मेलन की मेज़बानी करेगा।

रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को यहां बताया कि 11 और 12 सितंबर को इटली में चौथे तटरक्षक वैश्विक शिखर सम्मेलन में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया। सम्मेलन में 115 देशों और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

तीन दिन के पांचवें वैश्विक शिखर सम्मेलन के दौरान अंतर्राष्ट्रीय तटरक्षक बेड़े की समीक्षा और विश्व तटरक्षक संगोष्ठी आयोजित की जायेगी। संगोष्ठी में उभरती समुद्री चुनौतियों पर व्यापक चर्चा की जायेगी।

भारतीय तटरक्षक महानिदेशक परमेश शिवमणि ने इस अवसर पर ज़ोर देकर कहा कि कोई भी एक देश अकेले इतनी विशाल समुद्री चुनौतियों का समाधान नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि 2027 में चेन्नई शिखर सम्मेलन दुनिया भर के तटरक्षकों के बीच अंतर-संचालन, विश्वास और मज़बूत सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एक समावेशी मंच के रूप में काम करेगा।

शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता के औपचारिक हस्तांतरण के दौरान महानिदेशक शिवमणि ने शिखर सम्मेलन को साझा समुद्री चुनौतियों से निपटने में वैश्विक तटरक्षक सहयोग का एक प्रकाश स्तंभ बताया।

शिखर सम्मेलन के दौरान महानिदेशक ने इतालवी तटरक्षक बल के कमांडेंट से भी मुलाकात की। भारत-इटली संयुक्त रणनीतिक कार्य योजना 2025-2029 के रक्षा सहयोग फ्रेमवर्क के तहत आयोजित चर्चाओं में दोनों पक्षों ने समुद्री खोज और बचाव , समुद्री प्रदूषण प्रतिक्रिया, पर्यावरण संरक्षण, अंतरराष्ट्रीय समुद्री अपराधों का मुकाबला, सूचना आदान-प्रदान, समुद्री क्षेत्र जागरूकता, क्षमता निर्माण, प्रशिक्षण और तकनीकी सहायता में सहयोग बढ़ाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

मोदी की मणिपुर के संगठनों से शांति की राह चुनने की अपील, केंद्र से पूरे सहयोग का दिया भरोसा

चुड़ाचांदपुर - प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मणिपुर के विकास और यहां के लोगों की समस्याओं के समाधान में केंद्र सरकार के पूरे सहयोग का आश्वासन देते हुए राज्य के सभी संगठनों से शांति का रास्ता अपनाने की पुरजोर अपील की है।

जातीय हिंसा से उबर रहे राज्य के एक दिन के दौरे पर आये श्री मोदी ने शनिवार को यहां पीस ग्राउंड में आयोजित एक सभा के मंच से मणिपुर में सामाजिक और आर्थिक बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 7300 करोड़ रुपये की 19 परियोजनाओं का रिमोट कंट्रोल से शिलान्यास किया। इस मौके पर राज्यपाल अजय भल्ला भी मौजूद थे।

प्रधानमंत्री ने राज्य में हिंसा की पिछली घटनाओं को दुर्भाग्यपूर्ण बताया लेकिन विश्वास व्यक्त किया कि राज्य की जनता मिलजुल कर प्रगति की राह पर आगे बढ़ेगी। उन्होंने कहा, ' मैं सभी संगठनों से अपील करूंगा कि शांति के रास्ते पर आगे बढ़कर अपने सपनों को साकार करें। मैं आपके साथ हूं.. भारत सरकार मणिपुर के लोगों के साथ है।'

सभा से पहले उन्होंने जातीय हिंसा के कारण विस्थापित हुए लोगों के शिविर में जाकर उनके मुलाकात भी की।

श्री मोदी ने इस बात पर संतोष जताया कि मणिपुर में पहड़ी क्षेत्र और घाटी क्षेत्र में अलग अलग समूहों के साथ समझौते के लिए बातचीत हुई है। उन्होंने कहा, 'यह केंद्र सरकार के प्रयासों का हिस्सा है.. जिसमें संवाद, सम्मान और आपसी समझ को महत्व देते हुए शांति की स्थापना के लिए काम किया जा रहा है।' प्रधानमंत्री ने कहा, 'मणिपुर के नाम में ही मणि है, यह वह मणि है जो आने वाले समय में पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र की चमक को बढ़ाने वाली है।'

उन्होंने कहा कि केंद्र का यह निरंतर प्रयास है कि मणिपुर को विकास के रास्ते पर तेजी से आगे ले जाया जाये और उनकी आज की यह यात्रा उन्हीं प्रयासों का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि आज मंच से उन्होंने जिन परियोजनाओं का शिलान्यास किया है उससे पहाड़ी इलाकों में रहने वाले लोगों और जनजातीय समाज के लोगों की जिंदगी और बेहतर होगी। केंद्र सरकार विकास की राह पर मणिपुर की यात्रा की गति तेज करने का प्रयास लगातार कर रही है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि मणिपुर की राजधानी इम्फाल जल्दी ही राष्ट्रीय रेलनेटवर्क से जुड़ने वाला है। उन्होंने कहा, ' जीरीबाम-इम्फाल रेलवे लाइन बहुजल्द राजधानी इम्फाल को राष्ट्रीय रेल नेटवर्क से जोड़ देगी।'

श्री मोदी ने कहा कि मणिपुर की सीमा अन्य देशों से लगती है और यहाँ सम्पर्क सुविधाओं की कमी हमेशा से एक चुनौती रही है जिसके कारण लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता रहा है। उन्होंने कहा, ' इसलिए, 2014 से, मैंने मणिपुर में कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने पर बहुत जोर दिया है। इसके लिए, भारत सरकार ने दो स्तरों पर काम किया है। पहला, हमने रेल और सड़क परियोजनाओं के लिए बजट में कई गुना वृद्धि की है।

दूसरा, हमने शहरों से गाँवों तक सड़कें बनाने पर ध्यान केंद्रित किया है। हाल के वर्षों में, यहाँ राष्ट्रीय राजमार्गों पर 3,700 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं और 8,700 करोड़ रुपये के निवेश से नए राजमार्गों पर काम चल रहा है।'

श्री मोदी ने कहा कि चूड़ाचांदपुर और पूरे मणिपुर की संस्कृति और यहां की विविधता भारत का सामर्थ्य है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज भारत बहुत तेजी से विकसित हो रहा है। हम बहुत जल्द दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने वाले हैं। हमने देशभर में गरीबों के लिए पक्के घर बनाने की योजना शुरू की है। इसका फायदा मणिपुर के भी हजारों परिवारों को मिला। बीते सालों में 15 करोड़ से अधिक देशवासियों को नल से जल की सुविधा मिल चुकी है।

उन्होंने कहा कि मणिपुर में 7-8 साल पहले तक सिर्फ 25-30 हजार घरों में ही पाइप से पानी आता था। आज यहां साढ़े तीन लाख से अधिक घरों में नल से जल की सुविधा मिल रही है। आने वाले समय में पूरे राज्य में हर घर को यह सुविधा मिल जाएगी।

देश के विकास में है मिजोरम का अहम योगदान: मोदी

ऐजल- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को मिजोरम की शांति के प्रदेश की प्रगति का आधार बताते हुए कहा कि देश की प्रगति में मिजोरम का अहम योगदान है।

श्री मोदी ने मिजोरम की राजधानी एजल को पहली बार भारतीय रेल से जोड़ते हुए सायरंग-बइरवी रेल मार्ग की शुरुआत करते हुए राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के लिए शनिवार को राजधानी एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

श्री मोदी ने इस मौके पर गुवाहाटी और कोलकाता के लिए भी हरी झंडी दिखाकर मिजोरम से इन रेलों को रॉसन किया। मिजोरम दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस असम, पश्चिम बंगाल होते हुए राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की आनंद विहार पहुंचेगी।

उन्होंने इस मौके पर विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि मिजोरम की शांति यहां की प्रगति का आधार है। मिजोरम के लोगों का देश के विकास में अहम योगदान है। मिजोरम ने देश को कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी दिए हैं। मिजोरम की राजधानी आज भारतीय रेल के मानचित्र पर स्थापित हो गई है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि कुछ दल सिर्फ वोट बैंक की राजनीति करते हैं और इसका खामियाजा मिज़ोरम तथा पूर्वोत्तर को भुगतना पड़ा है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार की दृष्टि अलग है और वह हाशिये के लोगों को मुख्य धारा से जोड़ने का काम करते हैं। आज मिजोरम को मुख्य धारा से जोड़ दिया गया है और भारतीय रेल के विशाल नक्शे पर मिजोरम स्थापित हो गया है।

सायरंग-बइरवी रेल लाइन आज हकीकत में बदलने पर उन्होंने मिजोरम के लोगों को बधाई दी और कहा कि इस दुर्गम क्षेत्र में रेल मार्ग पर रेल लाइन बिछाने का यह सपना रेल के प्रतिभाशाली इंजीनियरों की मेहनत से ही संभव हो सका है। प्रधानमंत्री ने कहा की पिछली 11 साल से वह पूर्वोत्तर के विकास के लिए निरंतर काम कर रही है। उनकी सरकार कनेक्टिविटी पर विशेष ध्यान दे रही है और इसी का परिणाम है कि पहली बार देश में ग्रामीण सड़क, मोबाइल नेटवर्क राष्ट्रीय राजमार्ग आदि को प्रभावित तरीके से लागू कर दूर दराज के लोगों को लाभ दिया गया है। सरकार सुगमता, कारोबार की विकास तथा ढांचागत विकास के लिए निरंतर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि कि पूर्वोत्तर को दक्षिण पूर्वी एशिया में कारोबार का मुख्य केंद्र बनाया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि मिजोरम का केला, मिजोरम के बांस के उत्पाद अधिका इस रेलवे लाइन से बाजार खुलेगा और मिजोरम के लिए भी जरूरी चीजों की आपूर्ति आसान हो जाएगी। उन्होंने कहा की सरकार मेक इन इंडिया और निर्यात को बढ़ावा दे रही है और इसी का परिणाम विदेशी दुनिया में आज सबसे तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था बन गयी है।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत में तेज़ी से आ रहा है बदलाव : मुख्यमंत्री ओडिशा

भुवनेश्वर- ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत तेज़ी से बदलाव के दौर से गुज़र रहा है।

श्री माझी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा कि श्री मोदी का मिज़ोरम, मणिपुर, असम, पश्चिम बंगाल और बिहार का दौरा देश भर में प्रगति के पैमाने और गति को दर्शाता है।

उन्होंने कहा कि 71,850 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास एक समावेशी विकसित भारत के निर्माण के लिए प्रधानमंत्री की दृढ़ प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री ने कहा, 'ये कार्य बुनियादी ढाँचे को बढ़ावा देंगे, कनेक्टिविटी को मज़बूत करेंगे, नागरिकों को सशक्त बनायेंगे और विकास के नए अवसर पैदा करेंगे।'

श्री माझी ने बइरवी-सैरांग रेल लाइन के उद्घाटन को ऐतिहासिक उपलब्धि बताते हुए कहा कि मिज़ोरम पहली बार भारतीय रेल नेटवर्क से जुड़ रहा है। यह राष्ट्रीय एकता और अखंडता का प्रतीक है।

श्री माझी ने कहा, 'ऐसे हर कदम के साथ, भारत सशक्त, आत्मनिर्भर और समृद्ध बनने के अपने लक्ष्य के और करीब पहुँच रहा है। हम हर क्षेत्र और नागरिक के लिए समावेशी विकास सुनिश्चित करते हुए एक वैश्विक नेता के रूप में उभर रहे हैं।'

ईशा ने महिलाओं की एयर पिस्टल में जीता स्वर्ण, भारत को मिला पहला पदक

निंगबो- ओलंपियन और मौजूदा मिश्रित टीम पिस्टल विश्व चैम्पियन ईशा सिंह ने अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) विश्व कप राइफल/पिस्टल, निंगबो (चीन) में शानदार प्रदर्शन करते हुए महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर भारत को प्रतियोगिता का पहला पदक दिलाया। निंगबो ओलंपिक स्पोर्ट्स सेंटर में हुए फाइनल में ईशा ने मेजबान चीन की पसंदीदा और फ़ॉर्म में चल रही याओ चियानसुन को मात्र 0.1 अंकों से पछाड़ा। वहीं, इस स्पर्धा की मौजूदा ओलंपिक चैंपियन कोरिया की ओ येजिन को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा।

पहली बार विश्व कप एयर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण जीतने के बाद ईशा ने कहा, "मैं बहुत खुश हूँ क्योंकि एयर पिस्टल वही स्पर्धा है जिससे मैंने शूटिंग की शुरुआत की थी। इसमें विश्व कप स्वर्ण जीतना मेरे लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है।

केंद्रीय मंत्री डॉ. मुरुगन ने रूपनगर ज़िले के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का किया दौरा

किसानों और ग्रामीणों से संवाद कर हर संभव मदद का दिया आश्वासन

रूपनगर: सूचना एवं प्रसारण तथा संसदीय कार्य राज्य मंत्री डॉ. एल. मुरुगन ने आज पंजाब के रूपनगर ज़िले के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का व्यापक दौरा किया और प्रभावित परिवारों से संवाद किया। उन्होंने शाहपुर बेला, हरीवाल, भानुपाली, बेला ध्यानी और नंगल सहित कई गाँवों का दौरा कर बाढ़ से हुई तबाही का जायजा लिया।

डॉ. मुरुगन ने खेतों का निरीक्षण कर मक्का, धान और अन्य फसलों के नुकसान को देखा। ग्रामीणों ने बताया कि खेतों में जलभराव और मार्गों के कट जाने से कृषि और आपूर्ति दोनों प्रभावित हैं। किसानों ने आशंका जताई कि यदि समय पर राहत कार्य न हुए तो अगली फसल भी प्रभावित हो सकती है।

केंद्रीय मंत्री ने आश्वस्त किया कि "केंद्र सरकार आपके साथ खड़ी है और हर संभव मदद करेगी। राहत व पुनर्वास कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी ताकि प्रभावित परिवार जल्द सामान्य जीवन में लौट सकें।"

ग्रामीणों ने गाँवों को मुख्य सड़कों से जोड़ने के लिए पुल निर्माण की माँग रखी। डॉ. मुरुगन ने इसे गंभीरता से लेते हुए कहा कि सरकार आवश्यक प्रक्रियाएँ पूरी कर पुल निर्माण का कार्य सुनिश्चित करेगी। उन्होंने कहा कि बुनियादी ढाँचे के विकास और दीर्घकालिक समाधान पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

डॉ. मुरुगन ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा पंजाब के लिए 1600 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता की घोषणा को ऐतिहासिक कदम बताया और कहा कि प्रधानमंत्री के निर्देश पर उच्चस्तरीय टीमें प्रभावित क्षेत्रों का आकलन कर रही हैं।

उन्होंने नंगल स्थित लक्ष्मी नारायण मंदिर का भी दौरा कर वहाँ हुई क्षति का निरीक्षण किया और आवश्यक मरम्मत कार्यों का आश्वासन दिया। दौरे के दौरान उन्होंने प्रभावित परिवारों को राहत सामग्री वितरित की और ग्रामीणों द्वारा की जा रही सेवा भावना की सराहना की।

समीक्षा बैठक

रूपनगर जिला प्रशासन के साथ समीक्षा बैठक में डॉ. मुरुगन ने प्रभावित परिवारों को समय पर राहत पहुँचाने, चिकित्सा सुविधाओं की उपलब्धता, नकद सहायता, बीज व खाद वितरण और जल निकासी व्यवस्था को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को पारदर्शी और तेज़ कार्यप्रणाली अपनाने को कहा।

खिलाड़ियों का लक्ष्य ओलंपिक खेलों में पदक जीतना होना चाहिए- मुख्यमंत्री

हिन्द जनपथ

पंचकूला (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि खिलाड़ियों का लक्ष्य ओलंपिक खेलों में पदक जीतना होना चाहिए। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2036 के ओलम्पिक खेलों में भारत को खेल महाशक्ति के रूप में स्थापित करने का लक्ष्य रखा है। प्रदेश सरकार ओलम्पिक खेलों की तैयारियों में अभी से लग गई है।

- मुख्यमंत्री ने पंचकूला में अश्वनी गुप्ता मेमोरियल आॅल इंडिया सब-जूनियर रैंकिंग बैडमिंटन टूर्नामेंट का किया शुभारंभ
- विभिन्न राज्यों से आए करीब 2000 प्रतिभागी ले रहे हैं हिस्सा
- मुख्यमंत्री ने स्पोर्टस प्रमोशन सोसाईटी, पंचकूला को 11 लाख रूपये देने की करी घोषणा

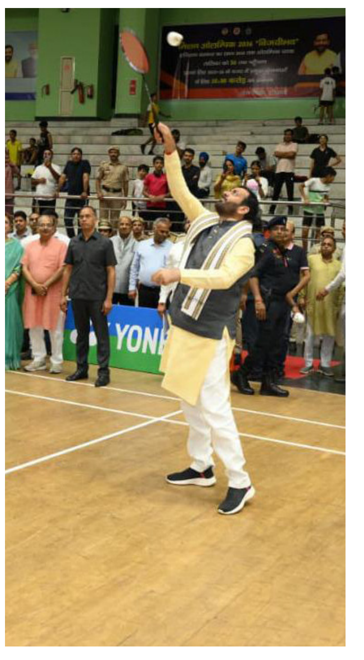

मुख्यमंत्री आज ताऊ देवीलाल स्पोर्टस कॉम्प्लेक्स , सैक्टर-3 पंचकूला में योनेक्स-सनराइज अश्वनी गुप्ता मेमोरियल ऑल इंडिया सब-जूनियर रैंकिंग बैडमिंटन टूर्नामेंट 2025 के उद्घाटन समारोह में देश भर से आए खिलाड़ियों को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर, मुख्यमंत्री ने बैडमिंटन टूर्नामेंट के शुभारंभ की घोषणा की और अपने स्वैच्छिक कोष से स्पोर्ट्स प्रमोशन सोसाइटी, पंचकूला को 11 लाख रुपये देने की घोषणा की।

इस अवसर पर हरियाणा विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष और स्पोर्ट्स प्रमोशन सोसाइटी पंचकूला के चेयरमैन श्री ज्ञानचंद गुप्ता, एंटी करप्शन ब्यूरो के महानिदेशक श्री आलोक मित्तल, वित्त विभाग के आयुक्त एवं सचिव मोहम्मद शाइन, उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा, पुलिस उपायुक्त श्रीमती सृष्टि गुप्ता, नगराधीश जागृति, हरियाणा बैडमिंटन एसोसिएशन के संयुक्त सचिव श्री जितेंद्र महाजन, उप प्रधान श्री पीडी वर्मा, बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया के उपाध्यक्ष श्री अजय कुमार सिंघानिया, पंचकूला स्पोर्ट्स प्रमोशन सोसाइटी के अध्यक्ष श्री डीपी सोनी और श्री एनडी शर्मा भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने विभिन्न राज्यों से आए करीब 2000 प्रतिभागी खिलाड़ियों का हरियाणा में स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए कहा कि जीत और हार खेल का हिस्सा हैं, लेकिन आपका जज्बा और खेल भावना ही आपको महान खिलाड़ी बनाएगी। यह भी याद रखें कि आपकी मंजिल केवल एशियन जूनियर बैडमिंटन टूर्नामेंट नहीं है, बल्कि ओलंपिक में भारत के लिए पदक जीतना होना चाहिए।

उन्होंने हरियाणा को स्पोर्टस हब बताते हुए कहा कि हरियाणा के खिलाड़ियों ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में पदक जीतकर देश व प्रदेश का नाम रोशन किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज से 11 साल पहले हरियाणा में खेलों के लिए एक विजन विकसित किया जिसके अनुरूप हमने श्खेले हरियाणा-बढ़े हरियाणा के मंत्र के साथ खिलाड़ियों को प्रोत्साहन दिया है और खेल इन्फ्रास्ट्रक्चर को विकसित किया। चाहे खेल स्टेडियम हो, इनडोर हॉल्स हो या फिर रेजिडेंशियल स्पोर्ट्स एकेडमीज, सरकार ने प्रदेश के हर जिले में आधुनिक खेल सुविधाएं विकसित की हैं।

उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार ने खिलाड़ियों को बचपन से ही तराशने के लिए खेल नर्सरियां खोली हुई हैं। हरियाणा को 'खेलों की नर्सरी' कहा जाता है। इन नर्सरियों में खिलाड़ियों को वित्तीय सहायता व प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। इस समय प्रदेश में 1,489 खेल नर्सरियां कार्यरत हैं। इनमें 37 हजार 225 खिलाड़ी प्रशिक्षण ले रहे हैं। इन नर्सरियों में नामांकित 8 से 14 वर्ष की आयु के खिलाड़ियों को 1500 रुपये तथा 15 से 19 वर्ष की आयु के खिलाड़ियों को 2000 रुपये प्रति माह दिये जाते हैं।

उन्होंने हरियाणा के खिलाड़ियों की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए कहा कि चाहे ओलंपिक खेल हों, एशियाई खेल हों या राष्ट्रमंडल खेल हों, हरियाणा के खिलाड़ियों ने हर मोर्चे पर तिरंगे को ऊंचा फहराया है। राज्य के खिलाड़ियों ने पेरिस ओलंपिक 2024 में देश द्वारा जीते गये 6 पदकों में से 5 पदक हरियाणा के खिलाड़ियों के थे। इससे पहले, टोक्यो ओलंपिक 2020 में भारत द्वारा जीते गए 7 पदकों में से 4 पदक हरियाणा के खिलाड़ियों ने हासिल किए। यही नहीं, एशियाई खेलों में भी हमारा प्रदर्शन बड़ा ही सराहनीय रहा है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश सरकार ने उत्कृष्ट खिलाड़ियों के लिए सुरक्षित रोजगार सुनिश्चित करने के लिए 'हरियाणा उत्कृष्ट खिलाड़ी सेवा नियम 2021' बनाये हैं। इसके तहत खेल विभाग में 550 नए पद बनाये गये। इसके अलावा, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले 224 खिलाड़ियों को सरकारी नौकरी दी है। खिलाड़ियों के लिए क्लास-वन से क्लास-थ्री तक के पदों की सीधी भर्ती में आरक्षण का प्रावधान किया गया है।

एक वर्ष के भीतर मेडिकल कॉलेजों में उल्लेखनीय सुधार किए जाएंगे: मुख्यमंत्री

● मुख्यमंत्री ने चिकित्सा शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की

शिमला । मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने आज चिकित्सा शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि राज्य सरकार एक वर्ष के भीतर हिमाचल प्रदेश के सभी मेडिकल कॉलेजों में उल्लेखनीय सुधार करेगी। उन्होंने कहा कि इससे लोगों को ईलाज के लिए राज्य से बाहर जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी और उन्हें प्रदेश में ही बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध होंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार मेडिकल कॉलेजों की कार्य प्रणाली को सुव्यवस्थित कर रही है। अटल सुपर-स्पेशलिटी आयुर्विज्ञान संस्थान चमियाना और टांडा मेडिकल कॉलेज में रोबोटिक सर्जरी शुरू की जा चुकी है और चरणबद्ध तरीके से इस सुविधा का राज्य भर के अन्य मेडिकल कॉलेजों में भी विस्तार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सभी मेडिकल कॉलेजों में कर्मचारियों, उपकरणों और मशीनरी की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर बल दे रही है। राज्य सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए धन की कोई कमी नहीं आने देगी। प्रदेश सरकार डॉक्टरों, पैरामेडिकल स्टाफ और तकनीकी कर्मचारियों की कमी को दूर करने के लिए प्रयासरत है। उन्होंने सभी मेडिकल कॉलेजों में उचित साफ-सफाई बनाए रखने के निर्देश दिए और कहा कि लापरवाही की स्थिति में जवाबदेही तय की जाएगी। ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि चमियाना, हमीरपुर और चंबा मेडिकल कॉलेजों में 25-25 करोड़ रुपये की लागत से स्वचालित प्रयोगशालाएं स्थापित की जाएंगी। उन्होंने चंबा मेडिकल कॉलेज में क्रिटिकल केयर ब्लॉक का निर्माण इस वर्ष अक्तूबर माह तक पूरा करने के निर्देश दिए और बताया कि राज्य सरकार वहां शैक्षणिक ब्लॉक के निर्माण के लिए 100 करोड़ रुपये उपलब्ध करवाएगी। मेडिकल कॉलेज चंबा में वरिष्ठ रेजिडेंट डॉक्टरों और कर्मचारियों के लिए छात्रावास भी बनाए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में नर्सिंग स्टाफ की कमी को दूर करने के लिए नाहन, हमीरपुर, कुल्लू और चंबा में अगले शैक्षणिक सत्र से नर्सिंग कॉलेज शुरू हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि सभी स्वास्थ्य संस्थान अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार डॉक्टर-रोगी और नर्स-रोगी अनुपात सुनिश्चित करेंगे, ताकि लोगों को सर्वोत्तम स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त हो सकें। उन्होंने सभी मेडिकल कॉलेजों से ओपीडी और आईपीडी सम्बंधी डेटा भी मांगा। बैठक में सचिव स्वास्थ्य एम. सुधा देवी, मुख्यमंत्री के सचिव राकेश कंवर, विशेष सचिव अश्विनी शर्मा, निदेशक स्वास्थ्य शिक्षा राकेश शर्मा, निदेशक स्वास्थ्य सेवाएं गोपाल बेरी उपस्थित थे तथा सभी मेडिकल कॉलेजों के प्रधानाचार्य वर्चुअली शामिल हुए।

राष्ट्रीय लोक अदालत में निपटाए गए 4884 मामले

सोलन । ज़िला मुख्यालय सहित नालागढ़, कसौली अर्की स्थित न्यायालयों में आज राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। यह जानकारी जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सोलन की सचिव श्रीमती आकांक्षा डोगरा ने दी।

उन्होंने कहा कि इस राष्ट्रीय अदालत में 12 लोक अदालत बैंचों का गठन किया गया। सितम्बर माह मे प्री-लोक अदालत सीटिंगस भी करवाई गई। इस अवसर पर कुल 6944 मामलों को सुनवाई के लिए प्री लोक अदालत सीटिंगस एवं लोक अदालत की विभिन्न बैंचों के समक्ष रखा गया जिसमें से 4884 मामलों का निपटारा विभिन्न पक्षों की आपसी सहमति से किया गया। इन मामलों में कुल समझौता राशि 19,28,59,646 रुपये रही। इन मामलों में 5514 मोटर व्हीकल चालानों को भी विभिन्न बैंचों के समक्ष रखा गया जिसमें से कुल 3945 मामलों का निपटारा किया गया। इन लोक अदालतों का आयोजन अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष तथा जिला एवं सत्र न्यायाधीश सोलन अरविंद मल्होत्रा की अध्यक्षता में किया गया।

उप-मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय सहकारी सम्मेलन 2025 का किया शुभारंभ

शिमला। उप-मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने आज यहां आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सहकारी सम्मेलन 2025 का शुभारंभ करते हुए कहा कि यह सम्मेलन केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि सहकारिता के पुनर्जागरण का उत्सव है। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश में सहकारिता अब एक जनदृआंदोलन का रूप ले चुकी है।

इस अवसर पर कॉपरेटिव फेयर और फिनटेक कॉर्पोरेट प्रदर्शनी का शुभारंभ करते हुए उन्होंने कहा कि सहकारिता भारतीय ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और आने वाले समय में तकनीकी नवाचार इसे और सशक्त बनाएगी। उप-मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमाचल देश में सहकारिता का जनक है। हिमाचल से जली यह अलख अब पूरे देश में फैल चुकी है। वर्ष 1892 में हिमाचल प्रदेश के पंजावर में सहकारिता समिति गठित की गई जिसका पंजीकरण वर्ष 1906 में हुआ था। वर्तमान में पंजावर क्षेत्र हरोली विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आता है। उन्होंने सहकारिता के जनक मियां हीरा सिंह को याद करते हुए कहा कि सहकारिता क्षेत्र में उनके योगदान को सम्मान प्रदान करते हुए उन्हीं के नाम पर सहकारिता से संबंधित संस्थान स्थापित किया जा रहा है।

मुकेश अग्निहोत्री ने कहा कि वर्तमान में प्रदेश में 5544 सहकारी समितियां सक्रिय हैं, जिनमें 2287 कृषि सहकारी समितियां और 10 सहकारी बैंक किसानों व ग्रामीणों की आर्थिक जरूरतें पूरी कर रहे हैं। कॉपरेटिव बैंक में लोगों के 27 से 28 हजार करोड़ रुपये जमा हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान में कॉपरेटिव बैंक सराहनीय कार्य कर रहे हैं। कॉपरेटिव बैंकों में लोगों का विश्वास बनाए रखने के दृष्टिगत प्रदेश सरकार द्वारा कदम उठाए जा रहे हैं। कॉपरेटिव बैक 6 जिलों का, और कांगड़ा कॉपरेटिव बैक 5 जिलों को और जोगिन्द्रा बैक जिला सोलन का प्रतिनिधित्व कर रहा है। हर हिमाचली का खाता प्रदेश के बैंक में होना चाहिए। प्रदेश सरकार जिम्मेदारी से इनका संचालन सुनिश्चित करेगी। कॉपरेटिव क्षेत्र में हिमाचल उल्लेखनीय प्रगति कर रहा है। कॉपरेटिव समितियों और बैकों में 60 हजार करोड़ रुपये की जमा पूंजी है।

उन्होंने कहा कि जिला कुल्लू की शॉल और टोपी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध है। हरोली में हिमकैप कॉपरेटिव सहकारिता के माध्यम से हिमकैप इस्टीट्यूट स्थापित किया गया है। इस संस्थान में शिक्षा ग्रहण करने वाले बच्चे हिमाचल का नाम देश और विदेश में रोशन कर रहे हैं। सहकारिता क्षेत्र में प्रदेश की महिलाएं सफल उदाहरण पेश कर रहे हैं। ऊना में हाल ही में 5000 महिलाओं ने स्वां वुमेन फेडरेशन बनाई। महिलाओं की यह समिति कम समय में बेहतरीन कार्य करते हुए अब लगभग 25 करोड़ रूपये तक पहुंच गई है। उन्होंने यह भी कहा कि सहकारी संस्थाएं आधुनिक तकनीक को अपनाकर डिजिटल पेमेंट से लेकर साइबर सुरक्षा समाधान तक की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही हैं।

उप-मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सम्मेलन भारत की सहकारिता की यात्रा का एक मील पत्थर साबित होगा। यह पारंपरिक संस्थाओं और आधुनिक तकनीकी समाधानों के बीच नई संभावनाओं का मार्ग प्रशस्त करेगा। कार्यक्रम के दौरान देशभर से आई सहकारी संस्थाओं ने अपनी उपलब्धियां और नवाचार प्रदर्शित किए। एचपीएससीबी के अध्यक्ष देवेंद्र श्याम द्वारा मुख्य अतिथि का आभार व्यक्त किया। उन्होंने दो दिवसीय राष्ट्रीय सहकारी सम्मेलन के बारे मे विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर इफको के अध्यक्ष दिलीप संघानी, राष्ट्रीय राज्य सहकारिता बैंक महासंघ लिमिटेड के अध्यक्ष कोंडुरु रविंदर राव, रजिस्ट्रार ऑफ कोपरेटिव सोसायटी डीसी नेगी, हिमफैड के अध्यक्ष महेश्वर सिंह चौहान, राष्ट्रीय राज्य सहकारिता बैंक महासंघ लिमिटेड के प्रबंध निदेशक भीमा सुब्रह्मण्यम, एआरडीबी के अध्यक्ष संजय चौहान व अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

एचपीएनएलयू, शिमला आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डिजिटल टेक्नोलॉजीज पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के लिए इंटरनेशनल सोसाइटी ऑन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड डिजिटल टेक्नोलॉजीज (आईएसएआईडीटी) के साथ साझेदारी करेगा

शिमला । हिमाचल प्रदेश राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय (एचपीएनएलयू), शिमला, प्रो. (डॉ.) प्रीती सक्सेना, माननीय कुलपति, एचपीएनएलयू के नेतृत्व में, 8 नवंबर 2025 को वर्चुअल माध्यम से आयोजित होने वाले कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल प्रौद्योगिकियों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में अकादमिक भागीदार के रूप में अपने सहयोग की घोषणा करते हुए प्रसन्नता का अनुभव करता है।

यह सम्मेलन अंतर्राष्ट्रीय सोसाइटी ऑन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड डिजिटल टेक्नोलॉजीज (आईएसएआईडीटी) द्वारा आयोजित किया जा रहा है, जो प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय संस्थानों द्वारा समर्थित एक विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त निकाय है, जो विभिन्न विषयों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और डिजिटल प्रौद्योगिकियों के जिम्मेदार और नैतिक विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है।

यह सम्मेलन दुनिया भर के विद्वानों, शिक्षाविदों, पेशेवरों और छात्रों को एआई, डिजिटल प्रौद्योगिकियों और कानून के बीच गतिशील अंतर्संबंध पर महत्वपूर्ण संवाद में शामिल होने के लिए एक मंच प्रदान करना चाहता है। विचार-विमर्श व्यापक विषयों पर केंद्रित होगा, जिनमें एआई का नियामक प्रशासन, उभरती प्रौद्योगिकियों के नैतिक और कानूनी निहितार्थ, डेटा गोपनीयता की चुनौतियाँ, बौद्धिक संपदा अधिकार, मानवाधिकार और कानूनी व्यवहार एवं नीति-निर्माण में एआई का भविष्य शामिल हैं। शैक्षणिक भागीदार के रूप में, एचपीएनएलयू, शिमला, जिसकी स्थापना 2016 में हुई थी और जो अंतःविषयक एवं अभ्यास-उन्मुख कानूनी शिक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के लिए जाना जाता है, इस महत्वपूर्ण बौद्धिक प्रयास का समर्थन करने में गर्व महसूस करता है। विश्वविद्यालय का दृढ़ विश्वास है कि उभरती प्रौद्योगिकियों द्वारा उत्पन्न चुनौतियों का समाधान करने और समतामूलक एवं सतत विकास के भविष्य को आकार देने के लिए इस तरह के शैक्षणिक सहयोग आवश्यक हैं।

महत्वपूर्ण तिथियां

सारांश प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि- 20 सितंबर 2025
स्वीकृति की अधिसूचना- 30 सितंबर 2025
सम्मेलन की तिथि- 8 नवंबर 2025
प्रस्तुति और पंजीकरण विवरण के लिए, इच्छुक प्रतिभागी isaidt.info@gmail.com पर लिख सकते हैं।

कांगड़ा जिला में लोक अदालतें आयोजित

धर्मशाला । जिला कांगड़ा के सभी न्याायालयों में न्यायमूर्ति विवेक सिंह ठाकुर कार्यकारी अध्यक्ष हिमाचल प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की अध्यक्षता में जिला सत्र न्यायधीश एवं अध्यक्ष राजीव बाली के मागदर्शन में लोक अदालत का आयोजन किया गया। इसमें प्रि लिटिगेशन, एनआईएक्ट, धनवसूली के मामले, श्रम विवाद, जरूरी सेवाओं संबंधित, विद्युत, जल सेवा बिल मामले, दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 125 खर्चे के मामले, अपराधिक कंपाउडेबल मामले, मोटर दुर्घटना, दावा अधिकरण के केस, वैवाहिक मामले, राजस्व मामले, सिविल मामलों के 14973 केस लगाए गए जिसमें 10 हजार 120 केसों समझौता करवाया गया जबकि 191812258 की राशि प्राप्त हुई।

टांडा मेडिकल कालेज में एम्स स्तर की सुविधाएं उपलब्ध करवाने पर फोक्स: बाली

बोले, लोगों की सुविधा को उच्च स्तरीय चिकित्सा उपकरण स्थापित होंगे स्थापित

धर्मशाला। पर्यटन निगम के अध्यक्ष कैबिनेट रैंक आरएस बाली ने कहा कि टांडा मेडिकल कालेज में एम्स स्तर की सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी इस दिशा में सरकार ने सार्थक प्रयास आरंभ किए हैं। उन्होंने कहा कि टांडा मेडिकल कालेज में ओपन हार्ट सर्जरी, किडनी ट्रांसप्लांट के ऑपरेशन सफलतापूर्वक करने के उपरांत अब रोबोटिक सर्जरी की सुविधा भी आरंभ हो गई है इससे कांगड़ा, चंबा, हमीरपुर, मंडी के कुछ क्षेत्रों के लोगों को उपचार के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने अगले एक वर्ष में कांगड़ा जिला के डॉ. राजेंद्र प्रसाद राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय, टांडा को हिमाचल प्रदेश के उत्कृष्ट स्वास्थ्य संस्थानों में शामिल करने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

पर्यटन निगम के अध्यक्ष आरएस बाली ने कहा कि टांडा मेडिकल कालेज की स्थापना से लेकर इसको विकसित करने में विकास पुरूष जीएस बाली का अमूल्य योगदान रहा है तथा अब यह मेडिकल कालेज निचले क्षेत्रों के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवा रहा है। उन्होंने कहा कि विकास पुरूष जीएस बाली के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाने के सपने का साकार करने के लिए कारगर कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि टांडा मेडिकल कॉलेज में नए विभाग खोले जाएंगे और लोगों की सुविधा के लिए उच्च स्तरीय चिकित्सा उपकरण स्थापित किए जाएंगे। इसके अलावा, मरीजों को गुणवत्तापूर्ण और सुगम स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाने के लिए पैरामेडिकल स्टाफ, नर्स, तकनीशियन और अन्य सहायक कर्मियों के पद भरे जाएंगे। उन्होंने कहा कि टांडा मेडिकल कॉलेज में बीएससी नर्सिंग की सीटें भी बढ़ाने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र क्रांतिकारी बदलाव के दौर से गुजर रहा है तथा टांडा मेडिकल कालेज में सर्जरी और डायग्नोस्टिक टेस्ट के लिए वेटिंग पीरियड को समाप्त करने पर विशेष कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि टांडा मेडिकल कालेज में जीएस बाली मदर चाइल्ड हास्पीटल राज्य का सबसे बड़ा अपनी तरह का शिशु देखभाल केंद्र खोला गया है इसमें मातृ-शिशु देखभाल के लिए आवश्यक सुविधाएं

निफ्ट स्नातक अक्षिता शर्मा ने मुख्यमंत्री को कलाकृति भेंट की

शिमला । निफ्ट दिल्ली स्नातक अक्षिता शर्मा ने आज मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू को एक कलाकृति भेंट की। इस कलाकृति में स्पीति और लाहौल की पारम्परिक कला और संस्कृति को प्रदर्शित किया गया है। इस कलाकृति में हिमालयी आभूषणों में पारंपरिक रूप से उपयोग किए जाने वाले एगेट और जैस्पर पत्थरों का उपयोग किया गया है। कलाकृति में जड़े पत्थर सांस्कृतिक प्रतीक भी हैं। मुख्यमंत्री ने अक्षिता के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें पुरातन शिल्प को पुनर्जीवित करने, सार्थक सांस्कृतिक प्रदर्शनियों का आयोजन करने और हिमाचल की समृद्ध परंपराओं पर आधारित नई उत्पाद श्रृंखलाएं बनाने के लिए बधाई दी। निफ्ट दिल्ली से वर्ष 2016 में स्नातक अक्षिता शर्मा एक डिजाइनर और रचनात्मक सलाहकार हैं, जो शिल्प, संस्कृति और समकालीन डिजाइन के संगम पर काम करती हैं। पिछले पांच वर्षों में, उन्होंने हिमाचल प्रदेश भर के कारीगर समूहों और सरकारी निकायों के साथ सहयोग किया है। गाडऋगुशैनी में भांग से बने पुल्ला शिल्प को पुनर्जीवित करने से लेकर प्रधानमंत्री, भारत के राष्ट्रपति और आध्यात्मिक गुरु सद्गुरु के लिए उपहार तैयार करने तक, अक्षिता आधुनिक संदर्भों में हिमाचल की विरासत को प्रदर्शित करने में अग्रणी रही हैं। उन्होंने नई दिल्ली में आयोजित जी-20 शिखर सम्मेलन में भी राज्य का प्रतिनिधित्व किया है। अपने मिशन को जारी रखते हुए, अक्षिता संस्थानों, स्टार्टअप्स और कारीगर समुदायों के साथ मिलकर काम कर रही हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि शिल्प उनके गृह राज्य में रोजमर्रा की जिंदगी का एक जीवंत हिस्सा बना रहे।

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू को हिमाचल प्रदेश पूर्व सैनिक निगम, हमीरपुर के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक लेफ्टिनेंट कर्नल पियार सिंह अत्री द्वारा निगम की ओर से शिमला में मुख्यमंत्री राहत कोष के लिए 51 लाख रुपये का चेक भेंट किया गया।

मुख्यमंत्री ने पहाड़ी राज्यों के लिए नाबार्ड द्वारा विशेष नियम निर्धारण की आवश्यकता पर बल दिया

शिमला। राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के उप-प्रबंध निदेशक गोवर्धन सिंह रावत ने आज मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू से ओक ओवर में शिष्टाचार भेंट की। मुख्यमंत्री ने नाबार्ड के क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा प्रदेश सरकार और नाबार्ड के मुख्य कार्यालय के मध्य समन्वय को सुदृढ़ करने में निभाई गई भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि इससे महत्वपूर्ण मामलों का शीघ्र समाधान सुनिश्चित हुआ है।

मुख्यमंत्री ने नाबार्ड से ग्राउंड माउंटिड सौर परियोजनाओं को ग्रामीण अवसंरचना विकास निधि (आरआईडीएफ) के अंतर्गत वित्त पोषण के लिए पात्र मानने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि ऐसी परियोजनाओं से पंचायतों को ऊर्जा में आत्मनिर्भरता हासिल करने और राज्य सरकार के हरित हिमाचल के लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद मिलेगी। उन्होंने आरआईडीएफ सहायता के अंतर्गत इलेक्ट्रिक बसों को शामिल करने का भी अनुरोध किया। पहाड़ी राज्यों की भौगोलिक चुनौतियों पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री ने वार्षिक राज्यवार आवंटन तय करते समय 11 पहाड़ी राज्यों के लिए अलग मानदंड बनाने का अनुरोध किया। उन्होंने सुझाव दिया कि वन क्षेत्र, हरित पहल और पारिस्थितिकी तंत्र में योगदान जैसे मापदंडों को ध्यान में रखा जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने नाबार्ड से राज्य योजना विभाग को मत्स्य पालन और पशुपालन क्षेत्र में उपभोक्ताओं तक एक मजबूत और निर्बाध आपूर्ति एवं मूल्य श्रृंखलाएं विकसित करने में सहायता प्रदान करने का आग्रह भी किया। इससे किसानों की आय में वृद्धि होगी। उन्होंने सुधार के दृष्टिगत नाबार्ड द्वारा स्वीकृत कार्यक्रमों के क्रियान्वयन के दौरान परियोजनाओं के अनुरूप विशेष परिवर्तन करने के लिए राज्य सरकारों को अधिक अधिकार प्रदान करने पर बल दिया। नाबार्ड अधिकारियों ने बताया कि धारा 118 के प्रावधानों के कारण सहकारी समितियों के समक्ष आने वाली चुनौतियों से उनके कार्यक्षेत्र का दायरा सीमित होता है। उन्होंने नई समितियां बनाने के बजाय दूध खरीद का कार्य प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों को सौंपने और इन समितियों के कम्प्यूटरीकरण में तेजी लाने का भी सुझाव भी दिया।

मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि नाबार्ड के सभी सुझावों पर विचार किया जाएगा और व्यावहारिक सुझावों को राज्य की विकास रणनीति में शामिल किया जाएगा। उन्होंने सतत विकास और ग्रामीण समृद्धि में योगदान देने वाले नवाचारों के प्रति राज्य सरकार की कार्यनीति से अवगत करवाया। नाबार्ड के अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को आश्वासन दिया कि राज्य सरकार के सुझावों पर विचार किया जाएगा और उन्हें भविष्य के दिशा-निर्देशों में शामिल करने का प्रयास किया जाएगा।

हिमाचल विद्यार्थी-अध्यापक अनुपात में देशभर में अग्रणी: पठानिया

बोले, शिक्षण संस्थान श्रेष्ठ संस्थानों के रूप में होंगे विकसित

धर्मशाला, शाहपुर। उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया ने कहा कि हिमाचल प्रदेश गुणात्मक शिक्षा प्रदान करने के लक्ष्य के साथ निरंतर आगे बढ़ रहा है। शिक्षा के क्षेत्र में अनेक सकारात्मक बदलाव लाए जा रहे हैं। शनिवार को लंज कालेज में छात्र संगठन एनएसयूआई के समारोह में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया ने कहा कि हमारी सरकार ने शिक्षा के क्षेत्र में विभिन्न क्षमताओं में कमी को पहचाना और उन्हें दूर करने के लिए सार्थक कदम उठाए।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में विद्यार्थी-अध्यापक अनुपात में प्रदेश देश भर में अव्वल स्थान पर है। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश ने शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व सफलता हासिल करते हुए पूर्ण साक्षर राज्यों की सूची में अपना नाम अंकित करवाने की उपलब्धि हासिल की। उन्होंने कहा कि सरकारी शिक्षण संस्थानों को श्रेष्ठ संस्थानों के रूप में बदला जा रहा है। हमारी सरकार गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर ध्यान केन्द्रित कर रही है। परिवर्तन की राह पर आगे बढ़ते हुए हम राज्य में विश्वस्तरीय शैक्षणिक संस्थान विकसित करने के लिए प्रयासरत हैं।

उन्होंने कहा कि विधायक केवल सिंह पठानिया ने कार्यक्रम में उपस्थित छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि एनएसयूआइ की स्थापना नौ अप्रैल, 1971 को पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा की गई थी, तब से लेकर अब तक छात्रहित में एनएसयूआई कार्य कर रही है। एनएसयूआई के लिए राष्ट्रहित और छात्रहित सदा सर्वोपरि रहा है। उन्होंने सभी छात्रों से आह्वान करते हुए कहा कि समाजिक बुराईयों को दूर करने के लिए तत्परता के साथ कार्य करें। इस अवसर पर विधायक ने एनएसयूआई के छात्र छात्राओं की मांग पर कमेस्ट्री की खाली पद को ,फिजिकल एजुकेशन का पद सृजित करने का भरोसा भी दिलाया। इस अवसर पर ऋषभ ठाकुर कार्यकारी अध्यक्ष, रवि ठाकुर कैंपस अध्यक्ष, श्रुतिका उपाध्यक्ष, आदित्या मेहरा उपाध्यक्ष, सूरज शर्मा मीडिया इंचार्ज,महक महासचिव, नमिता महासचिव, अरुण रन्धावा मीडिया सचिव,अमन ठाकुर मीडिया अध्यक्ष, निधि मीडिया सचिव,नितिन कपूर मीडिया सचिव,आकांक्षा पटियाल महासचिव आदि एनएसयूआई के सभी छात्र छात्राएं उपस्थित रही।

ग्रेटर फरीदाबाद की सोसाइटियां नगर निगम के अधीन होंगी, लोगों को मिलेंगी बेहतर सुविधाएं

फरीदाबाद , एजेंसी। ग्रेटर फरीदाबाद के सेक्टर-75 से 89 के बीपीटीपी ब्लॉक जल्द ही नगर निगम अधीन होंगे। इस संबंध में जिला नगर योजनाकार के निदेशक अमित खत्री को भेजा गया है। उधर बिल्डर भी हैंडओवर करने की बात से सहमत हैं। इस फैसले से लोगों में खुशी का माहौल है। लोगों को उम्मीद है कि क्षेत्र में सुविधा बढ़ेंगी। सेक्टर-75 से 89 के बीच बीपीटीपी बिल्डर ने वर्ष 2004 में प्रोजेक्ट लॉन्च किया था। वर्ष 2012 से कब्जा मिलना शुरू हुआ है। वर्तमान में यहां प्लॉट, फ्लैट और इंडिपेंडेट फ्लोर्स की कीमत लाखों में है। लोगों का कहना है ब्लॉक के अधिकांश हिस्सों में जरूरी सुविधाओं का अभाव है। पेयजल और टूटी सड़कों की मरम्मत को लेकर बिल्डर तथा लोगों के बीच कई महीनों से विवाद चल रहा है। इसको लेकर कई बार लोग जिला प्रशासन से शिकायत कर चुके हैं। विरोध प्रदर्शन भी हो चुके हैं, लेकिन स्थायी समाधान नहीं हो सका है। कैबिनेट मंत्री के सामने उठा था मुद्दा -इन सेक्टरों के कई ब्लॉक में सीवर, पेयजल, बिजली और टूटी सड़कों की समस्या है। बीते दिनों कैबिनेट मंत्री राव नरबीर की अध्यक्षता में सेक्टर-12 स्थित एचएसवीपी कन्वेंशन हाल में आयोजित ग्रीवेंस की बैठक में ग्रेटर फरीदाबाद के लोगों ने समस्या को उजागर किया था। जिसके बाद मंत्री ने आदेश दिए कि संबंधित क्षेत्र का निरीक्षण कर अधूरे कार्यों को पूरा कराया जाए। लोगों का कहना है कि एरिया नगर निगम और बिजली निगम के अंतर्गत आने के बाद सेक्टर की स्थिति बदलेगी। बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। बीपीटीपी के बिजनेस डेवलपमेंट अध्यक्ष रोहित मोहन का कहना है कि हमारी कंपनी ने सभी आवश्यक सेवाएं हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के मानकों के अनुसार दी हैं। मौके पर सभी जरूरी सुविधाएं भी हैं। कंप्लीशन सर्टिफिकेट के लिए आवेदन भी कर दिया है।

आवश्यक सूचना

पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया से पहले विज्ञापन में प्रकाशित किसी उत्पाद या सेवा के बारे में पूरी तरह जांच पड़ताल कर लें। यह समाचार पत्र उत्पाद या सेवा की गुणवत्ता आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता। समाचार पत्र उपरोक्त विज्ञापनों के बारे में किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

RNI NO: HARHIN/2002/08034, Postal Regd No. HR/AB/54/23-25 , स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक एकान्ति राय गर्ग द्वारा जनपथ पब्लिशर्स, बूथ नं.: 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8, पंचकूला से प्रकाशित। **सम्पादकः- एकान्ति रॉय गर्ग,** मुख्य कार्यालयः बूथ नः 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8 पंचकूला-134109 (हरियाणा)। मो.: 9915606900, email : hindjanpath@gmail.com, argarg1610@gmail.com ।

न्यूज डायरी

भाजपा ने पीसी सैनी को बनाया नेक्स्ट-जेन जीएसटी कार्यक्रम जिला संयोजक

हिन्द जनपथ

गुरुग्राम(ब्यूरो)। भारतीय जनता पार्टी ने गुरूग्राम भाजपा जिला मंत्री एडवोकेट प्रकाश चन्द सैनी को नेक्स्ट - जेन - जीएसटी कार्यक्रम के लिए जिला संयोजक के प्रमुख दायित्व पर नियुक्त किया गया है। वहीं पुरु आजाद, जसबीर यादव और संदीप तंवर को सदस्य नियुक्त किया गया है। श्री सैनी ने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व, संगठन व गुरूग्राम भाजपा जिलाध्यक्ष सर्व प्रिय त्यागी का इस प्रमुख दायित्व की जिम्मेदारी देने के लिए हृदय से आभार व्यक्त किया है।

पीसी सैनी ने कहा कि नेक्स्ट-जेन जीएसटी पीएम मोदी के विकसित भारत के संकल्प की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि जीएसटी अर्थात गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स भारत की कर प्रणाली में एक महत्वपूर्ण सुधार है। जिसने देश की आर्थिक विकास दर को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि अब, सरकार नेक्स्ट-जेन जीएसटी की ओर बढ़ रही है, जो जीएसटी प्रणाली को और अधिक कारगर और तकनीकी रूप से उन्नत बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

श्री सैनी ने कहा कि नेक्स्ट-जेन जीएसटी में ऑटोमेटेड कर निर्धारण की सुविधा होगी, जिससे करदाताओं को अपने करों का भुगतान करने में आसानी होगी। इसमें वास्तविक समय में डेटा विश्लेषण की सुविधा होगी, जिससे कर अधिकारियों को कर चोरी का पता लगाने और उसे रोकने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि पीएम नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में, विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए, देश के स्वर्णिम भविष्य को संवारने के लिए, देश की कर प्रणाली में सुधार कर क़दम बढ़ा दिए हैं।

पंजाब भर में आयोजित तीसरी राष्ट्रीय लोक अदालत

4.50 लाख मामलों का निपटारा हुआ

हिन्द जनपथ

साहिबजादा अजीत सिंह नगर(ब्यूरो)। जस्टिस अश्वनी कुमार मिश्रा, जज, पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय एवं कार्यकारी चेयरमैन, पंजाब राज्य कानूनी सेवाएँ प्राधिकरण जी की योग्य अध्यक्षता में राज्य प्राधिकरण द्वारा 13.09.2025 को राज्य भर में राष्ट्रीय लोक अदालत का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

इस संबंध में जानकारी देते हुए पंजाब राज्य कानूनी सेवाएँ प्राधिकरण की मेंबर सेक्रेटरी नवजोत कौर ने बताया कि इस लोक अदालत में राज्य के सभी जिलों और सब-डिवीजनों में कुल 447 लोक अदालत बेंचों का गठन किया गया था, जिसमें कुल 5.18 लाख मामले लगाए गए। जिनमें से कुल 4.50 लाख मामलों का निपटारा किया गया।

उन्होंने बताया कि इस लोक अदालत के माध्यम से राज्य भर में लंबे समय से चल रहे हजारों मामले आपसी सहमति से निपटाए गए और इस प्रकार यह लोक अदालत मामलों के बोझ को काफी हद तक कम करने में प्रभावशाली साबित हुई।

इस अवसर पर जस्टिस अश्वनी कुमार मिश्रा, कार्यकारी चेयरमैन, पंजाब राज्य कानूनी सेवाएँ प्राधिकरण ने राज्य भर के न्यायिक अधिकारियों, जिला कानूनी सेवाएँ प्राधिकरण और वॉलंटियरों के प्रयासों की सराहना की। माननीय जस्टिस अश्वनी कुमार मिश्रा ने कहा कि 'लोक अदालतें इस विचार का प्रमाण हैं कि न्याय में देरी या विरोधी होना आवश्यक नहीं है। यह देखकर खुशी होती है कि पंजाब के लोग न्याय प्रदान करने के इस सहयोगी तरीके को अपनाते हैं।'

पंजाब राज्य कानूनी सेवाएँ प्राधिकरण द्वारा माननीय पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय, राज्य भर की सभी जिला कानूनी सेवाएँ प्राधिकरण, राज्य के समस्त न्याय अधिकारी, बार मेंबर, पुलिस अधिकारी और सिविल प्रशासन को इस लोक अदालत में सहयोग देने के लिए तहे दिल से धन्यवाद किया गया।

रौनक़ सेवा फाउंडेशन ने 5वीं श्रीमद्भागवत कथा के उपलक्ष्य में कलश यात्रा निकाली

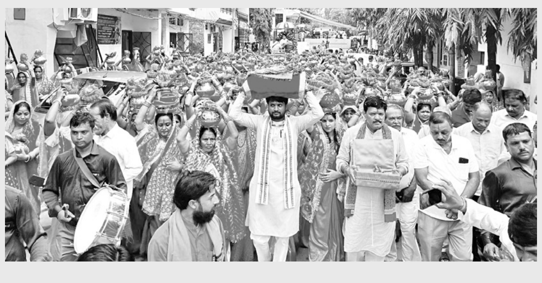

मनीमाजरा : मौली जागरां स्थित विकास नगर में पूर्व डिप्टी मेयर व भाजपा के वरिष्ठ नेता अनिल दुबे, पार्षद श्रीमती बिमला दुबे और रौनक सेवा फाउंडेशन द्वारा आज 5वीं श्रीमद्भागवत कथा के आयोजन के सिलसिले में कलश यात्रा निकाली गई। कथा की विधिवत शुरुआत रविवार को राज्यसभा, सांसद स. सतनाम सिंह संधू ने ज्योति प्रचंड कर शुभारंभ करेंगे।

कथा शुरू करने से पहले आज सुबह को पूर्व डिप्टी मेयर अनिल दुबे, उनकी पत्नी पार्षद बिमला और बेटे शानू दुबे ने सिर पर भागवत व कलश रखकर पूरे एरिया मौली जागरां-विकास नगर में कलश यात्रा निकाली। उन्होंने बताया कि मौली जागरां, विकास नगर के रामलीला मैदान में होने वाली यह श्रीमद्भागवत कथा 14 से 20 सितंबर तक चलेगी। 21 को हवन और भंडारा होगा। वहीं वृंदावन से आए पंडित पंकज शास्त्री कथा करेंगे। रोज शाम 6 बजे शुरू होकर रात 10 बजे तक चलने वाली इस कथा में भगवान श्री कृष्ण जी के द्वारा दिए गए उपदेश कथा में बताएँ जाएँगे। कलश यात्रा में महिलाओं ने भारी संख्या में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। शानू दुबे ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी कथा का आंनद नगरवासी लेंगे।

सीबीएम ने बाढ़ पीड़ितों के लिए 15 लाख से अधिक राहत राशि एकत्र की

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। चण्डीगढ़ व्यापार मंडल (सीबीएम) ने अपनी दूसरी कार्यकारी निकाय बैठक संस्था के अध्यक्ष संजीव चड्ढा की अध्यक्षता में हुई जिसमें पदाधिकारियों और कार्यकारी निकाय सदस्यों ने भाग लिया और कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए।

संजीव चड्ढा ने बताया कि व्यापारी समुदाय की मजबूती के लिए सीबीएम ने 9 नए सदस्यों को शामिल किया। उन्होंने बताया कि सीबीएम ने पंजाब और हिमाचल प्रदेश के बाढ़ पीड़ितों के लिए 15 लाख से अधिक राहत राशि एकत्रित की है। यह राहत राशि पंजाब के राज्यपाल के मार्गदर्शन में वितरित की जाएगी। बैठक में संस्था ने हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा जीएसटी दरों में की गई ऐतिहासिक कटौती के लिए धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया। इन कटौतियों से बड़ी आबादी को लाभ होगा और बिक्री कारोबार में वृद्धि की संभावना है।

सीबीएम ने ऑल इंडिया उद्योग व्यापार मंडल द्वारा भामा शाह की जयंती को राष्ट्रीय व्यापारी दिवस के रूप में मनाने की मांग का समर्थन किया। इसके अतिरिक्त, सीबीएम ने अपने संस्थापक अध्यक्ष स्व. इंदर लाल बत्रा की स्मृति में व्यापारियों, उनके परिवारों और स्टाफ के लिए कल्याणकारी योजनाएं शुरू करने का संकल्प लिया। इस दौरान संजीव चड्ढा ने पिछले तीन महीनों में संगठन की प्रमुख उपलब्धियों को रेखांकित किया, जिनमें अनाज मंडी की सफाई और खरीदारी के समय अवांछित फड़ियों को हटाने की समस्या का समाधान करवाना, नए डीजीपी के सख्त आदेशों के बाद ट्रैफिक पुलिस द्वारा बाहरी राज्यों के वाहनों के गलत चालान को रुकवाना, सेक्टर 45 बुड़ैल सर्कुलर रोड मार्केट में पार्किंग की समस्या को हल करवाने के लिए लंबित पार्किंग का प्रस्ताव पास करवाना आदि शामिल था।

राष्ट्रीय लोक अदालत के दौरान 21192 मामलों का निपटारा किया गया

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली द्वारा प्रेषित कार्यक्रम के अनुसार, आज पंजाब राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यकारी अध्यक्ष न्यायमूर्ति श्री अश्विनी कुमार मिश्रा और पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के न्यायाधीश एवं प्रशासनिक न्यायाधीश, सत्र खण्ड, साहिबज़ादा अजीत सिंह नगर, न्यायमूर्ति श्री महावीर सिंह सिंधु के संरक्षण में और एस.ए.एस. नगर के जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री अतुल कसाना के नेतृत्व में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। यह लोक अदालत आपराधिक मामलों, चेक बाउंस मामलों, बैंक वसूली मामलों, वैवाहिक विवादों, एमएसीटी मामलों, श्रम विवादों, भूमि अधिग्रहण मामलों, बिजली एवं पानी के बिल मामलों, राजस्व विभाग से संबंधित मामलों और सभी प्रकार के दीवानी मामलों के निपटारे के लिए आरक्षित थी।

इस राष्ट्रीय लोक अदालत के लिए जिला न्यायालय मोहाली में 17 बेंचों का गठन किया गया था, जिनकी अध्यक्षता श्री हरदीप सिंह, अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश, श्रीमती नितिका वर्मा, अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश, श्री जरनैल सिंह, प्रिंसिपल जज, फैमिली कोर्ट, श्री हरसिमरनजीत सिंह, अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश, श्री अमनप्रीत सिंह, अतिरिक्त प्रिंसिपल जज, फैमिली कोर्ट, श्री राजेश आहलूवालिया, अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश, श्री अनीश गोयल, सिविल जज (सीनियर डिवीजन), श्रीमती मेघा धालीवाल, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, श्रीमती मनप्रीत कौर, अतिरिक्त सिविल जज (सीनियर डिवीजन), श्री अभय राजन शुक्ला, सिविल जज (जूनियर डिवीजन), श्री किरणदीप सिंह, सिविल जज (जूनियर डिवीजन), श्री संगम कौशल, सिविल जज (जूनियर डिवीजन), सुश्री गुरलीन कौर, सिविल जज (जूनियर डिवीजन), श्रीमती कमल वरिंदर, पीठासीन अधिकारी, औद्योगिक न्यायाधिकरण, श्रीमती गुरमीत कौर, चेयरपर्सन, स्थायी लोक अदालत (सार्वजनिक उपयोगिता सेवाएं), तहसीलदार और नायब तहसीलदार बनूड़ द्वारा की गई।

इसके अलावा, सब-डिवीजन, डेराबस्सी में श्रीमती नवरीत कौर, अतिरिक्त सिविल जज (सीनियर डिवीजन), श्रीमती गुरप्रीत कौर, सिविल जज (जूनियर डिवीजन), सुश्री परनीत कौर, सिविल जज (जूनियर डिवीजन), सुश्री जैस्मीन, सिविल जज (जूनियर डिवीजन), सुश्री डॉफिन घोत्रा, सिविल जज (जूनियर डिवीजन), श्री अमित गुप्ता, एसडीएम और तहसीलदार डेराबस्सी के नेतृत्व में, खरड़ में श्रीमती श्वेता दास, सिविल जज (जूनियर डिवीजन), श्री गुरमेहताब सिंह, सिविल जज (जूनियर डिवीजन), श्री तनवीर सिंह, सिविल जज (जूनियर डिवीजन), सुश्री चाहत छाबड़ा, सिविल जज (जूनियर डिवीजन), नायब तहसीलदार खरड़ और नायब तहसीलदार, माजरी के नेतृत्व में 7 बेंचों का गठन किया गया।

इस राष्ट्रीय लोक अदालत के लिए मोहाली, डेराबस्सी और खरड़ की सभी अदालतों ने सुलह के आधार पर निपटान के लिए अधिकतम मामले रखे। जिला एवं उपमंडल की सभी अदालतों ने विभिन्न पक्षों की सहमति से राष्ट्रीय लोक अदालत में सुलह-समझौते के लिए मामले रखे और उनका निपटारा करवाया। इस राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता के लिए माननीय जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, एस.ए.एस. नगर श्री अतुल कसाना द्वारा समय-समय पर विभिन्न बैठकें बुलाई गईं, जिनमें सभी न्यायाधीशों को राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक मामलों का निपटारा करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने विभिन्न विभागों जैसे बैंक, बिजली विभाग, श्रम विभाग और बीमा कंपनियों आदि के अधिकारियों को इस राष्ट्रीय लोक अदालत के बारे में जानकारी दी और उनसे कहा कि वे सभी मामले जो सुलह-समझौते के आधार पर निपटाए जा सकते हैं, इस राष्ट्रीय लोक अदालत में रखे जाएं।

श्रीमती सुरभि पाराशर, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, एस.ए.एस. नगर ने बताया कि आज इस राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल 23469 मामले निपटारे के लिए रखे गए, जिनमें से 21192 मामलों का निपटारा किया गया और कुल 2,01,61,61,712/- रुपये के अवॉर्ड पारित किये गये।

अवैध खनन और अवैध कटाई के नाम पर हुई लूट की होनी चाहिए सीबीआई जांच : तरूण चुग

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री तरूण चुग ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान एसडीआरएफ फंड को लेकर पंजाब की जनता से झूठ बोल रहे हैं। चुग ने कहा कि नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की रिपोर्ट साफ़ बता रही है कि 31 मार्च 2023 तक पंजाब के एसडीआरएफ खाते में 9,041.74 करोड़ रुपये थे और 31 मार्च 2024 तक यह बढ़कर 10,380.41 करोड़ रुपये हो गए। 2023–24, 2024–25 और 2025–26 के फंड भी मिल चुके हैं। कुल मिलाकर करीब 12,000 करोड़ रुपये पंजाब सरकार के पास मौजूद हैं।

चुग ने तीखे शब्दों में कहा – "मुख्यमंत्री साहब, आपका मुख्य सचिव भी आपकी मौजूदगी में मान चुका है, आपके मंत्री भी मान चुके हैं। फिर जनता से झूठ क्यों बोला? पंजाब की जनता को सच बताइए और केंद्र द्वारा दिया गया पैसा तुरंत राहत के लिए खर्च कीजिए।"

- **मुख्यमंत्री मान बताएं कि एसडीआरएफ का 12,000 करोड़ आखिर गया कहाँ**
- **कैग रिपोर्ट ने खोली आपदा पार्टी के झूठे दावों की पोल"**

उन्होंने आरोप लगाया कि पंजाब सरकार ने SDRF की राशि का केंद्रीय नियमों के अनुसार निवेश तक नहीं किया। यह पैसा आपदा राहत के लिए था, न कि खातों में पड़े रहने या आप पार्टी के विज्ञापनों पर उड़ाने के लिए।

चुग ने कहा – "मुख्यमंत्री अब बहानेबाज़ी से नहीं बच सकते। पंजाब ने भगवंत मान को चुना है, अरविंद केजरीवाल को नहीं। अगर पंजाब को केजरीवाल के भरोसे चलाया गया तो 3 करोड़ पंजाबी कभी माफ़ नहीं करेंगे।"

चुग ने लुधियाना के ससराली गाँव और आस-पास के बुढ़गढ़ व कासाबाद की तबाही का ज़िक्र करते हुए कहा कि सैकड़ों एकड़ ज़मीन बाढ़ कटान से खत्म हो चुकी है। गाँव वालों ने 18 अप्रैल 2025 को अवैध माइनिंग के ख़िलाफ़ FIR तक दर्ज करवाई थी, लेकिन मान सरकार ने आँखें मूँद लीं। चुग ने इसे "मान-मेड डिज़ास्टर" करार दिया।

उन्होंने पंजाब की सभी माइनिंग टेंडरों की सीबीआई जाँच की माँग की और कहा कि अवैध खनन व अवैध कटाई ने ही बाँधों को खोखला किया। "यह लूट केजरीवाल की सरपरस्ती में चल रही है। अब समय आ गया है कि इसका हिसाब दिया जाए।"

किसानों को सिर्फ़ 3 महीने में गाद हटाने का आदेश चुग ने 'क्रूर मज़ाक़' बताया। उन्होंने कहा – "गाद हटाने के लिए किसान न तो मशीनरी रखते हैं, न संसाधन। तीन महीने बाद सरकार ज़मीन पर कब्ज़ा कर ले और रेत माफ़िया कदम रख दे, यह राहत नहीं बल्कि किसानों से ज़्यादती है। आदेश तुरंत रद्द होना चाहिए। किसानों को असीमित समय और प्रशासनिक मदद मिले ताकि खेत बचाए जा सकें।"

चण्डीगढ़ पुलिस के 350 अधिकारियों व कर्मियों ने मुकुट हॉस्पिटल द्वारा आयोजित मुफ्त स्वास्थ्य जांच शिविर का लाभ उठाया

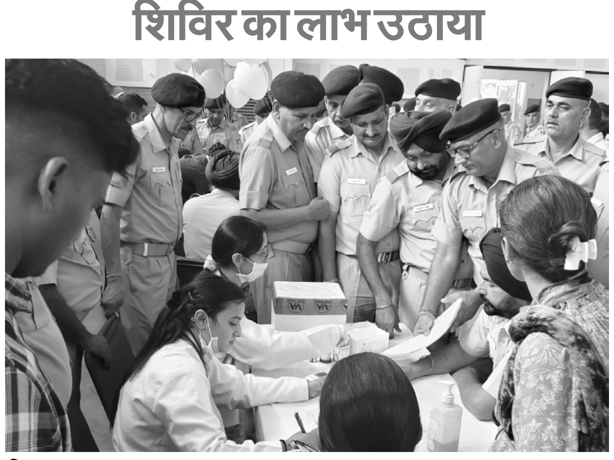

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पुलिस लाइन्स, सेक्टर 26 के मल्टीपर्पज हॉल में चण्डीगढ़ पुलिस के सहयोग से मुकुट हॉस्पिटल एन्ड हार्ट इंस्टिट्यूट, सेक्टर 34 द्वारा मुफ्त स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया।

यह शिविर पुलिस महानिदेशक सागर प्रीत हूडा, आईपीएस तथा पुलिस अधीक्षक मनजीत श्योराण, आईपीएस की पहल पर आयोजित किया गया। इस अवसर पर हरजीत कौर संधू, डीएसपी लाइन्स एवं पीसीआर, मंजू शर्मा, डीएसपी, वेलफेयर सेंटर, इंस्पेक्टर रीना यादव, इंचार्ज, सीपीडी, इंस्पेक्टर जसविंदर कौर इंचार्ज, एडमिन (पीसीआर) एवं अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

अस्पताल के विशेषज्ञ चिकित्सक डॉ. सुरंजना बसाक (न्यूरोलॉजी), डॉ. तेजस सूद (पल्मोनोलॉजी), डॉ. सुमु चौधरी (ऑर्थोपेडिक्स), डॉ. रमेश अग्रवाल (लेप्रोस्कोपिक सर्जरी), डॉ. ज्योतिका शर्मा (स्त्री रोग) परामर्श देने हेतु शिविर में उपस्थित रहे। शिविर में रक्तचाप, ब्लड शुगर, ईसीजी, बोन मिनरल डेंसिटोमेट्री, पैप स्मीयर और पल्मोनरी फंक्शन टेस्ट जैसी डायग्नोस्टिक सेवाएं निःशुल्क उपलब्ध कराई गईं। डीएसपी हरजीत कौर और डीएसपी मंजू शर्मा के प्रस्ताव पर अस्पताल ने सभी बीट बॉक्स पोस्ट पर तैनात पुलिस अधिकारियों के लिए लाइफस्टाइल मैनेजमेंट, सीपीआर और फर्स्ट एड पर प्रशिक्षण सत्र आयोजित करने पर सहमति जताई।

अस्पताल के जीएम, मार्केटिंग बीएस संधू द्वारा सड़क हादसों के पीड़ितों की सहायता हेतु अतिरिक्त पहल के रूप में 10 पीसीआर वाहनों को फर्स्ट एड किट वितरित की गईं। अस्पताल के प्रतिनिधियों ने पीसीआर स्टाफ को इन किट्स के सही उपयोग का प्रदर्शन भी किया। महिला प्रतिभागियों को महिला स्वच्छता किट निःशुल्क प्रदान की गईं।

इस शिविर में पुलिस कर्मियों और उनके परिवारों ने बड़ी संख्या में भाग लिया और लगभग 350 से अधिक लाभार्थियों ने ओपीडी सेवाओं का लाभ उठाया। सभी प्रतिभागियों को डिस्काउंट कूपन वितरित किए गए।

पंजाब सरकार बाढ़ प्रभावित लोगों की सहायता के लिए दिन-रात कार्य कर रही है – हरपाल सिंह चीमा

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री स भगवंत सिंह मान की दूरदर्शी अगुवाई में पंजाब सरकार बाढ़ प्रभावित लोगों की सहायता के लिए दिन-रात कार्य कर रही है। बाढ़ प्रभावित लोगों को कोई भी चिंता करने की आवश्यकता नहीं है क्योंकि उनका जो भी नुकसान हुआ है, उसकी पूरी भरपाई पंजाब सरकार द्वारा की जाएगी। सभी कैबिनेट मंत्री और पूरा प्रशासन बाढ़ पीड़ितों की सहायता में जुटा हुआ है और स्थिति पूरी तरह सामान्य होने तक बाढ़ प्रभावित लोगों को हर प्रकार की सहायता प्रदान की जाएगी।

सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने फाजिल्का जिले के गांव राम सिंह भैणी समेत लगभग 20 गांवों के बाढ़ प्रभावित लोगों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने कहा कि किसानों को उनकी उस जमीन का भी मुआवजा दिया जाएगा जहाँ कोई फसल की बुवाई नहीं की गई थी। उन्होंने बताया कि 'गिरदावरी' का कार्य प्रगति अधीन है। उन्होंने मुख्यमंत्री राहत कोष में 2 लाख रुपये का योगदान भी दिया। उन्होंने बताया कि सड़कें मरम्मत का कार्य शुरू कर दिया गया है और आवागमन सुविधाएं जल्द ही बहाल कर दी जाएंगी।

कैबिनेट मंत्री स हरजोत सिंह बैंस ने बताया कि बाबा गुरदिता जी गुरुद्वारा की इमारत भी भारी बारिश के कारण ढह गई है और अरदास उपरांत गुरुद्वारा बाबा गुरदिता जी की इमारत के आसपास कंक्रीट के ठाम लगाने का कार्य शुरू कर दिया गया है। उन्होंने आगे बताया कि इसके आसपास के क्षेत्र को चौड़ा किया जाएगा और वहाँ बड़ी पार्किंग सुविधा प्रदान की जाएगी। वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा और हरजोत सिंह बैंस ने नंगल क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित गांवों का भी दौरा किया। कैबिनेट मंत्री बरिंदर कुमार गोयल ने आज संगरूर के लहिरागागा में घग्गर नदी का दौरा भी किया।

इसके साथ ही कैबिनेट मंत्री लाल चंद कटारूचक्क की अगुवाई में जिला पठानकोट के 25 बाढ़ प्रभावित गांवों में व्यापक सफाई अभियान चलाया गया। इन गांवों में तास, मखनपुर, बरमल जट्टां, अखवाना, मंजीरी जट्टां, माजरी अराईयां, सेखूपुर मंजीरी, मंजीरी राजपूत, पहाड़ीपुर, फरवाल, बमियाल, भागवाल, दतियाल, जैनपुर, झरक, पम्मण, कोहलियां, अनियाल, किलपुर, गाज़ीबरवन, चारोली, बसाऊ बरवन, आदम बरवन, कांसी बरवन और खुदाईपुर शामिल हैं। इस सफाई अभियान के दौरान गली-नालियों की सफाई, गंदे पानी पर छिड़काव और फॉगिंग भी की गई। साथ ही लोगों को सफाई अभियान में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित भी किया गया।

श्राद्ध पक्ष में श्रीमद् कथा का श्रवण करने से पुण्य की प्राप्ति होती है : पंडित वीरेंद्र नारायण मिश्र

चण्डीगढ़ : श्री परशुराम भवन, सेक्टर 37 में आयोजित होने वाली श्रीमद्भागवत कथा के उपलक्ष में आज भव्य कलश यात्रा का आयोजन किया गया। कलश यात्रा सेक्टर 38 के सनातन धर्म मंदिर से प्रारंभ हुई। बड़ी संख्या में माता-बहनों ने अपने सिर पर कलश धारण करके सेक्टर 37 सी स्थित परशुराम भवन के कथा स्थल तक पैदल यात्रा की। श्रीमद्भागवत कथा 14 सितंबर से नियमित सांय 4 बजे से 7 बजे तक होगी। इस अवसर पर पंडित हरीश शर्मा व्यास पीठ पर विराजमान होंगे। इस अवसर पर कथा के संदर्भ में चर्चा करते हुए पंडित वीरेंद्र नारायण मिश्र ने बताया कि श्राद्ध पक्ष में श्रीमद् कथा का श्रवण करने से पुण्य की प्राप्ति होती है तथा पितरों की आत्मिक शांति के लिए सनातन धर्म में भागवत कथा का पाठ करना या कथा का श्रवण करना दोनों ही शुभ माने जाते हैं। इस कलश यात्रा में श्री ब्राह्मण महासभा, चंडीगढ़ के प्रधान यशपाल तिवारी, प्रख्यात ज्योतिषाचार्य पंडित वीरेंद्र नारायण मिश्रा, भाजपा नेता शशि शंकर तिवारी, नरेंद्र कुमार पांडे, अश्विनी महाजन, गोपाल शुक्ला, श्रीमती चंद्रावती शुक्ला, रूबी गुप्ता एवं आशा नौटियाल सहित समेत अनेक गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए।

हिन्दी राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक पहचान का आधार है : डॉ सपना मल्होत्रा

चण्डीगढ़ : पीजीजीसीजी-42 के हिन्दी विभाग द्वारा हिन्दी दिवस सप्ताह का समापन समारोह मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कॉलेज की प्राचार्या प्रो डॉ अनीता कौशल ने किया। इस अवसर पर हिन्दी विभाग की अध्यक्षा डॉ सपना मल्होत्रा ने हिन्दी भाषा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हिन्दी केवल हमारी मातृभाषा ही नहीं, बल्कि यह राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक पहचान का आधार है।

हिन्दी दिवस सप्ताह के अंतर्गत आयोजित हुईं विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे कहानी लेखन, कविता लेखन, सुलेख लेखन, स्लोगन लेखन तथा कविता पाठ प्रतियोगिता में छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया तथा अपनी रचनात्मक प्रतिभा का परिचय दिया।

आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं को महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो डॉ अनीता कौशल ने पुरस्कार प्रदान करते हुए सन्मानित किया तथा सभी को जीवन में आगे बढ़ते रहने के लिए प्रीरित किया। हिन्दी सप्ताह का यह आयोजन छात्राओं के लिए प्रेरणादायी, ज्ञानवर्धक एवं उत्साहवर्धक सिद्ध रहा एवं इसका सफल संचालन हिन्दी विभाग के समस्त प्राध्यापक व सम्बंधित अधिकारीयों ने मिल कर किया।

पंचकूला व कालका न्यायालय परिसरों में आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में 17,941 मामलों का सौहार्दपूर्ण निपटारा

हिन्द जनपथ

पंचकूला (ब्यूरो)। आज, माननीय हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (HALSA) द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार, जिला न्यायालय परिसर, पंचकूला और उप-मंडल न्यायालय, कालका में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। लोक अदालत श्री वेद प्रकाश सिरोही, जिला एवं सत्र न्यायाधीश, पंचकूला और अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (DLSA), पंचकूला की समग्र देखरेख में आयोजित की गई।

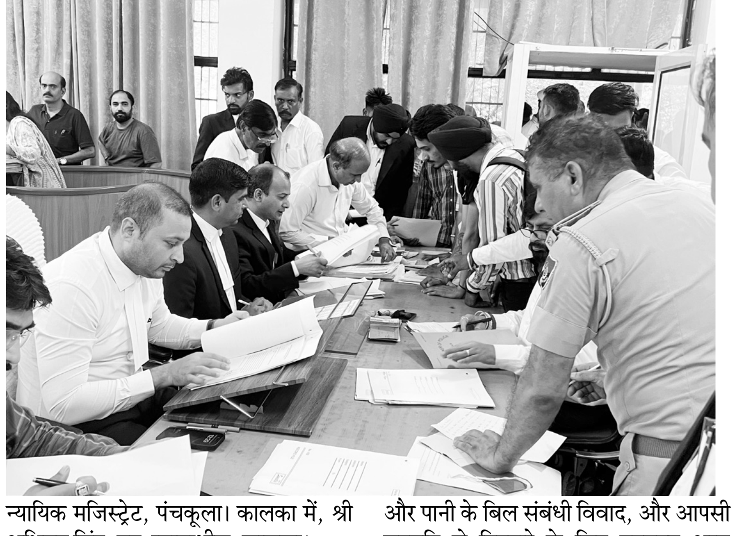

सुश्री अपर्णा भारद्वाज, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट-सह-सचिव, DLSA, पंचकूला ने बताया कि जिला एवं सत्र न्यायाधीश के निर्देशों के अनुपालन में, जिला न्यायालय परिसर, पंचकूला में छह बेंच और उप-मंडल न्यायालय परिसर, कालका में एक बेंच का गठन किया गया। इन बेंचों की अध्यक्षता न्यायिक अधिकारी श्री हिमांशु सिंह, अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश पंचकूला, सुश्री मनमीत कौर घुम्मन, जेएमआईसी, श्री द्वारा की गई। अजय कुमार घनघस, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, पंचकूला, सुश्री अरुणिमा चौहान, संयुक्त न्यायिक मजिस्ट्रेट, पंचकूला, सुश्री ज्योति संधू, संयुक्त न्यायिक मजिस्ट्रेट, पंचकूला। कालका में, श्री अभिमनु सिंह, उप-न्यायाधीश, कालका।

कार्यवाही के दौरान, विभिन्न प्रकार के मामलों पर विचार किया गया, जिनमें दीवानी, आपराधिक समझौता योग्य, वैवाहिक विवाद, बैंक वसूली मामले, एमएसीटी दावे, बिजली और पानी के बिल संबंधी विवाद, और आपसी सहमति से निपटारे के लिए उपयुक्त अन्य मामले शामिल थे। राष्ट्रीय लोक अदालत का मुख्य उद्देश्य मामलों का शीघ्र निपटान सुनिश्चित करना, लंबित मामलों को कम करना और वादियों को एक प्रभावी वैकल्पिक विवाद समाधान तंत्र प्रदान करना था।

सुश्री भारद्वाज ने आगे बताया कि लोक अदालत एक ऐसा मंच है जहाँ विवादों का निपटारा लंबी सुनवाई प्रक्रिया के बिना सौहार्दपूर्ण ढंग से किया जाता है, जिससे संबंधित पक्षों के समय और धन दोनों की बचत होती है। पक्षकारों को इस बात का भी लाभ मिलता है कि यदि न्यायालय शुल्क का भुगतान कर दिया जाता है, तो वह समझौते के बाद वापस कर दिया जाता है, और लोक अदालत द्वारा पारित निर्णय अंतिम और सभी पक्षों पर बाध्यकारी होता है, जो एक सिविल न्यायालय के आदेश के समान प्रभावी होता है।

लोक अदालत में बड़ी संख्या में पक्षकारों ने सुलह-समझौते की भावना से भाग लिया। लंबे समय से लंबित कई विवादों का दोनों पक्षों की संतुष्टि के अनुसार सौहार्दपूर्ण ढंग से निपटारा किया गया, जिससे शांति और सद्भाव सुनिश्चित हुआ। इन समझौतों से न केवल पक्षकारों को राहत मिली, बल्कि अदालतों में लंबित मामलों का बोझ भी कम हुआ।

डीएलएसए ने यह भी सुनिश्चित किया कि कार्यवाही के दौरान पक्षकारों और अधिवक्ताओं की सुविधा के लिए पर्याप्त व्यवस्था की जाए। पैरा लीगल वालंटियर्स ने पक्षकारों का मार्गदर्शन करने और उन्हें लोक अदालत के माध्यम से विवादों के समाधान के लाभों के बारे में समझाने में सक्रिय भूमिका निभाई। लोगों में शीघ्र और किफायती न्याय प्राप्त करने में लोक अदालतों की उपयोगिता के बारे में जागरूकता भी फैलाई गई। राष्ट्रीय लोक अदालत में विधिक समुदाय, वादकारियों, बैंकों एवं बीमा कंपनियों के अधिकारियों की सक्रिय भागीदारी रही, जिनके सहयोग से मामलों का सफल निपटारा संभव हुआ। आपसी समझ और सहयोग के माहौल ने इस पहल को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल 17,941 मामलों का निपटारा किया गया।

सुश्री अपर्णा भारद्वाज ने पंचकूला में आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने में योगदान देने के लिए सभी न्यायिक अधिकारियों, अधिवक्ताओं, पीएलवी, कर्मचारियों और अन्य हितधारकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि विधिक सेवा प्राधिकरण सभी के लिए न्याय तक पहुँच के संवैधानिक दायित्व को पूरा करने के लिए भविष्य में भी ऐसी लोक अदालतों का आयोजन करता रहेगा।

संपादकीय

भारतीय टीम ने दमखम से किया प्रदर्शन, अतीत की यादें हो गईं ताजा

अंतरराष्ट्रीय हाकी की दुनिया में भारत को जिस रूप में याद किया जाता है, उसमें इसकी टीम से किसी प्रतियोगिता में खिताबी जीत की उम्मीद स्वाभाविक है। ऐसे मौके भी आते रहे हैं, जिनमें भारतीय टीम ने किसी प्रतियोगिता में बेहतरीन प्रदर्शन किया, लेकिन पदक से थोड़ी दूरी रह गई। करीब आठ वर्ष के बाद बिहार के राजगीर में एशिया कप, 2025 के खिताबी मुकाबले में भारतीय टीम ने जिस दमखम का प्रदर्शन किया, उससे एक बार फिर हाकी में अतीत की यादें ताजा हो गईं, जब भारतीय टीम को हर विश्वकप में सबसे बड़ा दावेदार माना जाता था।गौरतलब है कि रविवार को एशिया कप का फाइनल मैच भारत और दक्षिण कोरिया के बीच खेला गया। यों दक्षिण कोरिया को भी हाकी के मैदान में सबसे मजबूत टीमों में से एक माना जाता है और एशिया कप पर वह पांच बार कब्जा जमा चुका है। मगर भारत ने इस मैच में दक्षिण कोरिया को एक के मुकाबले चार गोल से हराया और एशिया कप के विजेता का खिताब अपने नाम किया। खास बात यह भी है कि न केवल अंतिम मुकाबले में, बल्कि इस पूरी प्रतियोगिता में भारतीय टीम ने अपने सारे मैच जीते।इस लिहाज से देखें तो भारतीय खिलाड़ियों ने एशिया कप में अपनी टीम के सर्वश्रेष्ठ होने का दावा सामने रखा है और टीम की विश्व स्तर पर स्थिति और मजबूत हुई है। निश्चित रूप से इस वर्ष के एशिया कप में भारतीय टीम की जीत की अपनी अहमियत है, लेकिन यह भी सच है कि भारत यह खिताब इससे पहले चार बार अपने नाम करा चुका है। मैच में खास बात यह रही कि इस मुकाबले में शुरू से ही नियंत्रण भारत की टीम ने अपने हाथ में रखा।यही वजह रही कि पहले ही मिनट में सुखजीत सिंह के शानदार गोल के बाद दक्षिण कोरिया की टीम एक तरह के मानसिक दवाब में आई और इसका असर समूचे मैच में दिखा। दक्षिण कोरिया पर मिली जीत को इस लिहाज से भी अहम माना जा सकता है कि इसी वजह से भारत को अगले वर्ष होने वाले हाकी विश्व कप में सीधे प्रवेश मिल जाएगा। उम्मीद की जानी चाहिए कि विश्वकप और अन्य अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भारतीय हाकी टीम की यही धार बनी रहेगी।

पूरी दुनिया की सरकारें युवा के मुद्दों, उनमें बढ़ रहे तनाव एवं दुःखों और उनकी बातों पर ध्यान आकर्षित करे। न केवल सरकारें बल्कि आम-जनजीवन में भी युवकों की स्थिति, उनके सपने, उनके जीवन लक्ष्य आदि पर चर्चाएं हो, अन्यथा युवकों की जीवनशैली में रचनात्मक परिवर्तन के स्थान पर हिंसा-आतंक-विध्वंस की स्थितियां विकराल होती जायेगी, जैसाकि नेपाल में देखने को मिल रहा है। पिछले कुछ दशकों तक यह मान्यता रही कि जीवन की मध्य आयु वर्ग यानी 40 से 50 वर्ष के लोग ही सबसे अधिक अवसादग्रस्त, तनावग्रस्त, क्रोधित और दुखी होते हैं। युवावस्था और बुजुर्गावस्था अपेक्षाकृत अधिक प्रसन्न और संतुलित मानी जाती थी।

अनिश्चित भविष्य एवं आभासी दुनिया से दुःखी युवा पीढ़ी

(ललित गर्ग)

आज के युवा सोशल मीडिया पर लगातार सक्रिय रहते हैं। देर रात तक स्क्रीन से चिपके रहना उनकी नींद और दिनचर्या दोनों को प्रभावित कर रहा है। आभासी मित्रता और लाइक्स की दुनिया में उन्हें वास्तविक संबंधों की गर्मजोशी नहीं मिल पाती।

पूरी दुनिया की सरकारें युवा के मुद्दों, उनमें बढ़ रहे तनाव एवं दुःखों और उनकी बातों पर ध्यान आकर्षित करे। न केवल सरकारें बल्कि आम-जनजीवन में भी युवकों की स्थिति, उनके सपने, उनके जीवन लक्ष्य आदि पर चर्चाएं हो, अन्यथा युवकों की जीवनशैली में रचनात्मक परिवर्तन के स्थान पर हिंसा-आतंक-विध्वंस की स्थितियां विकराल होती जायेगी, जैसाकि नेपाल में देखने को मिल रहा है। पिछले कुछ दशकों तक यह मान्यता रही कि जीवन की मध्य आयु वर्ग यानी 40 से 50 वर्ष के लोग ही सबसे अधिक अवसादग्रस्त, तनावग्रस्त, क्रोधित और दुखी होते हैं। युवावस्था और बुजुर्गावस्था अपेक्षाकृत अधिक प्रसन्न और संतुलित मानी जाती थी। लेकिन हाल के वैश्विक अध्ययनों ने इस धारणा को पूरी तरह बदल दिया है। दुनिया में मानसिक स्वास्थ्य पर नजर रखने वाली ग्लोबल माइंड प्रोजेक्ट सहित अनेक शोध बताते हैं कि दुख और तनाव की शुरुआत अब युवावस्था से ही होने लगी है। सबसे खुशी, मस्त एवं तनावमुक्त जीवन जीने वाली यह पीढ़ी अब सबसे अधिक तनावग्रस्त हो गयी है, जो गहन चिन्ता का सबबे है। अमेरिका, ब्रिटेन, एशिया, अफ्रीका और मध्यपूर्व जैसे 44 देशों के आंकड़े स्पष्ट संकेत देते हैं कि मानसिक स्वास्थ्य की दृष्टि से आज की युवा पीढ़ी बुजुर्गों से भी अधिक कमजोर है। युवाओं की इस स्थिति के पीछे कई कारण बताए जाते हैं, जैसे रोजगार की असुरक्षा, भविष्य की अनिश्चितता, कार्यस्थलों का दबाव, प्रतिस्पर्धा का वातावरण और सबसे बड़ा कारक सोशल मीडिया का बढ़ता हस्तक्षेप। आभासी दुनिया युवाओं को बड़े सपने तो दिखाती है, लेकिन जीवन की कठोर सच्चाइयों से उनका सामना नहीं कराती। यही कारण है कि वास्तविक चुनौतियों से टकराते ही वे टूटने लगते हैं।

आज के युवा सोशल मीडिया पर लगातार सक्रिय रहते हैं। देर रात तक स्क्रीन से चिपके रहना उनकी नींद और दिनचर्या दोनों को प्रभावित कर रहा है। आभासी मित्रता और लाइक्स की दुनिया में उन्हें वास्तविक संबंधों की गर्मजोशी नहीं मिल पाती। संवाद की जगह इमोजी ले लेते हैं और भावनाओं का स्थान कृत्रिम पोस्ट। परिणामस्वरूप वे वास्तविक सामाजिक जीवन से कटते जा रहे हैं। मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि जब इंसान अपने मित्रों, परिवार और समाज के साथ आमने-सामने संवाद करता है, तो तनाव कम होता है। कृतज्ञता का भाव मानसिक संतुलन को बनाए रखता है। परंतु डिजिटल आभामंडल में जीने वाला युवा जब अपनी तुलना लगातार दूसरों की सफलता और भौतिक समृद्धि से करता है, तो उसमें हीनभावना और निराशा जन्म लेती है। यही निराशा कई बार आक्रोश और हिंसा का रूप ले लेती है।

सवाल यह है कि मानसिक तनाव का सीधा रिश्ता हिंसा से कैसे जुड़ रहा है। दरअसल, जब कोई व्यक्ति भीतर से असुरक्षित, असंतुष्ट और हताश होता है तो उसकी ऊर्जा रचनात्मकता की बजाय विध्वंसक रास्ते पकड़ लेती है। जिन युवाओं को उचित दिशा, रोजगार और सामाजिक मान्यता नहीं मिल पाती, वे गुस्से में समाज के खिलाफ खड़े हो जाते हैं। यही गुस्सा कई बार सामाजिक अशांति, अपराध और दंगों के रूप में सामने आता है। यह वैश्विक ट्रेंड केवल पश्चिमी देशों तक सीमित नहीं है। भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका और विशेष रूप से नेपाल में हालिया परिदृश्य इसका उदाहरण है। नेपाल में पिछले महीनों हुए दंगे, हाल की युवाक्रांति और युवा आंदोलनों ने इस सच्चाई को सामने ला दिया कि निराशा से भरे युवाओं की ऊर्जा किस तरह हिंसा और अराजकता का रूप ले सकती है। नेपाल का इतिहास ही युवा आंदोलनों से भरा रहा है। राजतंत्र से लोकतंत्र और फिर लोकतांत्रिक अस्थिरता के बीच युवा हमेशा निर्णायक शक्ति रहे हैं। हाल ही में नेपाल में हुए दंगों और विरोध प्रदर्शनों के केंद्र में भी युवा ही थे। नेपाल के युवा लंबे समय से बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और राजनीतिक अस्थिरता से जूझ रहे हैं। वहां की जनसंख्या का बड़ा हिस्सा 30 वर्ष से कम आयु का है, लेकिन रोजगार और अवसरों की कमी उन्हें या तो प्रवासी मजदूरी की ओर धकेल रही है या फिर हिंसक आंदोलनों की ओर। सोशल मीडिया इस असंतोष को और हवा दे रहा है। एक तरफ वहां पर नई राजनीतिक चेतना के स्वर सुनाई देते हैं, दूसरी तरफ यह चेतना जब रचनात्मक दिशा नहीं पाती तो दंगे, हिंसा और अराजकता का रूप ले लेती है।

नेपाल के हालिया आंदोलन यह भी बताते हैं कि युवा सिर्फ रोजगार और आर्थिक अवसर ही नहीं चाहते, वे सामाजिक न्याय, ईमानदार एवं भ्रष्टाचारमुक्त शासन और राजनीतिक स्थिरता की भी मांग कर रहे हैं। लेकिन जब इन मांगों को अनसुना किया जाता है, तो वही आक्रोश सड़क पर हिंसा के रूप में फूट पड़ता है। यदि हम नेपाल की घटनाओं को व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखें तो यह सिर्फ एक देश की समस्या नहीं है। यह उस वैश्विक संकट की झलक है जिसमें पूरी दुनिया की युवा पीढ़ी फंसी हुई है। अमेरिका और ब्रिटेन जैसे विकसित देशों में भी 2016 के बाद से चालीस वर्ष से कम उम्र के युवाओं में अवसाद और चिंता बढ़ी है। एशिया और अफ्रीका जैसे विकासशील देशों में रोजगार की असुरक्षा ने युवाओं को और हताश किया है। तकनीकी विकास और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बढ़ते प्रयोग ने श्रम आधारित रोजगार के अवसर सीमित कर दिए हैं। नेपाल उसी वैश्विक प्रवृत्ति का एक प्रतिरूप है जहां निराशा और तनाव ने हिंसा का रूप ले लिया है।

युवाओं के दुख, तनाव और हिंसा की प्रवृत्ति को केवल नीतियों या आर्थिक सुधारों से नहीं रोका जा सकता। इसके लिए बहुस्तरीय प्रयासों की जरूरत है। युवाओं को आभासी जीवन से बाहर लाने और वास्तविक संवाद व संबंधों की ओर प्रेरित करना होगा। सरकारों को युवाओं के लिए स्थायी और सुरक्षित रोजगार के अवसर सृजित करने होंगे। शिक्षा को केवल डिग्री तक सीमित न रखकर जीवन कौशल और मानसिक स्वास्थ्य पर भी केंद्रित करना जरूरी है। अवसाद और चिंता को कलंक की बजाय सामान्य समस्या मानकर परामर्श सेवाएं उपलब्ध करानी होंगी। युवाओं की ऊर्जा को रचनात्मक सामाजिक और राजनीतिक भागीदारी में लगाना होगा ताकि उनकी निराशा हिंसा की ओर न मुड़े। युवा क्रांति का प्रतीक है, ऊर्जा का स्रोत है, इस क्रांति एवं ऊर्जा का उपयोग रचनात्मक एवं सृजनात्मक हो, इसके लिये व्यापक प्रयत्न करने होंगे।

युवा पीढ़ी किसी भी समाज का भविष्य होती है। लेकिन जब यही पीढ़ी दुख, तनाव और हिंसा के दुष्चक्र में फंस जाती है तो समाज का भविष्य ही संकटग्रस्त हो जाता है। युवा सपनों को आकार देने का अर्थ है सम्पूर्ण मानव जाति के उन्नत भविष्य का निर्माण। यह सच है कि हर दिन के साथ जीवन का एक नया लिफाफा खुलता है, नए अस्तित्व के साथ, नए अर्थ की शुरूआत के साथ, नयी जीवन दिशाओं के साथ। हर नई आंख देखती है इस संसार को अपनी ताजगी भरी नजरों से। इनमें जो सपने उगते हैं इन्हीं में नये समाज की, नयी आदमी की नींव रखी जाती है। नेपाल के हालिया दंगे इस खतरे की चेतावनी हैं। यह सिर्फ नेपाल का प्रश्न नहीं, बल्कि पूरी दुनिया का प्रश्न है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम युवाओं को केवल सपने ही न दिखाएँ, बल्कि उन्हें वास्तविक जीवन की चुनौतियों से जूझने का संबल दें। असीमित आकांक्षाओं और कठोर यथार्थ के बीच संतुलन स्थापित करना ही मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक शांति की कुंजी है। यदि हम यह संतुलन नहीं बना पाए, तो युवा आक्रोश न केवल दंगों और हिंसा का कारण बनेगा बल्कि पूरी सभ्यता की स्थिरता को चुनौती देगा एवं महाविनाश का कारण बनेगा। लेखक, पत्रकार, स्तंभकार। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

नेपाल से बांग्लादेश और श्रीलंका तक चल रहा एल्गोरिदम का खेल, धराशायी हो रही सरकारें

(राज किशोर)

किसी देश की सरकार को गिराने में आज सबसे तेज़ कौन है? सेना? विपक्ष? जनता..? या फिरज्एक एल्गोरिदम? पिछले तीन वर्षों में, हमारे तीन पड़ोसी देशों श्रीलंका, बांग्लादेश और नेपाल में जो हुआ वही इस सवाल का जवाब है। भीड़ सड़कों पर उतरी सरकारें गिर गई और ये सब हुआ सोशल मीडिया के एल्गोरिदम की रफ़्तार पर। स्पष्ट है कि मोबाइल फ़ोन पर थिरकते अंगूठे लाठियों से ज़्यादा शक्तिशाली हैं। इसके उदाहरण सामने हैं। नेपाल की राजधानी काठमांडू बीते हफ्ते अचानक जल उठी। सोमवार सुबह 9 बजे सरकार ने 26 सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक, एक्स, यूट्यूब, व्हाट्सएप तक को बंद करने का आदेश दिया। तर्क दिया गया कि इससे अफवाहें और असंतोष पर लगाम लगेगी। लेकिन हुआ इसके ठीक उलट। सिर्फ तीन घंटे बाद ही यूनिवर्सिटी कैंपस से प्रदर्शन शुरू हो गया। युवाओं ने वीपीएन यानी वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क के ज़रिए लाइवस्ट्रीम चलाए और मीम्स-वीडियो के जरिए गुस्से को हवा दी। शाम तक 10 ज़िले कर्फ़्यू में थे और रात होते-होते पुलिस-भीड़ की हिंसक झड़पों में 19 लोग मारे जा चुके थे। अगले दिन सुबह डायस्पोरा चैनलों ने पूरी दुनिया में तस्वीरें और वीडियो फैला दिए। अंतरराष्ट्रीय दबाव बढ़ा और मंगलवार शाम 4 बजे प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली को इस्तीफ़ा देना पड़ा। यह पूरी कहानी सिर्फ 36 घंटे में घट गई। इतनी तेज़ी से कि कोई सेना कॉलम भी इतनी जल्दी नहीं पहुंच सकता।

बांग्लादेश का 'मॉनसून अपराइजिंग ': नेपाल से पहले 2024 में बांग्लादेश में यही कहानी लिखी गई थी। जुलाई में छात्रों ने कोटा व्यवस्था के खिलाफ़ आंदोलन शुरू किया। पहले यह कैंपस तक सीमित था, लेकिन जल्द ही फेसबुक स्टूडेंट पेजों, इंस्टाग्राम स्लोगनों और डायस्पोरा चैनलों ने इसे एक राष्ट्रीय पहचान दी। सोशल मीडिया पर यह आंदोलन मॉनसून अपराइजिंग के नाम से जाना जाने लगा। मीम्स और वीडियो ने इसे एक साझा लय दी, जिसने युवाओं को सिर्फ़ गुस्सा नहीं बल्कि दिशा भी दी।सरकार ने इंटरनेट बंद किया, सेना उतारी और कर्फ़्यू लगाया। लेकिन एल्गोरिदम तब तक गुस्से को सड़कों पर लाखों कदमों में बदल चुका था। 5 अगस्त को हालात बेकाबू हो गए और प्रधानमंत्री शेख हसीना को पद छोड़कर देश छोड़ना पड़ा। आधिकारिक आंकड़े भले कम बताए गए हों, लेकिन विभिन्न अनुमानों के मुताबिक 150 से 300 से अधिक लोगों की जान गई।

श्रीलंका से आरंभः दक्षिण एशिया में एल्गोरिदम और सत्ता की यह जंग सबसे पहले 2022 में श्रीलंका में दिखी। आर्थिक संकट ने जनता का गुस्सा चरम पर पहुंचा दिया था। पेट्रोल-डीज़ल की लाइनें, गैस सिलेंडर की कमी और आसमान छूती महंगाई हर परिवार नाराज था। इसी आक्रोश को एक दिशा सोशल मीडिया ने दी। फेसबुक और व्हाट्सऐप ग्रुपों पर तय हुआ कि किस दिन किस शहर से कौन-सी रैली निकलेगी, कौन किसे पानी और दवा पहुंचाएगा। सरकार ने सोशल मीडिया बैन करने की कोशिश की, लेकिन कुछ घंटों में ही यह कदम उल्टा पड़ा।

जनता राष्ट्रपति भवन तक पहुँच गई और राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे को देश छोड़ना पड़ा। यही श्रीलंका 2018 में फेसबुक से भड़की मुस्लिम विरोधी हिंसा का गवाह भी रहा था। यह दोहरा चेहरा बताता है कि सोशल मीडिया लोकतांत्रिक आंदोलन का औजार भी बन सकता है और सांप्रदायिक हिंसा का हथियार भी।

जेन-जी की डिजिटल ताकतः इन तीनों कहानियों की सबसे अहम कड़ी है जेन-जी यानी वे युवा जो 1997 के बाद पैदा हुए और जिनकी ज़िंदगी मोबाइल स्क्रीन पर बीतती है। इस पीढ़ी के लिए व्हाट्सएप चैट रूम है, इंस्टाग्राम उनका सार्वजनिक चौक और यूट्यूब उनकी यूनिवर्सिटी।

नेपाल हो या बांग्लादेश, हर जगह कैंपस के छात्र, यूट्यूबर, इंस्टाग्रामर और फेसबुक ग्रुपों ने आंदोलन की कमान संभाली।जेन जी का सबसे बड़ा हथियार है वायरलिटी। वे जानते हैं कि मीम, शॉर्ट वीडियो और लाइवस्ट्रीम किसी भी भाषण से ज़्यादा असरदार है। और यही वजह है कि एल्गोरिदम उन्हें तुरंत विस्तार देता है।

पैटर्न हर जगह एक जैसा

अगर इन तीनों देशों को जोड़कर देखें तो कहानी की रेखा साफ़ नज़र आती है-

1. छिपा गुस्सा- भ्रष्टाचार, महंगाई या अन्याय।
2. एल्गोरिदम स्पार्क-वायरल पोस्ट या मीम जो गुस्से को आकार देता है।
3. नेटवर्क लॉजिस्टिक्स- हैशटैग, लाइवस्ट्रीम और मैप्स से भीड़ को दिशा मिलती है।
4. राज्य की प्रतिक्रिया- इंटरनेट शटडाउन, कर्फ़्यू और बल प्रयोग।
5. सत्ता का पतन- राजपक्षे, हसीना और ओली- तीनों को जाना पड़ा।

भारत के लिए चेतावनी

भारत दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी वाला लोकतंत्र है। 65 प्रतिशत से ज़्यादा आबादी 35 साल से कम उम्र की है। यानी वही जेन जी और मिलेनियल्स, जिनके लिए मोबाइल ही खबरों का स्रोत है और सोशल मीडिया ही लोकतंत्र का मैदान। तो क्या इन हालात में क्या जेन-जी का दिमाग हाईजैक किया जा सकता है..? क्या ये सब किसी 'बड़े षड्यंत्र' का हिस्सा हो सका है या फिर सोशल मीडिया की डिजाइन की वजह से ये होता है?

दरअसल, सच यह भी है कि ऐसी सामग्री जो सोशल मीडिया पर लोगों को संवाद और प्रतिवाद का मौका देती है जिसे इंगेजमेंट ड्रिवन फीड्स कहते हैं वह सबसे तेजी से आक्रोश को फैलाते हैं। लोग समझते हैं कि यही जनमत है और फिर सड़क पर उतर आते हैं।

यदि युवा असंतोष, भ्रष्टाचार की कहानियां और चुनावी तनाव एक साथ आएं, तो एल्गोरिदम कहीं भा सत्ता से तेज़ साबित हो सकता है और अगर सरकार ने इंटरनेट बंद करने का रास्ता चुना तो जनता का गुस्सा सड़कों पर दिख सकता है।

एल्गोरिदम हमेशा आगे

आज के दौर में एल्गोरिदम सत्ता या सरकारों से तेज है। लाठी, शटडाउन और कर्फ़्यू देर से आते हैं। मतलब ये कि सत्ता को बचाना अब सेना के बूते पर नहीं, बल्कि संस्थाओं की विश्वसनीयता और सरकार की पारदर्शिता पर निर्भर करता है।

वर्ग पहेली 5852

1	2	3	■	4	5	6	7
8				■	9		
	■		■	10		■	
		11	12		■	■	
■	13	■	14		■	15	
16			■	17	18		■
19		■	20	■	21		
22		■	23		■		■

संकेतः बाएं से दाएं

1. करीब 500 फिल्मों में नृत्य पेश कर चुकी इस नृत्यांगना अभिनेत्री का 21 अक्टूबर 1939 को जन्म दिन है(3)
4. निद्रा को जीत लेने के कारण पांडुपुत्र अर्जुन का एक नाम (4)
8. अपना स्वार्थ सिद्ध करने वाला (4)
9. मस्तक, माथा, पेशानी (3)
10. कच्चे आम या इमली का बना खटठा-मीठा पदार्थ (2)
11. हिंदू धर्म के लोग इस पौधे को पवित्र मानते है, कार्तिक मास में इस पौधे का पूजन हर हिंदू के घर में होता है (3)
14. राजमुकुट, शिखा (2)
15. वह राजा जिसके नाम से कोई सवत् चले, भ्रम (2)
16. आईना, कांच, शीशी (3)
17. मेहबूब खान के निर्देशन में बनी फिल्म आन (1952) इस अभिनेत्री की पहली फिल्म थी (3)
19. युद्ध, जंग, लड़ाई (2)
21. उपद्रव, फसाद (3)
22. मित्र, दोस्त, पुरूष मित्र (2)
23. नर्मघास, विशाखा, अमृता (2)

ऊपर से नीचे

1. पुरानी फिल्मों की प्रसिद्ध पार्श्व गायिका जो संगीतकार रवींद जैन की पसंदीदा गायिकाओं में से एक थी (4)
2. दुर्व्यसन, बुरी आदत (2)
3. विश्वकर्मा के सुत नल द्वारा बनाया गया रामेश्वर के निकट समुद पर बंधापुल (4)
5. भराई करना, पूंजी निवेश करना (3)
6. इस फल को कदरी भी कहते है (2)
7. बैंडमिंटन की गेंद को अंग्रेजी में यह कहते है (6)
10. दया आना, द्रवित होना (4)
12. कोमलकांड, सुंदर स्त्री (2)
13. लंकाधिपति रावण की प्रसिद्ध बहन (4)
15. सज्जनता, सभ्यीकरण (4)
16. ईश्वर दर्शन (3)
18. मन, हृदय, चित्त (2)
20. पिता के पिता को प्यार से यह कहते है (2)

वर्ग पहेली 5851 का हल

श्री	लं	का	■	ली	ला	से	ठ
ग	ब	न	■	प	ल	■	ग
णे	■	न	म	ना	■	बा	ना
शा	प	■	हा	■	द	■	■
य	ह	■	दे	व	रि	पु	■
न	र	दे	व	■	या	र	■
मः	■	व	■	■	दि	खा	ना
■	■	र	सा	त	ल	■	ते

मिजोरम भी रेल नक्शे पर...सीमांत से अब देश की तरक्की में भागीदार

(अश्विनी वैष्णव)

कई दशकों तक उत्तर-पूर्व को दूरस्थ इलाका माना जाता रहा, जहां विकास की राह देखी जाती रही। यहां के लोगों को वह बुनियादी ढांचा और अवसर नहीं मिल पाए, जिसके वे हकदार थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में यह तस्वीर बदली है। जिसे कभी दूर का फ्रंटियर (सीमांत) कहा जाता था, वह आज भारत की तरक्की का फ्रंट-रनर (अग्रणी) बनकर उभरा है।

यह बदलाव रेलवे, सड़कों, हवाई अड्डे और डिजिटल कनेक्टिविटी में रिकॉर्ड निवेश से संभव हुआ है। शांति समझौते स्थिरता ला रहे हैं। सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे लोगों तक पहुंच रहा है। आजादी के बाद पहली बार उत्तर-पूर्वी क्षेत्र को भारत की विकास यात्रा का केंद्र माना जा रहा है।

रेलवे में किए निवेश को ही देख लीजिए। वर्ष 2009 से 2014 की तुलना में क्षेत्र के लिए रेलवे बजट पांच गुना बढ़ा है। सिर्फ इस वित्तीय वर्ष में ही 10,440 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। 2014 से 2025 तक कुल आवंटन 62,477 करोड़ रहा है। आज यहां 77,000 करोड़ की रेलवे परियोजनाएं चल रही हैं। उत्तर-पूर्व ने इससे पहले इतना बड़ा निवेश कभी नहीं देखा था।

मिजोरम की पहली रेल लाइनः समृद्ध संस्कृति, खेल प्रेम और खूबसूरत पहाड़ियों वाला मिजोरम भी दशकों तक मुख्यधारा से दूर रहा। सड़क और हवाई संपर्क सीमित था। रेलवे राजधानी तक नहीं पहुंच पाई थी। लोगों के सपने थे, लेकिन विकास की राहें अधूरी थीं। अब हालात बदल चुके हैं। पीएम मोदी के हाथों शनिवार को बैराबी-सैरांग रेलवे लाइन का उद्घाटन मिजोरम के लिए मील का पत्थर साबित होगा। 51 किमी लंबी यह परियोजना 8,000 करोड़ से अधिक की लागत से बनी है और पहली बार आइजोल को राष्ट्रीय रेल नेटवर्क से जोड़ेगी। इसके साथ ही, पीएम मोदी सैरांग से दिल्ली (राजधानी एक्सप्रेस), कोलकाता (मिजोरम एक्सप्रेस) और गुवाहाटी (आइजोल इंटरसिटी) के लिए तीन नई ट्रेन सेवाओं को भी हरी झंडी दिखाएंगे। यह रेलवे लाइन कठिन पहाड़ी इलाकों से होकर गुजरती है। रेल इंजीनियरों ने मिजोरम को जोड़ने के लिए 143 पुल और 45 सुरंगें बनाई हैं। इनमें से एक पुल कुतुब मीनार से भी ऊंचा है। हिमालयी रेल परियोजनाओं की तरह इस इलाके में भी रेलवे लाइन लगभग पूरी तरह पुल और सुरंगों के क्रम से बनी है-एक पुल, फिर एक सुरंग, फिर दोबारा पुल और इसी तरह आगे।

हिमालय सुरंग निर्माण विधिः उत्तर-पूर्व हिमालय युवा और नाजुक पहाड़ हैं। यहां जमीन कठोर चट्टानों की जगह मुलायम मिट्टी और जैविक सामग्री से बनी है। ऐसी स्थिति में सुरंग और पुल बनाना चुनौतीपूर्ण था। पारंपरिक तरीके यहां काम नहीं कर सकते थे, क्योंकि ढीली मिट्टी निर्माण का भार सहन नहीं कर पाती। इंजीनियरों ने इसके लिए हिमालयन टनलिंग मेथड विकसित किया। इस तकनीक में पहले मिट्टी को स्थिर और मज़बूत किया जाता है, फिर सुरंग और निर्माण का काम किया जाता है। इससे क्षेत्र की सबसे कठिन परियोजनाओं में से एक को पूरा करना संभव हुआ। एक और बड़ी चुनौती ऊंचाई पर पुलों को टिकाऊ बनाना था, क्योंकि यह क्षेत्र भूकंप प्रभावित है। इसके लिए भी विशेष डिजाइन और उन्नत तकनीकों का इस्तेमाल किया गया। यह स्वदेशी नवाचार दुनिया भर में ऐसे ही भौगोलिक इलाकों के लिए एक मॉडल है।

आज का राशिफल

मेष

व्यापार के मामले में की गई यात्राओं से आपको सामान्य लाभ प्राप्त होगा। ऐसे में आप इन्हें अभी के लिए टाल भी सकते हैं। कार्यक्षेत्र में दिन के समय उच्च अधिकारी से किसी बात को लेकर वाद-विवाद हो सकता है। ऐसे में आपको वाणी पर संयम रखना होगा, अन्यथा किसी कानूनी मामले में फंस सकते हैं।

वृष

कार्यक्षेत्र में किसी अधिकारी से अनबन हो सकती है। वहीं, व्यवसाय के क्षेत्र में भी किसी व्यापारी से बहस होने की संभावना है। लेकिन आप समझदारी और चतुराई से स्थिति को संभाल लेंगे और कार्यस्थल पर विरोधी परास्त होंगे। आर्थिक मामलों में लाभ मिलने की संभावना है और समाज में आपका सम्मान बढ़ेगा।

मिथुन

व्यवसाय के क्षेत्र में किसी काम या बात को लेकर आपका मन दुखी रह सकता है। राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को भी कुछ रुकावटों का सामना करना पड़ सकता है। लेकिन धीरे-धीरे स्थिति बेहतर होती जाएगी। आर्थिक मामलों में आपको कोई भी फैसला सोच-समझकर लेना होगा।

कर्क

व्यापार के मामले में आपको भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। सहयोगियों के साथ से उत्तम परिणाम प्राप्त होंगे और जीवनसाथी का भी पूरा सहयोग मिलेगा। नौकरी करने वालों को कार्यस्थल पर उन्नति मिलेगी और प्रमोशन होने की भी संभावना है। इससे मन प्रसन्न रहेगा।

सिंह

आपका दिन मिलाजुला रहने वाला है। नौकरी करने वालों को कार्यस्थल पर पदोन्नति के अवसर प्राप्त हो सकते हैं। लेकिन इसके लिए आपको प्रयास करते रहना होगा। कार्यक्षेत्र में रुके हुए काम पूरे हो सकते हैं, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। समाज में सम्मान बढ़ेगा, लेकिन व्यापार के मामले में आपको सतर्क रहना होगा।

कन्या

आपको उत्तम संपत्ति प्राप्त हो सकती है और धन लाभ के भी शुभ योग बन रहे हैं। हालांकि, आपके उत्तरदायित्व बढ़ने से कुछ विपरीत परिस्थितियां भी उत्पन्न हो सकती हैं। लेकिन आप जल्द ही इनसे बाहर निकल जाएंगे। शाम के समय मित्रों से मुलाकात हो सकती है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा।

तुला

आपको सांसारिक सुख के साधनों में वृद्धि हो सकती है, जिससे आप खुश रहेंगे। व्यवसाय के क्षेत्र में आपके द्वारा किए गए प्रयासों से लाभ मिलेगा और समाज में सम्मान बढ़ेगा। लेकिन यात्रा के दौरान आपको सावधान रहना होगा क्योंकि, किसी मूल्यवान वस्तु के खोने या चोरी होने का भय है। परिवार में जीवनसाथी का पूरा सहयोग मिलेगा और आर्थिक मामलों में लाभ होगा।

वृश्चिक

नौकरी करने वालों के अधिकारों में वृद्धि हो सकती है। जिससे विरोधियों को थोड़ी परेशानी होगी। व्यापार के मामले में भी दिन अनुकूल रहेगा और आपको लाभ कमाने के सुनहरे अवसर प्राप्त हो सकते हैं। कुछ समय आप दूसरों की मदद करने में भी व्यतीत कर सकते हैं। जिससे आपको संतुष्टि महसूस होगी।

धनु

कार्यक्षेत्र में आपके लिए कुछ विपरीत परिस्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं। लेकिन अपने धैर्य और मधुर वाणी से आप वातावरण को सामान्य बना सकते हैं। व्यापार में कोई भी फैसला सोच-समझकर लेना जरूरी होगा और किसी भी व्यक्ति पर जरूरत से ज्यादा भरोसा करने से बचें। आपको किसी व्यक्ति के चलते समस्या का सामना करना पड़ सकता है।

मकर

व्यापार के मामले में आपको किसी नई डील के चलते अचानक लाभ प्राप्त हो सकता है। लेकिन आपको इस समय कोई भी जोखिम भरा निर्णय लेने या कार्य करने से बचना होगा, अन्यथा नुकसान हो सकता है। यात्रा के समय भी सावधानी बरतने की जरूरत है। वहीं, नौकरी करने वाले अपने जरूरी कार्यों के समाप्त करने में व्यस्त रहेंगे।

कुंभ

आर्थिक मामलों में दिन बेहतरीन रहने वाला है और आपको बड़ी मात्रा में धन लाभ हो सकता है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। व्यापार के मामले में भी बड़ी सफलता मिल सकती है और कार्यक्षेत्र में चल रहे विवाद बातचीत से सुलझा सकते हैं। समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा और नौकरी करने वालों का दिन भी अच्छा रहेगा।

मीन

युवा वर्ग के लिए दिन बेहद अच्छा रहने वाला है। अगर आपने करियर की अभी शुरुआत की है, तो आपको कार्यस्थल पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर प्राप्त हो सकता है। व्यापार के मामले में नई योजनाएं बन सकती हैं और निवेशों से लाभ मिलने की संभावना है। परिवार में संतान की ओर से आपको कोई अच्छी खबर सुनने को मिल सकती है।

बिंदी का प्रीमियर 17 सितंबर को, कलर्स और जियो हॉटस्टार पर प्रसारित होगा

मुंबई, एजेंसी। कहते हैं माँ का प्यार सबसे अंधेरे कारागार को भी घर बना देता है। अपनी दमदार, सच्ची और जिंदादिल कहानियों की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए, कलर्स लेकर आ रहा है 'बिंदी' – न्याय के लिए बेटी की लड़ाई की गाथा। जेल की चारदीवारी में जन्मी और पली-बढ़ी बिंदी की पूरी दुनिया उसकी माँ काजल है, जिनका अटूट स्नेह लोहे की सलाखों को भी उम्मीद और प्यार के आशियाने में बदल देता है। लेकिन जब क़ानून बिंदी को उसकी माँ से अलग कर बाहर की दुनिया में धकेल देता है, तो उनकी नाजुक खुशियाँ बिखर जाती हैं। काजल के रूप में राधिका मुथुकुमार, बिंदी के रूप में सांची भोयर, अविराज के रूप में क़ुशाल आहूजा और दयानंद के रूप में मानव गोहिल अभिनीत, बिंदी का प्रीमियर 17 सितंबर को होगा और यह हर दिन रात 08-30 बजे कलर्स और जियो हॉटस्टार पर प्रसारित होगा।

आईपीओ के लिए भारतपे ने बढ़ाए कदम, शेयर बाजार में पेटीएम को मिलेगी टक्कर

नई दिल्ली, एजेंसी। फिनटेक फर्म भारतपे अब अपने आईपीओ को लेकर एक्टिव मोड में है। कंपनी के सीईओ नलिन नेगी ने पुष्टि की है कि आईपीओ के लिए बैंकरों की व्यवस्था की जा रही है और प्री-आईपीओ राउंड में 800-1200 करोड़ जुटाने की योजना है। आईपीओ के जरिए कंपनी शेयर बाजार में लिस्ट होगी। शेयर बाजार में इसे प्रतिद्वंदी फर्म पेटीएम से टक्कर मिलेगी। बता दें कि एक अन्य कंपनी फोनपे भी आईपीओ लॉन्च करने की योजना बना रही है। भारतपे मुनाफे के मामले में प्रतिद्वंदी पेटीएम से आगे है। कंपनी महज 7 वर्षों के परिचालन के बाद वित्त वर्ष 2025 में लाभ में आ गई जबकि इसके साइज से चार गुना बड़ी पेटीएम ने 15 वर्षों के बाद वित्त वर्ष 2026 में मुनाफा हासिल किया। बता दें कि पेटीएम का आईपीओ साल 2021 में आया था। जिन निवेशकों को आईपीओ अलॉट हुआ वह अब तक मुनाफे में नहीं आ सके हैं। कहने का मतलब है कि आईपीओ इश्यू प्राइस से शेयर की कीमत हमेशा नीचे ही रही है। कंपनी मौजूदा निवेशक कोट्यू मैनेजमेंट से 80-100 मिलियन डॉलर जुटाने के लिए भी बातचीत कर रही है। यह निवेश भारतपे की अलग-अलग मार्केट में उपस्थिति को मजबूत करेगा और तकनीकी विकास में सहायक होगा।

बंधन लाइफ ने लॉन्च किया आई-रिटायर; अब रिटायरमेंट के सपने होंगे सच

भोपाल, एजेंसी। बंधन ग्रुप की जीवन बीमा कंपनी, बंधन लाइफ इंश्योरेंस ने आज बंधन लाइफ आई-रिटायर के लॉन्च की घोषणा की। यह एक रिटायरमेंट प्लान है। आई-रिटायर के साथ, बंधन लाइफ जीवन भर के लिए गारंटीड आय का वादा लेकर आया है और यह सुनिश्चित करता है कि रिटायरमेंट का मतलब समझौता करना नहीं, बल्कि वर्षों की कड़ी मेहनत से बनाए गए जीवन का आनंद लेना है। यह प्लान स्थिर आय की सुविधा प्रदान करता है जिसका लाभ एन्युटीधारक को जीवन भर मिलता रहता है।आई-रिटायर के लॉन्च के अवसर पर, बंधन लाइफ के एमडी और सीईओ, सतीश्वर बी. ने कहा, बंधन लाइफ में, हम मानते हैं कि रिटायरमेंट नई संभावनाओं का समय होता है, न कि आर्थिक चिंताओं का। आई-रिटायर के साथ, हम अपने ग्राहकों को स्थिर आय की सुविधा और अपनी इच्छानुसार जीवन जीने का आत्मविश्वास प्रदान कर रहे हैं। इसका उद्देश्य आज का जश्न मनाते हुए अपने लिए और अपने प्रियजनों के लिए भविष्य को सुरक्षित करना है।

क्या बैंकों का होगा एकीकरण, कई बड़े दिग्गज शामिल थे बैठक में

वजूद में आएंगे 2 बड़े बैंक

नई दिल्ली, एजेंसी।
केंद्र सरकार दो बड़े बैंक को वजूद में लाने की योजना बना रही है। दरअसल, वित्तीय सेवाएं विभाग (डीएफएस) की तरफ से आयोजित पीएसबी मंथन 2025 के पहले दिन वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बैंकों के गठन पर चर्चा हुई। जानकारी के मुताबिक दो ऐसे विश्व-स्तरीय बैंकों की स्थापना का लक्ष्य रखा गया है जिनकी परिसंपत्तियां उन्हें विश्व के शीर्ष 20 बैंकों की सूची में शामिल करें। फिलहाल देश का सबसे बड़ा बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) वैश्विक स्तर पर परिसंपत्तियों के आधार पर 43वें स्थान पर है जबकि निजी क्षेत्र का एचडीएफसी बैंक 73वें स्थान पर है। बैठक को लेकर एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि विचार-विमर्श का मुख्य मुद्दा यही था कि कम-से-कम

दो भारतीय बैंक स्वाभाविक ढंग से वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनें और शीर्ष 20 बैंकों में शामिल हों। जब उनसे पूछा गया कि इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए क्या सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के एकीकरण को लेकर कोई चर्चा हुई तो उन्होंने इससे इनकार कर दिया। बैठक में मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एसबीआई चेयरमैन सी एस शेट्टी और पंजाब नेशनल बैंक के मुख्य कार्यपालक अधिकारी अशोक चंद्रा सहित सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के शीर्ष प्रबंधन ने हिस्सा लिया। इस बैठक को मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन, रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर स्वामीनाथन जे, पूर्व डीएफएस सचिव एवं इरडा के पूर्व प्रमुख देबाशीष पांडा ने भी संबोधित किया। बैठक में बैंकों की स्वायत्तता बढ़ाने, निदेशक मंडल की भूमिका मजबूत करने, एनपीए अनुपात कम रखने, प्रौद्योगिकी और साइबर सुरक्षा चुनौतियों से निपटने तथा ग्राहक सेवा और शिकायत निवारण को बेहतर बनाने जैसे विषयों पर चर्चा हुई। वित्त मंत्रालय ने बैंकों से 'कासा' (चालू खाता और बचत खाता) जमा में सुधार लाने और एमएसएमई एवं कृषि क्षेत्र को ऋण देने में वृद्धि करने का आह्वान किया।

सहारा निवेशकों के लिए बड़ी खुशखबरी

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर सहारा समूह में पैसा लगाने वाले निवेशक हैं तो ये खबर आपके लिए है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने सहारा समूह की सहकारी समितियों के जमाकर्ताओं का बकाया चुकाने के लिए बाजार नियामक सेबी के पास जमा रकम में से 5,000 करोड़ रुपये जारी करने का आदेश दिया है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने केंद्र सरकार द्वारा दायर उस आवेदन को मंजूरी दी जिसमें सेबी-सहारा रिफंड खाते में रखी राशि से जमाकर्ताओं को भुगतान करने का अनुरोध किया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र के आग्रह को स्वीकार करते अनुमति दे दी। इसके साथ ही शीर्ष अदालत ने निवेशकों को जारी राशि के वितरण की समयावधि बढ़ाकर 31 दिसंबर, 2026 तक कर दी है। हालांकि, बाद में सेबी की ओर से पेश अधिवक्ता ने पीठ से इस आदेश को सोमवार तक के लिए स्थगित करने और सक्षम प्राधिकार से निर्देश प्राप्त करने और अदालत को सूचित करने के लिए समय देने का आग्रह किया। हालांकि, शीर्ष कोर्ट ने समय देने या अपने आदेश स्थगित करने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि रकम का हस्तांतरण सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस आर. सुभाष रेड्डी की देखरेख में और शीर्ष कोर्ट के मार्च, 2023 के आदेश में उल्लिखित तरीके से 1 सप्ताह के भीतर किया जाएगा।

बैंक खाते में रूपये जमा करने से हिचक रहे लोग

अब सरकार ने की अपील

नई दिल्ली, एजेंसी।
पिछले एक साल से बैंकों में पैसे जमा करने की दिलचस्पी कम हुई है। इस गिरावट को लेकर सरकार भी टेंशन में नजर आ रही है। दरअसल, वित्त मंत्रालय ने बैंकों से 'कासा' (चालू खाता और बचत खाता) जमा में सुधार लाने को कहा है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पिछले एक साल में सरकारी बैंकों का कासा रेश्यो लगातार गिर रहा है, जिससे उनके मुनाफे पर दबाव पड़ रहा है।

देश के सबसे बड़े बैंक, एसबीआई का भी कासा रेश्यो जून तिमाही में पिछले साल के 40.70 प्रतिशत से घटकर 39.36 प्रतिशत हो गया। इसी तरह, बैंक ऑफ बड़ौदा का कासा रेश्यो जून तिमाही में कम होकर 39.33 प्रतिशत हो गया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कासा जमा में सुधार से बैंकों को अर्थव्यवस्था के प्रमुख क्षेत्रों को ऋण देने में भी मदद मिलेगी। इसके साथ सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों से कृषि क्षेत्र के साथ-साथ रोजगार पैदा करने वाले सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को ऋण देने में वृद्धि करने का आग्रह किया गया। वित्त मंत्रालय ने बैंकों को विशेष रूप से कृषि, एमएसएमई क्षेत्रों को कर्ज देने के लिए कहा है, क्योंकि कृषि के बाद यह दूसरा सबसे बड़ा रोजगार देने वाला क्षेत्र है। यह एक बैंकिंग टर्म है, जो यह बताता है कि किसी बैंक की कुल जमाराशि (डिपॉजिट) में से कितना हिस्सा चालू और बचत खाता से आता है। चालू खाता की बात करें तो व्यापारी या बिजनेसवाले इस्तेमाल करते हैं।

एफएमसीजी कंपनियां सीधे राहत देने में असमर्थ

बिस्कुट-साबुन के छोटे पैकेट नहीं होंगे सस्ते

नई दिल्ली, एजेंसी।
जीएसटी दरों में कटौती के बाद भी 22 सितंबर से बिस्कुट, साबुन और टूथपेस्ट के छोटे पैकेट सस्ते नहीं होंगे, क्योंकि एफएमसीजी कंपनियां कम मूल्य वाली वस्तुओं की खुदरा बिक्री कीमतों (एमआरपी) पर कर दरों में कमी का लाभ सीधे हस्तांतरित नहीं कर पाएंगी। दैनिक उपभोग के उत्पाद बनाने वाली एफएमसीजी कंपनियों ने केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के समक्ष छोटे पैकेट पर जीएसटी में कटौती का पूरा लाभ उपभोक्ताओं को देने में असमर्थता जताई है। मामले से जुड़े तीन सूत्रों के मुताबिक, एफएमसीजी कंपनियों ने सीबीआईसी से कहा कि वे 5 रुपये, 10 रुपये और 20 रुपये की कीमत वाले छोटे पैकेट पर जीएसटी दरों में कमी के अनुपात में एमआरपी नहीं घटा पाएंगी, क्योंकि इससे कीमतें उस स्तर तक गिर जाएंगी, जो नियमित भारतीय उपभोक्ता के लिए मनोवैज्ञानिक रूप से उपयुक्त नहीं होगी। उदाहरण के लिए...पहले 20 रुपये एमआरपी वाले बिस्कुट में 18 फीसदी जीएसटी शामिल था, जो 22 सितंबर के बाद घटकर 5 फीसदी रह जाएगा। इससे 20 रुपये वाले बिस्कुट के पैकेट की एमआरपी कम होकर 17.80 या 18 रुपये हो जाएगी। एक अन्य एफएमसीजी कंपनी के कार्यकारी अधिकारी ने कहा, उपभोक्ताओं को लाभ देने के लिए पैकेट में वस्तुओं की मात्रा बढ़ा सकते हैं।

इसका मतलब है कि जीएसटी दरों में कटौती के बाद भी कीमतें नहीं घटेंगी, लेकिन पैकेट का आकार बढ़ जाएगा। इन उत्पादों की मात्रा बढ़ जाएगी।

अब इंपल्स पैक पर जोर

बीकाजी फूड्स इंटरनेशनल के सीएफओ रिषभ जैन के मुताबिक, कंपनी 'इंपल्स पैक्स' में ग्रामेज बढ़ोतरी' करेगी ताकि लाभ पहुंचाया जा सके। एफएमसीजी में इंपल्स पैक वह उत्पाद होता है, जिसकी पैकेजिंग अनियोजित खरीद को बढ़ावा देती है। वित्त मंत्रालय के अधिकारी कहते हैं, सरकार आने वाले दिनों में ऐसे उत्पादों के लिए दिशानिर्देश जारी कर सकती है, ताकि एफएमसीजी कंपनियों की ओर से अनजाने में लाभ कमाने की स्थिति से बचा जा सके।

कंपनियों की चिंता...पूरा लाभ देने से बिगड़ेगा ढांचा

केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड के साथ चर्चा में एक एफएमसीजी कंपनी के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी ने कहा, अगर हम जीएसटी दरों में कटौती के अनुरूप पूरा लाभ उपभोक्ता को देना चाहें, तो भले ही 20 रुपये की कीमत वाले उत्पाद के पैकेट की एमआरपी कम होकर 18 रुपये रह जाएगी।लेकिन, दैनिक उपभोग की वस्तुओं के लिए 18 रुपये की कीमत हम नहीं चाहते हैं, क्योंकि भारतीय उपभोक्ता 5 रुपये, 10 रुपये और 20 रुपये की एमआरपी वाले उत्पादों की मांग करता है।

फार्मा सीडीएमओ कोटेक हेल्थकेयर लिमिटेड ने सेबी को सौंपा आईपीओ दस्तावेज

मुंबई, एजेंसी।
कोटेक हेल्थकेयर लिमिटेड भारत के अनुबंध विकास एवं विनिर्माण संगठन (सीडीएमओ) उद्योग में 24 अलग-अलग किस्म के फॉर्मूलेशन (स्रोत- एफ एंड एस रिपोर्ट) में क्षमता के साथ खुराक के रूपों की संख्या के लिहाज़ से दूसरी सबसे बड़ी कंपनी है और इसने अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस दाखिल किया है। इसमें 2,950 मिलियन तक के ताज़ा निर्गम (फ्रेश इशू) और 5/- अंकित मूल्य वाले 6,000,000 इक्विटी शेयरों की बिक्री (ऑफर फॉर सेल) का प्रस्ताव शामिल है।

कंपनी सीडीएमओ के रूप में काम करती है, जो पेटेंट मुक्त जो ऑफ-पेटेंट दवाओं, जैसे जटिल जेनेरिक दवाओं, का विकास, लोन लाइसेंसिंग और उत्पादन करती है। इसमें संशोधित और निरंतर रिलीज़ जैसे जटिल डिलीवरी फॉर्म शामिल हैं, जो संस्थागत और निजी ग्राहकों के लिए हैं। कंपनी के पोर्टफोलियो में इंजेक्शन, टैबलेट, कैप्सूल, मलहम, आई ड्रॉप, एम्पुल, शीशियां, तरल और सूखे सिरप, और इन्फ्यूज़न सहित कई खुराक वाले उत्पादों और सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है।

कोटेक अपनी समकक्ष कंपनियों में सबसे तेज़ी से वृद्धि दर्ज करने वाली कंपनी है, जिसकी आय में वित्त वर्ष 2025 के दौरान 2023 की तुलना में 52.72 प्रतिशत सीएजीआर की दर से वृद्धि दर्ज की गई। यह आंकड़ा हमारे पुनर्कथित समेकित वित्तीय विवरणों पर आधारित है (स्रोत- एफ एंड एस रिपोर्ट)। पिछले कुछ साल में, कंपनी ने उच्च-मूल्य वाले ग्राहकों, विशेष रूप से उच्च-मूल्य वाले उत्पादों से जुड़े ग्राहकों पर ध्यान केंद्रित कर अपनी व्यावसायिक रणनीति को नया रूप दिया है। इस बदलाव ने कंपनी की वित्तीय स्थिति को मज़बूत किया है।

पियरसन बना सेल्सफोर्स सर्टिफिकेशन एग्जाम का एक्सक्लूसिव प्रोवाइडर

भोपाल। पियरसन एवं उसकी पियरसन व्यू इकाई, जो कम्प्यूटर-आधारित परीक्षा समाधान में विश्व के अग्रणी हैं, ने आज सेल्सफोर्स जो विश्व का नंबर 1 कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित ग्राहक संबंध प्रबंधन सिस्टम है, के साथ एक बहुवर्षीय विशिष्ट सहयोग की घोषणा की है। इसके अंतर्गत पियरसन विश्वव्यापी स्तर पर सेल्सफोर्स प्रमाणन परीक्षाओं का एकमात्र प्रदाता बनेगा। जैसे-जैसे उन्नत तकनीकें और कृत्रिम बुद्धिमत्ता व्यवसायों के संचालन के स्वरूप को परिवर्तित कर रही हैं, पेशेवर और संगठन अपनी दक्षताओं को प्रासंगिक और सटीक बनाए रखने के लिए तत्पर हैं। पियरसन और सेल्सफोर्स मिलकर इस आवश्यकता को पूरा कर रहे हैं, पियरसन व्यू के विश्वसनीय परीक्षा प्रणालियों को सेल्सफोर्स के प्रमाणन कार्यक्रम में सम्मिलित करते हुए, ताकि कर्मचारी एवं नियोक्ता नवीनतम, सत्यापित सेल्सफोर्स कौशलों से सुसज्जित हो सकें, जिनसे उनके व्यवसाय और ग्राहक दोनों को अधिकतम लाभ मिल सके। नया सुव्यवस्थित प्रमाणन मार्ग, व्यापक परीक्षा सूची, तथा लचीले परीक्षा प्रसारण विकल्प। सेल्सफोर्स प्रमाणन परीक्षाओं के लिए पंजीकरण 21 जुलाई 2025 से आरंभ हो चुका है।

सैमसंग इनोवेशन कैंपस 2025 में छह गुना विस्तार करेगा

गुरुग्राम, एजेंसी।
भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, सैमसंग, ने आज अपने प्रमुख सीएसआर कार्यक्रम, सैमसंग इनोवेशन कैंपस (एसआईसी) के विस्तार की घोषणा की। यह विस्तार भारत के युवाओं को भविष्य के लिए तैयार कौशल प्रदान करने और सरकार के डिजिटल इंडिया और स्किल इंडिया विजन को सपोर्ट करने की कंपनी की प्रतिबद्धता को मजबूत करता है।

इस स्किलिंग कार्यक्रम का विस्तार इस साल 10 राज्यों में होगा, 2024 में इसमें चार राज्य शामिल थे। यह 2025 में 20,000 स्टूडेंट्स को आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई), इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी), बिग डेटा, और कोडिंग व प्रोग्रामिंग जैसे भविष्य

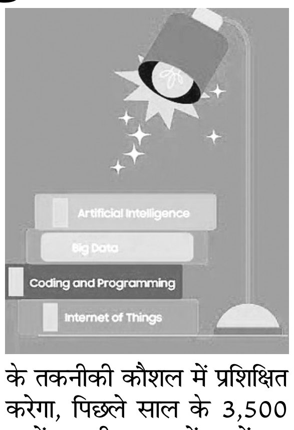

के तकनीकी कौशल में प्रशिक्षित करेगा, पिछले साल के 3,500 स्टूडेंट्स की तुलना में इसमें छह गुना की वृद्धि दर्ज की गई है। तकनीकी प्रशिक्षण के साथ-साथ, स्टूडेंट्स को वर्कप्लेस की तैयारी बढ़ाने के लिए सॉफ्ट स्किल्स में भी प्रशिक्षण दिया जाएगा, और योग्य उम्मीदवारों को संबंधित उद्योगों में प्लेसमेंट सहायता प्रदान की जाएगी। जेबी पार्क, प्रेसिडेंट और सीईओ, सैमसंग साउथवेस्ट एशिया ने कहा, सैमसंग को भारत के विकास में लंबे समय से भागीदार होने पर गर्व है। सैमसंग इनोवेशन कैंपस भारत सरकार के स्किल इंडिया और डिजिटल इंडिया मिशन के साथ मिलकर काम करता है, ताकि तकनीक के जरिए युवाओं के लिए नए अवसर खोले जा सकें। इस कार्यक्रम के माध्यम से हम भारत के युवाओं को भविष्य के लिए जरूरी कौशल सिखा रहे हैं, ताकि वे डिजिटल अर्थव्यवस्था में सफल हो सकें और देश की तरक्की में योगदान दे सकें। हम खासकर उन छात्रों के लिए स्किलिंग और नौकरी के अवसर बढ़ाना चाहते हैं, जो कमजोर समुदायों से आते हैं, और सरकार के डिजिटल भारत के सपने को पूरा करने में मदद करना चाहते हैं।

रिकवरी के ट्रैक पर टाटा का यह शेयर

1200 तक जा सकता है भाव

नई दिल्ली, एजेंसी। जब शेयर बाजार गुलजार था तब टाटा ग्रुप की कंपनी- टाटा केमिकल्स के शेयर की चाल सुस्त नजर आई। इस कंपनी के शेयर ट्रेडिंग के दौरान 958.20 रुपये के निचले स्तर तक आ गए और इसकी क्लोजिंग भी 961.15 रुपये के लाल निशान पर हुई। हालांकि, इस शेयर को लेकर टेक्निकल चार्ट कुछ और ही इशारा करते हैं। बता दें कि टाटा का यह शेयर अपने 52 हफ्ते के लो से रिकवरी मोड में है। बिजनेस स्टैंडर्ड की एक खबर में टेक्निकल चार्ट के हवाले से बताया गया है कि टाटा केमिकल्स के शेयर में करीब 25 पर्सेंट उछाल आ सकता है। इस शेयर के लिए संभावित लक्ष्य 1200 है। शेयर को सपोर्ट 955, 945 और 920 पर है। वहीं, ब्रेकआउट 972, 1000, 1030 और 1100 पर है। इस खबर के मुताबिक जब तक टाटा केमिकल्स का शेयर 955 से ऊपर बना रहता है, तब तक इसके शेयर में तेजी का रुख रहने की संभावना है। बता दें कि शेयर के 52 हफ्ते का हाई 1,244.70 रुपये है। यह भाव पिछले साल था। वहीं, इस साल मार्च में शेयर 756.45 रुपये के स्तर पर था। यह शेयर के 52 हफ्ते का लो है।

जून तिमाही के दौरान टाटा केमिकल्स ने नेट प्रॉफिट में 80.57 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 316 करोड़ रुपये की वृद्धि दर्ज की। पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में कंपनी का मुनाफा 175 करोड़ रुपये था। तिमाही के दौरान परिचालन से इसका राजस्व लगभग 2 प्रतिशत घटकर 3,719 करोड़ रुपये रह गया, जिसका मुख्य कारण यूके में लोस्टॉक परिचालन बंद होना था।

दोनों पक्षों के कारोबारियों और उपभोक्ताओं को लाभ होगा

भारत-ईयू के बीच संतुलित एफटीए को अंतिम रूप देने के लिए गंभीरता से बढ़ रहे, बोले पीयूष गोयल

नई दिल्ली, एजेंसी।
भारत और यूरोपीय संघ एक व्यापक व संतुलित मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के लिए गंभीरता और प्रतिबद्धता के साथ काम कर रहे हैं। इससे दोनों पक्षों के कारोबारियों और उपभोक्ताओं को लाभ होगा। वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को यह बात कही।

ऑटोमोटिव कंपोनेंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (एसीएमए) को संबोधित करते हुए गोयल ने कहा कि इस तरह का समझौता एकतरफा नहीं हो सकता। हर बातचीत में निष्पक्षता और संतुलन सुनिश्चित करने के लिए कुछ हद तक लेन-देन शामिल होता है।

गोयल ने कहा कि प्रस्तावित समझौते पर यूरोपीय संघ के व्यापार आयुक्त मारोस सेफकोविक के साथ उनकी लंबी बहस और लड़ाई होती है। लेकिन मैं आपको बता सकता हूं कि वह एक सख्त वार्ताकार हैं। मारोस से किसी भी बात को मनवाना बहुत मुश्किल काम है।

भारत और यूरोपीय संघ इस समझौते के लिए यहां 13वें दौर (8-12 सितंबर) की बातचीत में लगे हुए

हैं। सेफ्कोविक और यूरोपीय आयोग के कृषि आयुक्त क्रिस्टोफ़ हैनसेन, गोयल के साथ बातचीत की प्रगति की समीक्षा करने के लिए यहां हैं। दोनों पक्षों ने दिसंबर तक बातचीत पूरी करने का लक्ष्य रखा है।

मंत्री ने कहा कि यह भी महत्वपूर्ण है कि एक आदर्श समझौते की संभावना को तलाशते हुए यह जरूरी है कि किसी को दुश्मन न बनने दिया जाए। गोयल ने कहा कि जिस दिशा में बातचीत आगे बढ़ रही है वह बहुत सकारात्मक है। गोयल ने भरोसा जताया कि इस प्रक्रिया के जरिए अपार संभावनाएं खुलेंगी। इससे व्यापार, निवेश, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और गहन आर्थिक भागीदारी के अवसर खुलेंगे। गोयल ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि ऑटोमोटिव कंपोनेंट क्षेत्र जैसे उद्योग को भारत-यूरोपीय संघ साझेदारी के तहत तैयार किए जा रहे प्रावधान आकर्षक और संभावनाओं से भरपूर लगेंगे।

उन्होंने कहा, यह समझौता भारतीय निर्माताओं के लिए अपने यूरोपीय समकक्षों और दुनिया के अन्य हिस्सों की कंपनियों के साथ साझेदारी करने के नए रास्ते खोलेगा, जिससे संयुक्त उद्यमों, प्रौद्योगिकी साझेदारी और सहयोगात्मक नवाचार को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि लागत प्रतिस्पर्धा के मामले में भारत महत्वपूर्ण लाभ प्रदान करता है - चाहे वह डिजाइन, विकास या अनुसंधान एवं विकास में हो।

उन्होंने कहा कि ऐसी साझेदारियां लागत कम करने, उत्पादकता बढ़ाने, भारतीय युवाओं के लिए रोजगार सृजित करने तथा भारत को उच्च गुणवत्ता वाले ऑटोमोटिव घटक विनिर्माण के अग्रणी केंद्र के रूप में स्थापित करने में सहायक होंगी।

एनएसई की गवर्निंग बोर्ड पर अध्यक्ष की नियुक्ति

भोपाल, एजेंसी।
पब्लिक इंटरेस्ट डायरेक्टर श्रीनिवास इंजेटी को आज से नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ़ इंडिया लिमिटेड (एनएसई) के गवर्निंग बोर्ड का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति सेबी (एसईबीआई) की मंजूरी से की गई है।एनएसई का बोर्ड और प्रबंधन, सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी श्री श्रीनिवास इंजेटी का स्वागत करता है, जो एनएसई के गवर्निंग बोर्ड के अध्यक्ष हैं।श्री श्रीनिवास इंजेटी, सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी (1983 बैच), सुशासन और सार्वजनिक नीति में चार दशकों से अधिक का नेतृत्व अनुभव साथ लाते हैं। उन्होंने 2017 से 2020 तक कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय में केंद्र सरकार के सचिव के रूप में कार्य किया। इस दौरान उन्होंने इन्सॉल्वेंसी लॉ, कम्पटीशन लॉ और कंपनी लॉ में सुधार किए। उनके नेतृत्व में एनएफआरए की स्थापना, स्वतंत्र निदेशकों का डेटाबैंक, कॉरपोरेट गवर्नेंस को मजबूत करने और सीएसआर रेगुलेटरी फ्रेमवर्क को बेहतर बनाने जैसे महत्वपूर्ण कदम उठाए गए।2020 से 2023 तक इंटरनेशनल फाइनेंशियल सर्विसेज सेंटर अथॉरिटी (आईएफएससीए) के पहले अध्यक्ष के रूप में, उन्होंने भारत के पहले इंटरनेशनल फाइनेंसियल रेगुलेटर की स्थापना की।

कैसे बनें कंटेंट राइटर

हर कंपनी के पास एक ऐसी टीम होती है। जो कंपनी का सोशल मीडिया, ब्लॉग्स और वेबसाइट आदि को मैनेज करती है। ऐसे में आप भी इस क्षेत्र में अपनी स्किल्स को बढ़ाकर अपने कॅरियर की शुरूआत कर सकते हैं।

आज के दौर में हर कोई सोशल मीडिया का इस्तेमाल जमकर कर रहा है। वहीं आपने भी देखा होगा कि छोटी-बड़ी कंपनियों के भी सोशल मीडिया पर प्रोफाइल बने हैं, जिन पर हर रोज कुछ न कुछ अपडेट आता रहता है। सोशल मीडिया एप पर आप कंपनियों के बारे में विस्तृत जानकारी ले सकते हैं। आज के समय में कंपनी के यू-ट्यूब अकाउंट, ट्विटर, इंट्राग्राम, टेलीग्राम समेत तमाम पेजों को नियमित तौर पर मैनेज किया जाता है।

हालांकि जब पहले सोशल मीडिया का जमाना नहीं था, तब कंपनी की पहचान सीमित हुआ करती थी। लेकिन सोशल मीडिया के इस दौर में हर कंपनी की अपनी पहचान लोकल से ग्लोबल तक है। इन सबमें कंटेंट राइटिंग का रोल सबसे ज्यादा अहम होता है। दरअसल, कंपनी को लोकल से ग्लोबल तक पहुंचाने में कंटेंट राइटिंग का रोल महत्वपूर्ण है, जिसके लिए हर कंपनी के पास एक ऐसी टीम होती है। जो कंपनी का सोशल मीडिया, ब्लॉग्स और वेबसाइट आदि को मैनेज करती है। इस हिसाब से देखा जाए, तो टीम में कंटेंट राइटर का पद सबसे ज्यादा अहम होता है।

बता दें कि कंटेंट राइटर कंपनी की पहचान, उसके प्रोडक्ट और कंपनी के बारे में जो लिखता है। उसी के आधार पर कंपनी मार्केट में ब्रांड बनकर उभरती है। यदि आप किसी कंपनी के बारे में अच्छे से जानना चाहते हैं, तो सोशल मीडिया या वेबसाइट पर उपलब्ध कराए जा रहे कंपनी द्वारा कंटेंट से तय होता है। इसके अलावा कंपनियां कंपनी के बारे में ई बुक, कंपनियों की वार्षिक विवरण पुस्तिका, प्रोडक्ट का यूजर मैनुअल या दीक्षांत समारोह का न्यूज लेटर आदि सब कंटेंट राइटर की तैयार करते हैं।

वर्तमान समय में तमाम वेबसाइट्स कंटेंट राइटर्स को मोटी पगार पर हायर करती हैं। यही कारण है कि 12वीं और ग्रेजुएशन पास अभ्यर्थी कंटेंट राइटिंग कर लाखों रुपए कमा रहे हैं। इसी वजह से लोग इसको एक प्रोफेशन को देख रहे हैं। ऐसे में इस फील्ड में आगे बढ़ने की तमाम संभावनाएं हैं। ऐसे में आप भी कंटेंट राइटिंग का कोर्स कर अपने सपने को साकार कर सकते हैं।

सैलरी

शुरूआत में एक कंटेंट राइटर के तौर पर कंपनी आपको सालान 2-3 लाख रुपए अदा करती हैं। वहीं समय के साथ अनुभव बढ़ने पर कंटेंट राइटर को सालान 4-5 लाख तक का पैकेज आसानी से मिल जाता है। बता दें कि आमतौर पर एक कंटेंट राइटर को 20 हजार से लेकर 35 हजार रुपए प्रतिमाह सैलरी मिलती है।

ऐसे बनाएं कॅरिअर

अगर आप भी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं, तो अभ्यर्थी डिजिटल मार्केटिंग, ग्रॉफिक्स डिजाइनिंग जैसे फील्ड में अपना कॅरियर बना सकते हैं। अभ्यर्थी घर बैठकर कई टेक्निकल कोर्सेस के साथ अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर सकते हैं।

एक रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2028 तक भारत का हेल्थकेयर सेक्टर करीब 280 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। फिलहाल लगभग 40 लाख लोगों को इसमें रोजगार मिला हुआ है। उम्मीद है कि सन् 2028 तक इस सेक्टर का वर्कफोर्स करीब 74 लाख के आसपास पहुंच जाएगा। हेल्थकेयर में एफडीआई के आने से मेडिकल टूरिज्म जैसे नए सेक्टर्स उभरकर सामने आए हैं। टेलीमेडिसिन का बाजार भी तेजी से विकसित हो रहा है।

हेल्थकेयर सेक्टर में भी हैं शानदार करियर विकल्प

ऑनलाइन हेल्थकेयर स्टार्ट-अप्स में नए अवसर सृजित हो रहे हैं। तकनीकी विकास के कारण टेक्निकली स्किल्ड प्रोफेशनल्स की मांग बढ़ रही है। स्पेशलाइज्ड डॉक्टर्स के अलावा पैरामेडिकल प्रोफेशनल्स, लैब टेक्निशियंस आदि को हाथो-हाथ लिया जा रहा है। इसी तरह डायग्नोस्टिक्स और पैथोलॉजिकल लैब्स की संख्या बढ़ने से प्रशिक्षित टेक्निशियंस की काफी मांग देखी जा रही है। मेडिकल फील्ड से जुड़े प्रोफेशनल्स के जरिए जानते हैं इस फील्ड में विभिन्न करियर ऑप्शंस के बारे में।

होम्योपैथी

डॉ. नीतू कहती हैं कि भारत में करियर के लिहाज से होम्योपैथी बेशक स्टूडेंट्स की पहली चॉइस नहीं बनती लेकिन इस पद्धति में लोगों का विश्वास बढ़ता जा रहा है। बात चाहे सरकारी क्षेत्र में जॉब की हो या प्राइवेट प्रेक्टिस की, अगर आपने सही तरीके से पढ़ाई की है और नए घटनाक्रम से अपडेटेड रहते हैं, तो पहचान बनाने में देर नहीं लगती।

वेटरनरी साइंस

डॉ. तीस्ता वाइल्डलाइफ एसओएस के साथ जुड़ी हैं। वे कहती हैं कि वेटरनरी साइंस के क्षेत्र में काफी फील्ड वर्क होता है। इसलिए जो विद्यार्थी इसमें करियर बनाना चाहते हैं, उन्हें टेक्निकली साउंड होने के अलावा मानसिक रूप से भी मजबूत होना चाहिए। सरकारी क्षेत्र के अलावा एनजीओ, वन्यजीवों के लिए काम करने वाली संस्थाओं और प्राइवेट सेक्टर में वेटरनरी डॉक्टर्स की अच्छी मांग है। मगर कहीं भी नौकरी करने से पहले ट्रायल बेसिस पर वर्क एक्सपीरियंस हासिल करना बेहतर रहता है। विदेशों में वेटरनरी डॉक्टर्स को रिसर्च से लेकर तमाम तरह के आइडियाज और कॉन्सेप्ट्स पर काम करने का मौका मिलता है।

फिजियोथैरेपी

आजकल अक्सर लोग पीठदर्द, मांसपेशियों में खिंचाव, स्पॉन्डिलाइटिस, स्लिप डिस्क आदि की शिकायत करते हैं। खिलाड़ियों को भी गाहे-बगाहे चोट लगती रहती है। ऐसे में फिजियोथैरेपिस्ट की मांग दिनो-दिन बढ़ रही है। फिजियोथैरेपिस्ट प्रियंका तिवारी बताती हैं कि विद्यार्थी 12वीं के बाद बीपीटी या डिप्लोमा जैसा कोर्स कर सकते हैं। इसके बाद सरकारी व प्राइवेट हॉस्पिटल्स में ढेर सारे अवसर हैं।

फार्मेसी

एक निजी अस्पताल में फार्मेसी के हैड अमित गुप्ता के अनुसार, फार्मेसी फील्ड में युवाओं के लिए बहुत अवसर हैं। विज्ञान से 12वीं पास युवा बी फार्मा, एम फार्मा या डिप्लोमा करके फार्मा सेक्टर, हॉस्पिटल्स, रिटेल फार्मासिस्ट, क्लिनिकल फार्मासिस्ट, एमआर या मटेरियल मैनेजर जैसे पदों पर जॉब हासिल कर सकते हैं।

लैब टेक्निशियन

अगर आपने केमिस्ट्री में बीएससी/ एमएससी या फिर लैब टेक्निशियन से संबंधित कोई डिप्लोमा किया है, तो आपके लिए स्कोप की कमी नहीं है। तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी में लैब असिस्टेंट प्रभात सेमवाल कहते हैं कि किसी भी शोध संस्थान, प्राइवेट या सरकारी लैब, फार्मा कंपनी के फार्मा केमिस्ट्री/ बायोकेमिस्ट्री विंग में असिस्टेंट, टेक्निशियन, इंचार्ज, लैब इंस्ट्रक्टर या मैनेजर के तौर पर अच्छा पैकेज और ग्रोथ पा सकते हैं। हां, इस फील्ड में काम करने के लिए इसमें रुचि होना बहुत जरूरी है क्योंकि यह टेक्निकल वर्क है।

कई कोर्स, कई रास्ते

मेडिकल फील्ड में प्रवेश के लिए एमबीबीएस के अलावा बीडीएस (डेंटल), बीएचएमएस (होम्योपैथी), बीएएमएस (आयुर्वेद) जैसे परंपरागत डिग्री कोर्स हैं। इनके अलावा, विद्यार्थी 12वीं के बाद पैरामेडिकल के तहत विभिन्न कोर्स कर सकते हैं, जो डिग्री से लेकर डिप्लोमा, सर्टिफिकेट और शॉर्टटर्म कोर्सेज के रूप में ऑफर किए जाते हैं। देश के सरकारी और प्रतिष्ठित मेडिकल कॉलेजों में दाखिले के लिए ऑल इंडिया या स्टेट लेवल पर होने वाले मेडिकल एंट्रेंस एग्जाम्स क्लियर करने होते हैं। वहीं एम्स, एएफएमसी आदि अलग से प्रवेश परीक्षा आयोजित करते हैं। कई प्राइवेट यूनिवर्सिटी और कॉलेज भी अपनी प्रवेश परीक्षा लेते हैं।

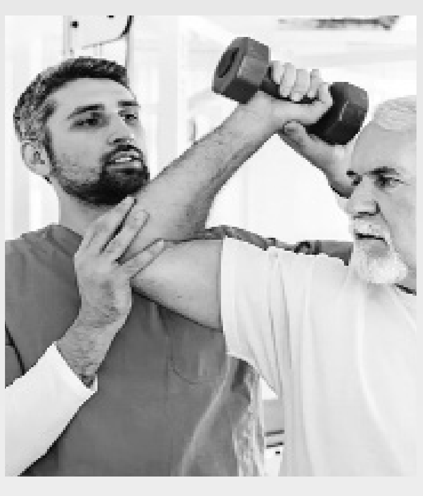

ऑक्यूपेशनल थैरेपी

मेडिकल साइंस ने काफी तरक्की की है। अब सेरिब्रल पाल्सी, ऑटिज्म, डाउन्स सिंड्रोम जैसी जेनेटिक बीमारियों के शिकार लोगों के लिए भी विशेषज्ञ मौजूद हैं, जिन्हें ऑक्यूपेशनल थैरेपिस्ट कहते हैं। ऐसे ही ऑक्यूपेशनल थैरेपिस्ट कपिल कुमार कहते हैं कि इस बीमारी की वजह से शरीर का कोई भी हिस्सा जब काम करना बंद कर देता है, तो इस थैरेपी की मदद से उसे सामान्य बनाया जाता है। आज जो भी युवा इस फील्ड में आना चाहते हैं, वे यह सोचकर आएं कि आने वाले वक्त में उन्हें किसी की उम्मीदों पर खरा उतरना है।

आयुर्वेद

डॉ. परमेश्वर दावा करते हैं कि आयुर्वेद में एक बीमारी के लिए सैकड़ों औषधियां हैं। एमबीबीएस की तरह आयुर्वेद का कोर्स भी साढ़े पांच साल का होता है, जिसमें साढ़े चार साल एकेडमिक्स और एक साल की इंटर्नशिप होती है। प्रोफेशनल्स के सामने सरकारी, प्राइवेट नौकरी से लेकर अपनी निजी प्रेक्टिस करने का विकल्प खुला होता है। वे कहते हैं कि सरकार अगर आयुर्वेद को वैकल्पिक चिकित्सा के तहत प्रोत्साहन, ग्रेजुएट्स को वाजिब स्टाइपेंड दे, तो अच्छे टैलेंट को आगे बढ़ने का मौका मिलेगा।

राजस्थान, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, गुजरात, बिहार से लेकर दक्षिण के कई राज्यों की ऐतिहासिक इमारतें और धरोहरें हमेशा से घरेलू व विदेशी पर्यटकों को अपनी ओर खींचती रही हैं। ऐसे में इन धरोहरों को सहेजना, उनका संरक्षण करना जरूरी हो जाता है। यही जिम्मेदारी संभालते हैं कंजर्वेशन मैनेजमेंट स्पेशलिस्ट, जो स्मारकों, किलों, महलों, मंदिरों के अलावा बेशकीमती पांडुलिपियों, मूर्तियों, सिक्कों या वॉल पेंटिंग्स जैसे म्यूजियम ऑब्जेक्ट्स को सहेजकर रखते हैं।

म्यूजियोलॉजी या हेरिटेज मैनेजमेंट का कोर्स कर संवारें करियर

भारत की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विविधता बेमिसाल मानी जाती है। राजस्थान, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, गुजरात, बिहार से लेकर दक्षिण के कई राज्यों की ऐतिहासिक इमारतें और धरोहरें हमेशा से घरेलू व विदेशी पर्यटकों को अपनी ओर खींचती रही हैं। अगर आपको भी ऐतिहासिक विरासतों के संरक्षण में दिलचस्पी है, तो म्यूजियोलॉजी या हेरिटेज मैनेजमेंट का कोर्स करने के बाद इस उभरते हुए क्षेत्र में करियर संवार सकते हैं।

जॉब स्कॉप

यूनेस्को की ओर से देश की 32 धरोहरों को वर्ल्ड हेरिटेज साइट्स का दर्जा मिला हुआ है। ये सभी देश के कल्चरल टूरिज्म के बड़े गंतव्य हैं लेकिन बेतरतीब शहरीकरण व व्यवसायीकरण से इन धरोहरों के अस्तित्व पर खतरा मंडराने लगा है। इनके रखरखाव की जरूरत महसूस की जाने लगी है, जो सिर्फ प्रशिक्षित और हुनरमंद हेरिटेज कंजर्वेटर ही कर सकते हैं। यही कारण है कि हाल के वर्षों में हेरिटेज कंजर्वेटर, आर्ट रिस्टोरर और म्यूजियोलॉजिस्ट जैसे पेशे का महत्व काफी बढ़ गया है। संग्रहालयों का भी सामाजिक और शैक्षणिक महत्व दिनो-दिन बढ़ता जा रहा है। देश में आर्ट म्यूजियम, आर्कियोलॉजिकल म्यूजियम, वैक्स म्यूजियम, विज्ञान/ तकनीक/ मैरिटाइम म्यूजियम तथा मिलेट्री व वॉर म्यूजियम के रूप में कई तरह के म्यूजियम्स संचालित हो रहे हैं, जिनमें हेरिटेज एक्सपर्ट्स की अच्छी डिमांड है।

करियर के अवसर

भारत में हेरिटेज मैनेजमेंट सेक्टर भले ही अभी नया है लेकिन इसमें जॉब के अवसर कम नहीं हैं। म्यूजियोलॉजी और हेरिटेज मैनेजमेंट प्रोफेशनल्स के लिए टीचिंग और रिसर्च वर्क के अलावा नेशनल/ स्टेट म्यूजियम्स, आर्कियोलॉजिकल म्यूजियम्स, आर्ट गैलरीज, कंजर्वेशन लैब्स, लाइब्रेरी, आर्काइव्स, आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया, स्टेट डिपार्टमेंट ऑफ आर्कियोलॉजी, पर्यटन विभाग तथा एनजीओ में जॉब के ढेर सारे मौके हैं। ऐसे जानकारों की सेवाएं विदेश मंत्रालय की हिस्टोरियन डिविजन, शिक्षा मंत्रालय, भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार, इंडियन काउंसिल ऑफ हिस्टोरिकल रिसर्च आदि में भी ली जाती हैं। यूनेस्को और यूनिसेफ जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठनों में भी जॉब की अच्छी संभावनाएं हैं। म्यूजियोलॉजी या हेरिटेज मैनेजमेंट के विद्यार्थी वर्तमान में बड़ी संख्या में इंदिरा गांधी नेशनल सेंटर फॉर आर्ट एंड कल्चर, इंडियन नेशनल ट्रस्ट फॉर आर्ट, कल्चर एंड हेरिटेज तथा म्यूजियम्स में कंजर्वेटर, हेरिटेज मैनेजर, क्यूरेटर, प्रोजेक्ट को-ऑर्डिनेटर, रिसर्च एसोसिएट या आर्ट कंसल्टेंट जैसे पदों पर सेवाएं दे रहे हैं।

वर्क प्रोफाइल

म्यूजियोलॉजी यानी म्यूजियम से जुड़ा विज्ञान। इस कोर्स के अंतर्गत मुख्य रूप से म्यूजियम के प्रशासन तथा मैनेजमेंट से जुड़े पहलुओं का अध्ययन किया जाता है। पाठ्यक्रम के रूप में संग्रहालय विस्थापन, वैज्ञानिक/ कलात्मक/ ऐतिहासिक दृष्टि से महत्वपूर्ण वस्तुओं की देखभाल/ संरक्षण, कलाओं का प्रस्तुतिकरण, म्यूजियम कलेक्शन, डिजाइनिंग तथा डॉक्यूमेंटेशन आदि विषयों की जानकारी दी जाती है, जबकि हेरिटेज कंजर्वेशन एंड मैनेजमेंट कोर्स एक इंटर-डिसिप्लिनरी स्पेशलाइज्ड कोर्स है। इसके अध्ययन का दायरा दो हिस्सों में बंटा है- हेरिटेज कंजर्वेशन तथा हेरिटेज मैनेजमेंट। हेरिटेज कंजर्वेशन एक टेक्निकल फील्ड है। इसके अंतर्गत विभिन्न स्थलों की खुदाई में मिले म्यूजियम ऑब्जेक्ट्स यानी दुर्लभ पांडुलिपियों, मूर्तियों, पुराने सिक्कों या प्राचीन कलाकृतियों को नष्ट होने से बचाने की जानकारी दी जाती है। वहीं, हेरिटेज मैनेजमेंट पूरी तरह से एडमिनिस्ट्रेटिव व आर्किटेक्चरल फील्ड है, जिसमें स्मारकों के प्रबंधन, रखरखाव व साजसज्जा की जानकारी दी जाती है।

पर्सनल स्किल

हेरिटेज कंजर्वेशन बिल्कुल अलग तरह का कोर्स है। इसलिए इस क्षेत्र में वे ही युवा आएं, जिन्हें इतिहास, कला या सांस्कृतिक चीजों में रुचि हो क्योंकि बगैर रुचि और समर्पण के इस क्षेत्र में तरक्की कर पाना मुश्किल है। यदि प्रबंधन क्षेत्र से जुड़ना चाहते हैं, तो आर्किटेक्चरल स्किल, टेक्निकल स्किल के अलावा आपमें प्रशासनिक क्षमता, अच्छी ऑबजर्वेशन स्किल और विश्लेषण की दक्षता भी होनी चाहिए।

रोहित और विराट की कमी नहीं खलेगी भारत बी टीम भी पाकिस्तानी को हरा देगी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और पाकिस्तान एशिया कप 2025 के अपने दूसरे ग्रुप चरण के मुकाबले में आमने सामने होंगे, जो 14 सितंबर को दुबई के दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में होगा। एशियाई दिग्गजों के बीच होने वाले हाई वोल्टेज मुकाबले से पहले पूर्व भारतीय क्रिकेटर अतुल वासन का मानना है कि एशिया कप 2025 में इंडिया बी टीम भी सलमान आगा की कप्तानी वाली पाकिस्तान टीम को हरा देंगी।

वासन भारत की एशिया कप 1990-91 विजेता टीम का हिस्सा थे। उन्होंने आगे कहा कि उन्हें एशिया कप 2025 में बल्लेबाजी जोड़ी रोहित शर्मा और विराट कोहली की कमी महसूस नहीं होगी। रोहित और विराट भारत टी20 विश्व कप 2024 जीतने के बाद से टी20 से संन्यास ले चुके हैं।

अतुल वासन ने कहा, भारत की बी टीम भी इस पाकिस्तानी टीम को हरा देगी क्योंकि हालात बदल गए हैं। जब हम 90 के दशक में खेलते थे तब वे बहुत अच्छी टीम हुआ करते थे। अब स्थिति बदल गई है। मुझे रोहित शर्मा और विराट कोहली की कमी नहीं खलेगी क्योंकि फिर मुझे सुनील गावस्कर और कपिल देव की भी याद आने लगेगी। राजा मर गया, राजा अमर रहे। चीजें बदलती रहती हैं, नए सुपरस्टार आते हैं और यह धन-दौलत की शर्मिंदगी और मुझे चयनकर्ताओं पर तरस आता है क्योंकि सबको एक ही टीम में रखना पड़ता है क्योंकि किसे बाहर करना है और किसे चुनना है। भारत का पाकिस्तान के खिलाफ आखिरी मुकाबला आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में हुआ था, जहां विराट कोहली के नाबाद शतक की बदौलत रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम ने पाकिस्तान को एकतरफा मुकाबले में छह विकेट से हराया था। गौर है कि सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली भारतीय टीम टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में यूएई के खिलाफ शानदार जीत के बाद पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले से पहले आत्मविश्वास से भरी होगी।

भारत-पाकिस्तान के बीच मुकाबला नहीं खेला जाना चाहिए: केदार जाधव

पुणे, एजेंसी। पीएम नरेंद्र मोदी 17 सितंबर को अपना 75वां जन्मदिन मनाएंगे। इस मौके पर लोगों को स्वास्थ्य और पर्यावरण के अनुकूल जीवनशैली को लेकर जागरूक करने के लिए पुणे में पुणे ऑन पेडल्स और पुणे वॉकेथॉन का आयोजन हुआ, जिसमें पूर्व भारतीय क्रिकेटर केदार जाधव ने भी हिस्सा लिया। इस दौरान केदार जाधव ने 14 सितंबर को एशिया कप में खेले जाने वाले भारत-पाकिस्तान मैच को लेकर प्रतिक्रिया दी। केदार जाधव ने पत्रकारों से कहा, मैंने पहले ही कहा था, मेरे हिसाब से भारत-पाकिस्तान के बीच यह मुकाबला नहीं खेला जाना चाहिए, लेकिन रविवार को मैच होने जा रहा है। कुछ दिनों पहले बातचीत में पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज अशोक डिंडा ने कहा था कि भारत को पाकिस्तान के साथ कोई संबंध नहीं रखना चाहिए। उन्होंने कहा, बतौर खिलाड़ी मैं जरूर चाहूंगा कि भारत-पाकिस्तान आपस में खेलें, लेकिन सबसे पहले मैं एक भारतीय हूं। पाकिस्तान बार-बार हमारे देश पर हमले कर रहा है। ऐसे में उसके साथ कोई संबंध नहीं रखना चाहिए, न ही खेल संबंध। पूर्व भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह भी इस मुकाबले पर अपनी प्रतिक्रिया दे चुके हैं। भज्जी ने मुंबई में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, भारत-पाकिस्तान के बीच मुकाबला हमेशा ही सुर्खियों में रहा, लेकिन ऑपरेशन सिंदूर के बाद सभी ने कहा कि क्रिकेट और व्यापार नहीं होना चाहिए। हमने वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स में पाकिस्तान के साथ नहीं खेला। मुझे लगता है कि जब तक दोनों देशों के बीच रिश्ते सुधर नहीं जाते, तब तक क्रिकेट और व्यापार नहीं होना चाहिए। सरकार कहती है कि मैच हो सकता है, तो होना चाहिए। भारत-पाकिस्तान के बीच 14 सितंबर को आबू धाबी के शेख जायद स्टेडियम में एशिया कप 2025 का छठा मैच खेला जाएगा। टीम इंडिया अपना शुरुआती मैच जीतकर ग्रुप-ए की प्वाइंट्स टेबल में शीर्ष पर है। वहीं, पाकिस्तान की टीम अपने पहले मैच में ओमान को 93 रन से हराकर दूसरे स्थान पर मौजूद है।

स्टार खिलाड़ी ने रचा इतिहास, धमाकेदार पारी खेलकर इंग्लैंड के लिए बनाया सबसे तेज शतक

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज फिल साल्ट ने किसी इंग्लिश खिलाड़ी द्वारा बनाया गया सबसे तेज टी 20 शतक जड़कर इतिहास रच दिया। उनका यह धमाकेदार शतक सिर्फ 39 गेंदों पर पूरा हुआ, जिससे उन्होंने 2021 में पाकिस्तान के खिलाफ लियाम लिविंगस्टोन द्वारा बनाए गए 42 गेंदों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। साल्ट की यह उपलब्धि उनके सलामी जोड़ीदार जोस बटलर के दमदार प्रदर्शन और चतुराई भरे शॉट चयन का एक अद्भुत संगम थी, जिसने दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों को शुरुआत में ही बैकफुट पर धकेल दिया। साल्ट ने शतक शानदार अंदाज में पूरा किया, जिसमें मिड-ऑन पर एक सटीक ड्राइव के साथ चौका फिर एक फ्री हिट पर एक रन और कैगिसो रबाडा की गेंद पर बेथेल के तेज दो रन से हासिल किया। साल्ट का यह शतक उन्हें वैश्विक मंच पर विशिष्ट खिलाड़ियों की श्रेणी में भी शामिल करता है। वह केवल 42 पारियों में चार टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक लगाने वाले सबसे तेज खिलाड़ियों में से एक हैं। यह भारत के सूर्यकुमार यादव से काफी तेज है, जिन्होंने 57 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की थी। कुल मिलाकर टी20 अंतरराष्ट्रीय शतकों की बात करें तो उनसे ज्यादा सिर्फ ग्लेन मैक्सवेल और रोहित शर्मा के नाम हैं, जिन्होंने पांच-पांच शतक लगाए हैं, जिससे साल्ट इस प्रारूप में खेल के शीर्ष बल्लेबाजों में से एक बन गए हैं। गौर है कि आईपीएल में आरसीबी के लिए खेलने वाले साल्ट ने 60 गेंदों पर 15 चौकों और 8 छक्कों की मदद से नाबाद 141 रन बनाए, जिससे इंग्लैंड ने 304/2 का स्कोर बनाया। यह किसी पूर्ण सदस्य देश द्वारा बनाया गया अब तक का सर्वोच्च टी20 स्कोर है।

'हम किसी भी टीम को हराने में सक्षम हैं', पाकिस्तानी कप्तान सलमान आगा की गीदड़ भभकी

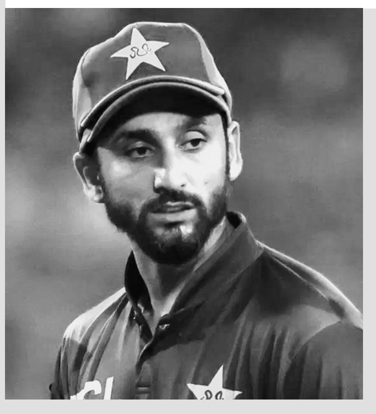

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के खिलाफ एशिया कप में भिड़ने से पहले पाकिस्तान के कप्तान सलमान आगा ने अप्रत्यक्ष रूप से भारत के लिए चेतावनी जारी करते हुए गीदड़ भभकी दे डाली। पाकिस्तान ने एशिया कप में अपना पहला मैच ओमान के खिलाफ खेला और उसे 93 रन से जीत मिली।

पाकिस्तान ने ओमान के खिलाफ पहले खेलते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 160 रन हनाए और इसके बाद कमजोर ओमान की टीम को सिर्फ 67 रन पर आउट कर दिया। इस मैच में जीत के बाद पाकिस्तान के कप्तान सलमान ने भारत के खिलाफ होने वाले मुकाबले में दबाव की बात को ज्यादा तवज्जो नहीं दिया और दावा किया कि उनकी टीम अच्छी फॉर्म में है और किसी को भी हराने में सक्षम है।

ओमान के खिलाफ मिली जीत के बाद सलमान आगा ने प्रजेंटेशन में कहा कि मुझे लगता है कि हम पिछले 2-3 महीनों से वाकई अच्छा क्रिकेट खेल रहे हैं। मैं यह बात बार-बार कह रहा हूं। हमने हाल ही में ट्राई सीरीज जीती है और यहां हमने (ओमान के खिलाफ) बहुत ही शानदार जीत हासिल की। हमें बस अच्छा क्रिकेट खेलने की जरूरत है और अगर हम अपनी रणनीति पर लंबे समय तक अमल करते हैं तो मुझे लगता है कि हम किसी भी टीम को हराने के लिए काफी अच्छी टीम हैं। इस मैच में पाकिस्तान के लिए 66 रन की पारी खेलने वाले मोहम्मद हारिस को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया और इस खिताब को जीतने के बाद हारिस ने कहा कि टीम मुझसे जिस तरह का डिमांड करेगी मैं वो करने की कोशिश करूंगा।

सचिन तेंदुलकर बाल-बाल बचे!

प्लेन की अचानक की गई इमरजेंसी लैंडिंग, मास्टर ने शेयर किया भयावह अनुभव

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट के महान खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर हाल ही में केन्या के मासाई मारा के जंगलों में एक अजीब सी परिस्थिति में फंस गए। उनके विमान को एक भयंकर तूफान की वजह से इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी। तेंदुलकर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक वीडियो साझा कर इस घटना के बारे में बताया। उन्होंने इस वीडियो के कैप्शन में लिखा कि जंगल का अपना तरीका है स्वागत करने का, हमेशा! यह घटना हमें प्रकृति की अप्रत्याशित शक्ति की याद दिलाती है, जो मासाई मारा जैसे क्षेत्रों में काफी आम है।

सचिन तेंदुलकर ने खुद बयां की कहानी

सचिन तेंदुलकर ने वीडियो में बताया कि जब वे मासाई मारा के ऊपर से उड़ान भर रहे थे, तब उन्हें दूर से ही एक भयानक तूफान दिखाई दिया। खराब मौसम के कारण पायलट को दो बार लैंडिंग रद्द करनी पड़ी, जिससे विमान के अंदर एक तनावपूर्ण स्थिति बन गई थी। आखिरकार, रनवे साफ होने के बाद विमान को दूसरी तरफ उतारा गया। लेकिन, उनकी मुश्किलें यहीं खत्म नहीं हुईं।

बारिश के कारण वे कुछ समय के लिए जंगल में ही फंस गए और उन्हें मदद आने का इंतजार करना पड़ा। इस पूरी स्थिति के बावजूद, सचिन के चेहरे पर मुस्कान थी और उन्होंने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा कि अगर रात को नहीं आए, तो यहीं जंगल में... उनका यह शांत और सकारात्मक रवैया उनकी महानता को दर्शाता है।

सत्र के अपने पहले फाइनल में पहुंचे सात्विक-चिराग, सेमीफाइनल में चीनी ताइपे की जोड़ी को हराया

हांगकांग, एजेंसी। सात्विक-चिराग ने लिन-कुआन को 21-17, 21-15 से मात दी। भारतीय जोड़ी सत्र के अपने पहले फाइनल में पहुंची है। इससे पहले उसे छह बार सेमीफाइनल में हार मिली थी। भारत की स्टार पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी हांगकांग ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंच गए हैं। इस भारतीय जोड़ी ने लंबा सूखा समाप्त करते हुए सत्र के अपने पहले फाइनल में जगह बना ली है। सात्विक-चिराग ने शनिवार को सेमीफाइनल में विश्व के नौवें नंबर की जोड़ी चीनी ताइपे के बिंग वेई लिन और चेन चिंग कुआन को सीधे गेम में हराया।

सात्विक-चिराग ने लिन-कुआन को 21-17, 21-15 से मात दी। भारतीय जोड़ी सत्र के अपने पहले फाइनल में पहुंची है। इससे पहले उसे छह बार सेमीफाइनल में हार मिली थी। आठवीं वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी का खिताबी मुकाबले में सामना चीन के लियांग वेई केंग और वांग चांग की जोड़ी तथा चीनी ताइपे की फांग चिह ली और फांग जिन ली के बीच एक अन्य सेमीफाइनल मैच की विजेता जोड़ी से होगा। सात्विक-चिराग के लिए यह नतीजे काफी सुखद है क्योंकि उन्होंने कई चुनौतियों से पार पाकर वापसी की है।

निशानेबाज ईशा ने खत्म कराया भारत के पदक का सूखा, महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल में जीता स्वर्ण

निंगबो, एजेंसी। ईशा का विश्व कप में यह पहला स्वर्ण पदक है और इससे भारत अंक तालिका में पांचवें स्थान पर आ गया है। भारत के साथ चार और देश एक स्वर्ण पदक के साथ तालिका में संयुक्त रूप से पांचवें स्थान पर है। ओलंपियन और मिश्रित टीम पिस्टल स्पर्धा की विश्व चैंपियन ईशा सिंह ने आईएसएसएफ विश्व कप राइफल/पिस्टल में भारत के खिताब का सूखा समाप्त करते हुए महिला 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। निंगबो ओलंपिक स्पोर्ट्स सेंटर में 20 वर्षीय ईशा ने एक रोमांचक फाइनल में स्थानीय खिलाड़ी याओ कियानक्सुन को 0.1 अंक से हराया। दक्षिण कोरिया की मौजूदा ओलंपिक चैंपियन ओह येजिन ने कांस्य पदक जीता।

ईशा का विश्व कप में पहला स्वर्ण पदक

यह ईशा का विश्व कप में पहला स्वर्ण पदक है और इससे भारत अंक तालिका में पांचवें स्थान पर आ गया है। भारत के साथ चार और देश एक स्वर्ण पदक के साथ तालिका में संयुक्त रूप से पांचवें स्थान पर है। मेजबान चीन दो स्वर्ण, चार रजत और एक कांस्य के साथ पदक तालिका में शीर्ष पर है। भारत ने इस टूर्नामेंट में हर स्पर्धा में

आईएसएसएफ वर्ल्ड कप

अपने चौथे से छठे क्रम के निशानेबाजों को उतारा है।

ईशा ने स्वर्ण पदक जीतने के बाद कहा, मैं बहुत खुश हूं क्योंकि यह पहली प्रतियोगिता थी जिससे मैंने शुरुआत की और इसमें विश्व कप का स्वर्ण पदक जीता। हां, जाहिर है कि इस साल की अगली सबसे बड़ी प्रतियोगिता विश्व चैंपियनशिप है। हम इसके लिए बहुत कड़ा अभ्यास कर रहे हैं और मुझे यकीन है कि आपको काहिरा में भारतीय टीम से बहुत अच्छी चीजें देखने को मिलेंगी।

ईशा और उनकी साथी रिदम सांगवान ने 578 के समान स्कोर के साथ फाइनल के लिए क्वालिफाई किया, जिससे उन्हें अंतिम दो उपलब्ध स्थान प्राप्त हुए। याओ ने 584 के स्कोर के साथ क्वालिफिकेशन में शीर्ष स्थान हासिल किया, जबकि सिर्फ रैंकिंग अंकों के लिए प्रतिस्पर्धा कर रही भारत की पलक गुलिया ने 586 का स्कोर किया। सुरभि राव 568 के स्कोर के साथ 25वें स्थान पर रहीं।

आठ निशानेबाजों के फाइनल में रिदम ने अच्छी शुरुआत की और पहली सीरीज के बाद वह शीर्ष जबकि ईशा दूसरे स्थान पर थीं। एलिमिनेशन के आगे बढ़ने के साथ ही दोनों भारतीय ने धैर्य के साथ अच्छे निशाने साधे। रिदम अपने 15वें निशाने पर 10.8 के स्कोर के साथ चौथे स्थान पर पहुंची लेकिन 18वें निशाने के बाद मुकाबले से बाहर हो गईं। ईशा ने इस बीच अपनी लय बनाए रखी और निर्णायक चरणों में 10.7 के दो शॉट लगाकर याओ पर मामूली बढ़त बनाए रखी।

हरभजन सिंह के बीसीसीआई में शामिल होने की संभावना, पूर्व ऑफ स्पिनर प्रमुख भूमिका के लिए तैयार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिग्गज क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर के बाद अब हरभजन सिंह का नाम भी चर्चा में है, जिन्हें बीसीसीआई के शीर्ष पद से जोड़ा जा रहा है। तेंदुलकर पहले ही सभी अफवाहों का खंडन कर चुके हैं। लेकिन 2011 विश्व कप विजेता स्पिनर ने अभी तक इन अटकलों पर कोई टिप्पणी नहीं की। पंजाब में जन्मे हरभजन का नाम तब सुर्खियों में आया जब पीसीए ने कथित तौर पर 45 वर्षीय हरभजन को आगामी बीसीसीआई चुनावों में एक भूमिका के लिए नामित किया। भारत के लिए 367 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हरभजन अब चुनाव लड़ने के पात्र होंगे क्योंकि उन्हें राज्य संघ का समर्थन प्राप्त है, जो किसी भी उम्मीदवार के लिए एक बुनियादी आवश्यकता है। पिछले कुछ वर्षों में सत्तारूढ़ भाजपा

सरकार अक्सर खेल संगठनों में शीर्ष प्रशासनिक पदों पर प्रतिष्ठित खिलाड़ियों को नियुक्त करने की ओर झुकी रही है। सौरव गांगुली और रोजर बिन्नी जैसे पूर्व क्रिकेटर बीसीसीआई अध्यक्ष पद संभाल चुके हैं। चुनाव 28 सितंबर को होंगे जिसमें अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, संयुक्त सचिव और कोषाध्यक्ष जैसे प्रमुख पदों का फैसला होगा। बीसीसीआई की पिछली वार्षिक आम बैठकों (एजीएम) को देखें, तो बड़ी प्रतिस्पर्धा की संभावना कम ही है। देवजीत सैकिया (सचिव), प्रभतेज सिंह भाटिया (कोषाध्यक्ष) और रोहन देसाई (संयुक्त सचिव) जैसे मौजूदा पदाधिकारियों के अपने पदों पर बने रहने की उम्मीद है।

जैस्मिन, नूपुर ने फाइनल में पहुंचकर जगाई स्वर्ण की उम्मीद; खाली हाथ लौटे पुरुष मुक्केबाज

लिवरपूल, एजेंसी। जैस्मिन ने सेमीफाइनल में वेनेजुएला की कैरोलिना अल्काला को 5-0 से परास्त किया। दिग्गज हवा सिंह की पोती नूपुर ने तुर्किये की सेयमा को 5-0 से हराया। बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों की पदक विजेता जैस्मिन लंबोरिया (57 किग्रा भारवर्ग) और नूपुर (80+किग्रा भारवर्ग) ने विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप के फाइनल में प्रवेश किया। जैस्मिन ने सेमीफाइनल में वेनेजुएला की कैरोलिना अल्काला को 5-0 से परास्त किया। वह फाइनल में पोलैंड की जूलिया से भिड़ेंगी। दिग्गज हवा सिंह की पोती नूपुर ने तुर्किये की सेयमा को 5-0 से हराया। इससे पहले मीनाक्षी हुड्डा ने भारत का चौथा पदक पक्का किया। वह महिलाओं के 48

भारवर्ग के सेमीफाइनल में पहुंच गई हैं। मीनाक्षी ने अंडर-19 वर्ग की विश्व चैंपियन इंग्लैंड की एलाइस पंपरी को क्वार्टर फाइनल में हराया।

कड़े संघर्ष से गुजरा है मीनाक्षी का सफर

हरियाणा में रोहतक जिले के रुड़की गांव की 24 साल की मीनाक्षी चार भाई-बहनों में सबसे छोटी हैं। उनके पिता ऑटो रिक्शा चलाते हैं और मां गृहिणी हैं। उन्हें गुजारा करने के लिए संघर्ष करना पड़ता था। निजी कोच विजय हुड्डा ने शुरुआत में खुराक, किट और यात्रा खर्च में मदद की। वह अपनी अकादमी में निशुल्क ट्रेनिंग देते हैं। 2022 में एशियाई चैंपियनशिप में रजत जीतने वाली मीनाक्षी की यह पहली विश्व चैंपियनशिप है।

12 साल में पहली बार पुरुष वर्ग में झोली खाली

पुरुष वर्ग में 12 वर्ष में पहली बार ऐसा हुआ जब भारतीय मुक्केबाजों को खाली हाथ लौटना होगा। जदुमणि सिंह के सामने गत विश्व चैंपियन कजाखस्तान के सांजेर ताशकेनबे थे जिनके खिलाफ उन्हें 0-4 से हार मिली। जदुमणि की हार के साथ यह तय हो गया कि भारत के 10 सदस्यीय पुरुष दल का इस बार कोई पदक नहीं मिलेगा। ऐसा 2013 के बाद पहली बार होगा। ताशकंद में 2023 में भारत ने तीन कांस्य जीते थे।

न्यूज डायरी

बबीता रावत लगातार छठी बार सर्वसम्मति से एन.एच.एम कर्मचारी संघ (सी.एन. ई. यू.) चंडीगढ़ की अध्यक्ष चुनी गई

विजय कुमार को पुनः चेयरमैन पद के लिए चुने गए

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। दिनांक 13 सितंबर 2025 को चंडीगढ़ एन.एच.एम कर्मचारी संघ के वार्षिक चुनाव किए गए। जिसमें सभी उपस्थित एन.एच.एम कर्मियों द्वारा निर्विरोध तरीके से बबीता रावत को अध्यक्ष पद के लिए फिर से छठी बार चुना गया।

बबीता रावत,नर्सिंग अधिकारी को सर्वसम्मति से लगातार छठी बार अध्यक्ष पद की जिम्मेवारी सौंपी गई है । पूर्व में उनकी अध्यक्षता में वर्षों से लंबित मानदेय वेतन की मांग को एन.एच.एम, स्वास्थ्य विभाग द्वारा पूर्ति की गई जिसमें सैंकड़ों कर्मियों को अच्छी राशि की वेतन वृद्धि का लाभ मिला।

वहीं विजय कुमार को पुनः चेयरमैन के पद की जिम्मेवारी सौंपी गई।

विजय कुमार, (चेयरमैन)
महावीर सिंह, (उपाध्यक्ष)
जगदीप कुमार, (मुख्य सलाहकार)
अमित कुमार, (महासचिव)
निरंजन कुमार, (संयुक्त सचिव)
इकबाल सिंह और कुसुम लता, (कैशियर)
मुहम्मद सलीम और कंवलजीत कौर बराड़ (स्टेज सचिव)

परमजीत कौर, नितिका, गीता मिश्रा, संगीता देवी को सलाहकार समिति में चुना गया ।

सुषमा शर्मा, प्रियंका, शीतल और संजय को कार्यकारिणी सदस्य में चुना गया ।

बबीता रावत ने पूर्ण विश्वास दिलवाया कि वे कर्मचारियों के हकों के लिए सदेव ईमानदारी से लड़ती रहेंगी ।

डोभी तालाब सौंदर्यकरण की घोषणा दिखावा, सरकारी लापरवाही के कारण गंदगी से अटा पड़ा तालाब : बुवानीवाला

भिवानी। डोभी तालाब के सौंदर्यकरण को लेकर प्रशासन ने जिन वादों के साथ घोषणा की थी, वह आज एक साल बाद भी केवल कागजी साबित होते नजर आ रहे हैं। ये बात हरियाणा कांग्रेस उद्योग सैल के चेयरमैन अशोक बुवानीवाला ने आज स्थानीय डोभी तालाब क्षेत्र का मुआयना करते हुए उपस्थित मीडिय़ा के समक्ष कहें। उन्होंने कहा कि तालाब की सूरत बदलने, उसे पर्यटन स्थल का रूप देने और स्थानीय लोगों के लिए मनोरंजन व स्वच्छता का केंद्र बनाने के नाम पर किए गए वादों का आज तक कोई अता-पता नहीं है। नतीजा यह है कि प्रशासन की लापरवाही से डोभी तालाब गंदगी, आवारा पशुओं, मच्छरों व गंदगी से फैली बिमारियों का अड्डा बन चुका है।

बुवानीवाला ने कहा कि भाजपा सरकार ने बीते वर्ष बड़े-बड़े दावे किए गए थे कि डोभी तालाब व अन्य तालाबों के चारों ओर पैदल पथ बनेगा, पार्किंग व्यवस्था होगी, तालाब का पानी साफ किया जाएगा, किनारों को मजबूत किया जाएगा और आसपास हरियाली विकसित की जाएगी। साथ ही, आधुनिक लाइटिंग व बुजुर्गों के बैठने की व्यवस्था भी की जाएगी। लेकिन एक साल बीतने के बावजूद न तो तालाब की सफाई हुई, न ही सौंदर्यकरण का कोई काम शुरू हुआ। उल्टे, तालाब के पानी में गंदगी बढ़ गई, किनारों पर झाडिय़ाँ उग आईं और जगह-जगह कचरा, प्लास्टिक व निर्माण से जुड़ा मलबा का अंबार लग गया है। लोगों को उम्मीद थी कि यह स्थान शहर की शान बनेगा, लेकिन यह अब उपेक्षा का प्रतीक बन चुका है।

बुवानीवाला ने कहा कि तालाब के पास ऐतिहासिक गीता भवन, बाबा लोहड़पीर व हीरापुरी शिवालय एवं काली देवी मंदिर बने हुए है जो धार्मिक आस्था के केन्द्र है, उसके पास जमा गंदा पानी और कचरा अब स्थानीय लोगों की सेहत के लिए गंभीर खतरा बन चुका है। यहाँ मच्छरों व आवारा पशुओं का जमावड़ा हो चुका है, जिससे डेंगू, मलेरिया और अन्य बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। आस-पास रहने वाले परिवारों एवं दर्शन हेतू आने वाले श्रद्धालुओं को रोजाना गंदगी और बदबू का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि तालाब का मुद्दा केवल स्वच्छता का मुद्दा नहीं है, बल्कि यह सीधे तौर पर स्थानीय नागरिकों के स्वास्थ्य से जुड़ा मामला भी है। जब सरकार ने तालाब के सौंदर्यकरण और सफाई की जिम्मेदारी खुद ली थी, तो उसकी निष्क्रियता को जनता कैसे स्वीकार करे ?

बुवानीवाला ने कहा कि सरकार केवल घोषणाएँ करता है, लेकिन धरातल पर काम नहीं करता। डोभी तालाब की वर्तमान स्थिति सरकार की लापरवाही और वादाखिलाफी का स्पष्ट प्रमाण है। जनता को उम्मीद थी कि यह स्थान शहर की सुंदरता और पहचान बनेगा, लेकिन आज यह गंदगी और असुविधा का प्रतीक बन गया है।

प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन से सेवा पखवाड़ा की शुरुआत: हरियाणा में नमो युवा रन में होगी दौड़

चंडीगढ़। हरियाणा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिन और भगवान विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर बड़े पैमाने पर कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। हरियाणा के युवा सशक्तिकरण एवं उद्यमिता तथा खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम ने घोषणा की है कि 17 सितंबर से पूरे प्रदेश में 'सेवा पखवाड़ा' की शुरुआत की जाएगी। यह पखवाड़ा 2 अक्टूबर को महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर समाप्त होगा।

गौतम ने यह जानकारी चंडीगढ़ स्थित भाजपा कार्यालय में एक प्रेस वार्ता के दौरान दी। इस अवसर पर भाजपा युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा और अन्य पदाधिकारी भी मौजूद थे। गौरव गौतम ने बताया कि इस पखवाड़े के दौरान कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसी कड़ी में, युवाओं को प्रेरित करने के लिए 21 सितंबर को कुरुक्षेत्र और गुरुग्राम में 'नमो युवा रन' का आयोजन भी किया जाएगा। यह पहल प्रधानमंत्री मोदी की नीतियों और भगवान विश्वकर्मा जयंती के महत्व को एक साथ जोड़ती है, जिसमें सेवा, समर्पण और कौशल विकास पर जोर दिया गया है।

मंत्री गौरव गौतम ने कहा कि सेवा पखवाड़ा के तहत समाज सेवा और जनजागरण से जुड़े अनेक कार्यक्रम होंगे। इनमें नमो युवा रन, रक्तदान शिविर, स्वास्थ्य जांच शिविर और एक पेड़ मां के नाम जैसे अभियान शामिल हैं। उन्होंने कहा कि पर्यावरण प्रदूषण पूरे विश्व की एक गंभीर चुनौती है, जिसका समाधान जनभागीदारी से ही संभव है, इसीलिए पखवाड़ा अवधि में पूरे प्रदेश में पौधारोपण किया जाएगा और इसमें प्रदेशवासियों की अहम भागीदारी रहेगी।

मंत्री ने कहा कि 21 सितंबर को कुरुक्षेत्र और गुरुग्राम में नशे के खिलाफ नमो युवा रन कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कुरुक्षेत्र में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और गुरुग्राम में पूर्व मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल इस युवा दौड़ में शामिल होंगे। प्रदेश के लगभग 7500 युवा इस आयोजन में भाग लेकर नशामुक्त समाज का संदेश देंगे।

किसानों की असली हितैषी तो भाजपा ही है, कांग्रेस ने तो दो-दो रुपये के चेक देकर मजाक उड़ाया था : पंडित मोहन लाल बड़ौली

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि मोदी और नायब सरकार दिन रात किसान हित में कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि कृषि भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और किसान उसके प्राण है। श्री बड़ौली ने कहा कि भारत को आत्मनिर्भर बनाने में किसानों की महत्वपूर्ण भूमिका है। श्री बड़ौली ने यह उद्बोधन शनिवार को रोहतक स्थित भाजपा कार्यालय मंगल कमल में किसान मोर्चा की प्रदेश समिति की बैठक को संबोधित करते हुए कहे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कार्यसमिति की बैठक के बाद कांग्रेस पर तंज भी कसा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के समय में तो बारिश के समय शहर के शहर डूब जाते थे।

- **हरियाणा सभी 24 फसलों की एमएसपी पर खरीद करने वाला देश का पहला राज्य : बड़ौली**
- **बड़ौली का कांग्रेस पर तंज, कहा - कांग्रेस राज में तो बारिश के समय शहर के शहर डूब जाते थे**
- **सेवा पखवाड़ा की तैयारियों को लेकर रोहतक स्थित भाजपा कार्यालय मंगल कमल में हुई किसान मोर्चा की प्रदेश स्तरीय कार्य समिति की बैठक**

भाजपा किसान मोर्चा की प्रदेश समिति की इस बैठक की अध्यक्षता किसान मोर्चा की कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष राजबाला चहल ने की। कार्यसमिति की बैठक में कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा, संगठन महामंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा, राष्ट्रीय किसान मोर्चा महामंत्री एवं राज्यसभा सांसद अनिल बोंडे, किसान मोर्चा के प्रदेश प्रभारी सैला राम सहारण उपस्थित रहे। कार्यसमिति का संचालन किसान मोर्चा के प्रदेश महामंत्री सुनील शर्मा ने किया। इस बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में 17 सितंबर से शुरू हो रहे सेवा पखवाड़ा को लेकर योजना रचना तैयार की गई। बैठक में सरकार के किसानों से जुड़े कार्यों को जनता तक पहुंचाने को लेकर चर्चा की गई।

कार्यसमिति की बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अध्यक्ष बड़ौली ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत कृषि में आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से बढ़ रहा है। मोदी सरकार ने कृषि क्षेत्र को लेकर कई बड़े कदम उठाए हैं। केंद्र की मोदी और हरियाणा की नायब सरकार का लगातार प्रयास है कि उत्पादन बढ़े लागत घटे, उपज का उचित मूल्य मिले और आपदा में किसानों को उचित मुआवजा मिले। श्री बड़ौली ने कहा कि हरियाणा की नायब सरकार किसानों की सही मायन में हितैषी सरकार है। नायब सरकार देश की पहली ऐसी सरकार है जो 24 फसलों को एमएसपी पर खरीद रही है।

श्री बड़ौली ने कहा कि मोदी और नायब सरकार दिन-रात किसान हित में कार्य कर रही है। उन्होंने किसान मोर्चा के कार्यकर्ताओं से आग्रह करते हुए कहा कि सेवा पखवाड़ा के दौरान आप लोग अधिक से अधिक लोगों से संवाद करें और किसानों को भाजपा सरकार की किसान हितैषी नीतियों से अवगत कराएं तथा योजनाओं का लाभ दिलाने में सहायक बनें। श्री बड़ौली ने कहा कि 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलने वाले सेवा पखवाड़ा के दौरान दर्जनभर कार्यक्रम चलेंगे। सेवा ही संगठन के मूलमंत्र पर चलते हुए हमें लोगों की सहायता करनी है।

बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बाढ़ ग्रस्त हिमाचल प्रदेश, पंजाब और जम्मू कश्मीर को 5-5 करोड़ रुपये की सहायता राशी दी है। हरियाणा में भी जिनका नुकसान बाढ़ के कारण हुआ है सरकार पूरा मुआवजा देगी।

एक सवाल पर उन्होंने कहा कि भाजपा पर जनता का भरोसा लगातार बढ़ रहा है। जनता ने केंद्र और राज्य में तीसरी बार भाजपा की सरकार बनाई है। हरियाणा की नायब सरकार जनता की आकांक्षाओं पर खरा उतर रही है। इस बार भयंकर बारिश हुई, लेकिन अन्य राज्यों की तुलना में हरियाणा में कम नुकसान हुआ है। कांग्रेस के शासन काल में तो शहर के शहर डूबे जाते थे। हरियाणा में कांग्रेस की सरकार ने ढाई-ढाई रुपये के चेक देकर किसानों का अपमान किया था।

श्री बड़ौली ने कहा कि हरियाणा में नायब सरकार चौतरफा विकास करा रही है। सरकार के पास विकास के नाम पर धन की कोई कमी नहीं है। सरकार ईमानदारी से काम कर रही है। एक अन्य सवाल पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि झूठ बोलना और लोगों को गुमराह करना कांग्रेस की आदत है। कांग्रेस ने अपने समय में जो कर्जा लिया था उसकी किस्त नायब सरकार भर रही है।

पहले की सरकारें सिर्फ नारे लगाती थी, मोदी और नायब सरकार काम करके दिखाती है : श्याम सिंह राणा

किसान मोर्चा की प्रदेश स्तरीय बैठक को संबोधित करते हुए कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि पहले की सरकारें सिर्फ नारे लगाती रहीं, गरीबों और किसानों के लिए कोई काम नहीं किया। केंद्र की मोदी और प्रदेश की नायब सरकार किसान हित में कल्याणकारी योजनाएं बना रही हैं जिनका लाभ भी किसान वर्ग को मिल रहा है।

श्री राणा ने कहा कि हमारी केंद्र और राज्य सरकारों ने किसानों के लिए आयुष्मान, प्रधानमंत्री आवास, हर घर शौचालय, उज्ज्वला, किसान सम्मान निधि जैसी योजनाएं बनाई और लागू की। इन योजनाओं का लाभ लोगों को मिल भी रहा है। उन्होंने कहा कि सेवा पखवाड़ा के दौरान किसान मोर्चा गांव-गांव तक मोदी और नायब सरकार की योजनाएं और उपलब्धियों को पहुंचाएं। उन्होंने यह भी कहा कि जो किसान सरकार की योजनाओं से वंचित रह गए हैं उन्हें किसान मोर्चा के कार्यकर्ता लाभ दिलाने का काम करें।

किसान हित की योजनाओं को किसानों तक पहुंचाने का दायित्व किसान मोर्चा के हर कार्यकर्ता का है : अनिल बोंडे

राष्ट्रीय किसान मोर्चा के महामंत्री एवं राज्यसभा सांसद अनिल बोंडे ने कहा कि मोदी और नायब सरकार की किसान कल्याणकारी देश और प्रदेश में चल रही है। किसान हित की योजनाओं को सभी किसानों तक पहुंचाने का दायित्व किसान मोर्चा के हर कार्यकर्ता का है। उन्होंने कहा कि सेवा पखवाड़ा के दौरान कार्यकर्ताओं को गांवों में रहने वाले लोगों से जुड़ना, उन्हें पार्टी के विचारों से और संगठन से जोड़ना बहुत महत्वपूर्ण काम है।

किसान मोर्चा पदाधिकारियों का मार्गदर्शन करते हुए श्री बोंडे ने कहा कि हर गांव की अपेक्षाएं अलग तरह की होती हैं। मोर्चा कार्यकर्ता उनके हिसाब से निदान का प्रयास करें। उन्होंने कहा कि मोदी और राज्य की नायब सरकार ने गांवों, गरीबों और किसानों के लिए बहुत काम किए हैं, कई योजनाएं लागू की हैं। मोर्चा कार्यकर्ता इन कामों और योजनाओं को ग्रामीणों तक पहुंचाएं।

प्रदेश में स्वास्थ्य ढाँचे को किया जाएगा मजबूत : आरती सिंह राव

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने और आम जनता को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सरकार निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए 135 नए स्वास्थ्य संस्थानों के निर्माण को प्रशासनिक मंजूरी प्रदान कर दी है। इन संस्थानों के निर्माण पर लगभग 74.43 करोड़ रुपये की राशि खर्च की जाएगी।

स्वास्थ्य मंत्री ने जानकारी दी कि इनमें 126 'सब हेल्थ सेंटर' शामिल हैं, जिन पर लगभग 6993 लाख रुपये की लागत आएगी। इसी के साथ 9 'ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट्स' के निर्माण को भी स्वीकृति प्रदान की गई है, जिन पर कुल 450 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। उन्होंने विस्तार से बताया कि जिन जिलों में 'सब हेल्थ सेंटर' स्थापित किए जाएंगे, उनमें महेंद्रगढ़, रेवाड़ी, भिवानी, चरखी दादरी, फतेहाबाद, गुरुग्राम, झज्जर, जींद, करनाल, कुरुक्षेत्र, कैथल, पलवल, पानीपत और सोनीपत शामिल हैं। वहीं 'ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट्स' का निर्माण सिरसा, भिवानी, रेवाड़ी, झज्जर और पानीपत जिलों में किया जाएगा। आरती सिंह राव ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार लगातार स्वास्थ्य सेवाओं को उन्नत बनाने के लिए कार्य कर रही है। सरकार का उद्देश्य है कि राज्य का कोई भी नागरिक बुनियादी स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित न रहे। इसी दिशा में डॉक्टरों की संख्या बढ़ाने, आधुनिक चिकित्सा उपकरण उपलब्ध कराने और स्वास्थ्य संस्थानों के निर्माण को प्राथमिकता दी जा रही है।

मुख्यमंत्री ने वीसी के माध्यम से सभी जिलों के उपायुक्तों से भारी बारिश के कारण प्रभावित हुई सडकों की स्थिति की करी समीक्षा, दिए आवश्यक दिशा

उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को सडकों के गडडे तीन दिन में भरने के दिए निर्देश

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने आज चंडीगढ से वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश में सभी जिलों के उपायुक्तों से भारी बारिश के कारण प्रभावित हुई सडकों की स्थिति की समीक्षा की और उन्हें जल्द से जल्द ठीक करवाने के निर्देश दिए ताकि लोगों को किसी असुविधा का सामना न करना पडे।

लघु सचिवालय के सभागार से वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में शामिल हुए उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा ने मुख्यमंत्री को आश्वासन दिया कि तीन दिन में शहर की सडकों के गडडे भरने का कार्य पूरा कर लिया जाएगा।

उपायुक्त ने इसके उपरांत हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण, पीएमडीए, नगर निगम, हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड, लोक निर्माण विभाग, शहरी स्थानीय निकाय के अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में श्री सतपाल शर्मा ने स्पष्ट संदेश देते हुए कहा कि अधिकारी अपने संबंधित क्षेत्रों में सडकों के गडडे दुरूस्त करें ताकि आमजन को आवागमन में असुविधा न हो। उन्होने कहा कि मोरनी क्षेत्र में भी सडकों को ठीक करने के कार्य तय समय में पूरा किया जाए।

उपायुक्त ने बताया कि वे स्वयं दौरा कर सडकों की स्थिति का जायजा लेंगे। उन्होने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस कार्य को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करें। इस संबंध में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाशत नही की जाएगी।

इस अवसर पर एसडीएम श्री चंद्रकांत कटारिया, नगर निगम के संयुक्त आयुक्त गौरव चैहान, जिला वन अधिकारी विशाल कौशिक, हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के कार्यकारी अभियंता एनके पायल, एचएसएएमबी के कार्यकारी अभियंता, पीडब्लयूडी बीएंड आर, स्थानीय निकाय विभाग तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

पंचकूला में महाराजा अग्रसेन जयंती पर होगा भव्य आयोजन

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। महाराजा अग्रसेन जयंती के अवसर पर पंचकूला में इस बार एक ऐतिहासिक आयोजन होने जा रहा है। अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन, सनसिटी परिक्रमा रेजिडेंट्स, काली माता मंदिर बैकुंठ धाम और अन्य सहयोगी संस्थाओं के संयुक्त तत्वावधान में श्री अग्र भागवत कथा एवं महाराजा अग्रसेन भवन के लोकार्पण का तीन दिवसीय आयोजन 17 से 19 सितंबर तक होगा। आयोजन समिति के अतुल गर्ग, अनुज अग्रवाल, उदित मित्तल सहित अन्य ने बताया कि महाराजा अग्रसेन भवन सेक्टर-20 पंचकूला में नगर निगम पंचकूला द्वारा तैयार किया गया है। इस भवन का शुभारंभ हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के आशीर्वाद से हरियाणा के शहरी स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल की उपस्थिति में होगा। महाराजा अग्रसेन भवन के निर्माण को समाज की वर्षों पुरानी मांग पूरी होने के रूप में देखा जा रहा है।

कार्यक्रम की शुरुआत 17 सितंबर को दोपहर 3 बजे सनसिटी परिक्रमा मंदिर सेक्टर 20 से निकाली जाने वाली भव्य कलश यात्रा से होगी, जो महाराजा अग्रसेन भवन तक पहुंचेगी। कलश यात्रा के बाद सायं 5 बजे से 8 बजे तक श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर आचार्य नर्मदा शंकर जी महाराज (निरंजनी अखाड़ा) द्वारा श्री अग्र भागवत कथा का शुभारंभ होगा। कथा 18 और 19 सितंबर को भी इसी समयावधि में चलेगी।

पंचकूला के महापौर कुलभूषण गोयल ने महाराजा अग्रसेन भवन का निरीक्षण किया और शेष कार्य तुरंत पूरा करने के निर्देश दिए। भवन को लड्डुओं और रंग-बिरंगी सजावट से आकर्षक रूप दिया जा रहा है। सेक्टर-20 की विभिन्न सड़कों पर झालरें और रोशनी की लड़ियां लगाई जा रही हैं। महापौर ने निर्देश दिया कि सेक्टर-20 को दीपावली की तरह रोशन किया जाए ताकि हर आगंतुक को भव्यता और उत्सव का अनुभव मिले।

इसके अतिरिक्त समाजसेवी प्रदीप गोयल, विजय अग्रवाल, सत्य प्रकाश अग्रवाल, जगमोहन गर्ग, डॉ नरेश मित्तल, रितु गोयल, सुनीत सिंगल और सुशील गर्ग भी इस आयोजन में सहयोग करेंगे। सभी मिलकर इसे पंचकूला के इतिहास में सबसे भव्य और अनुकरणीय आयोजन बनाने का संकल्प ले चुके हैं। कार्यक्रम की तैयारी को लेकर शनिवार को एक बैठक आयोजित हुई जिसमें आयोजन समिति के प्रमुख पदाधिकारियों व सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। इसमें अतुल गर्ग, अनुज अग्रवाल, उदित मित्तल, तेजपाल गुप्ता, घनश्याम गर्ग, राम अवतार बंसल, रवि मित्तल, श्यामलाल मित्तल, राम प्रताप गुप्ता, उज्ज्वल गोयल, यतिन गुप्ता, डॉ अनुपम गोयल, डॉ मुकेश जिंदल, डॉ संदीप जिंदल, सतीश गर्ग, हरीश गोयल, पंकज गर्ग, आलोक मित्तल, आमोद जिंदल, राकेश सिंगला, सुरेंद्र गोयल, राकेश गर्ग, बिट्टू वेदराज गोयल, संदीप गोयल, कमल गर्ग, विजय गर्ग, साहिल बंसल, समीर गुप्ता, अरुण गर्ग, प्रवीण गर्ग, राजेश जैन, नरेंद्र पाल गर्ग, अंकुर गुप्ता, अखिल गोयल, राजीव जैन, ललित जैन, डॉ राकेश गुप्ता, केवल बंसल, विवेक गुप्ता, डॉ कुलदीप मंगल, डॉ कपीश गुप्ता, धर्मपाल गोयल, विजय गर्ग, दीपक गर्ग, विवेक बंसल, मुकेश सिंगला और आनंद अग्रवाल सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे। अतुल गर्ग ने कहा कि महाराजा अग्रसेन जी के आदर्श आज भी समाज में समानता, सहयोग और सेवा की भावना को प्रेरित करते हैं।

अनिल विज ने सिरसा में रोडवेज की बस से टैक्टर-ट्राली के टकराने के कारण दो औरतों की मृत्यु होने पर लिया कडा संज्ञान, दिए जांच के आदेश

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के परिवहन मंत्री श्री अनिल विज ने आज कहा कि हरियाणा रोडवेज की बसों के एक्सीडेंट होने के मामलों की जांच के लिए कमेटी का गठन किया जाएगा और इस कमेटी में तकनीकी अधिकारियों के साथ-साथ पुलिस के जांच अधिकारी को भी शामिल किया जाएगा।

विज ने आज सिरसा में हरियाणा रोडवेज की बस से टैक्टर-ट्राली के टकराने के कारण दो औरतों की मृत्यु होने पर कडा संज्ञान लेते हुए यह आदेश परिवहन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव को दिए। उन्होंने अतिरिक्त मुख्य सचिव को निर्देशित करते हुए कहा कि रोडवेज बसों के साथ होने वाली दुर्घटनाओं के संबंध में जांच करने की प्रैक्टिस सेट कर दी जाए ताकि जांच में जो भी दोषी होगा उसके खिलाफ कार्यवाही की जाएगी।

सिरसा में हुई दुर्घटना के संबंध में श्री विज ने अतिरिक्त मुख्य सचिव को निर्देश देते हुए यह भी कहा कि ''मैं चाहता हूं कि इस दुर्घटना की एक जांच होनी चाहिए कि हमारी रोडवेज की बस के ड्राइवर की गलती थी या ट्रैक्टर चलाने वाले ड्राईवर की गलती थी क्योंकि इस संबंध में हमें पता होना चाहिए''। मंत्री ने जोर देकर कहा कि यह पहल हरियाणा की सार्वजनिक परिवहन प्रणाली में जवाबदेही को मजबूत करेगी और सड़क सुरक्षा को बढ़ाएगी।

उन्होंने कहा कि हरियाणा परिवहन विभाग में बसों की दुर्घटनाओं के बारे में अब यह प्रैक्टिस बना ली जाएगी कि जब भी इस प्रकार की दुर्घटनाएं हरियाणा रोडवेज की बस के साथ होगी तो उसकी जांच जरूर की जाएगी। इन दुर्घटनाओं के बारे में एक कमेटी का गठन किया जाएगा जिनमें तकनीकी अधिकारियों के साथ-साथ पुलिस के जांच अधिकारी भी शामिल किए जाएगें ।

ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने अंबाला छावनी के इंडस्ट्रियल एरिया में व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने हेतु पांच सदस्यीय समिति का गठन किया तथा वॉर रूम स्थापित किया

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री श्री अनिल विज ने आज अंबाला छावनी के इंडस्ट्रियल एरिया के पांच प्रतिनिधियों की एक कमेटी गठित करते हुए इंडस्ट्रियल एरिया में ही "वार रूम" स्थापित करने के निर्देश दिए जिसमें एचएसआईआईडीसी, जन स्वास्थ्य विभाग, बिजली निगम, नगर परिषद व पुलिस कर्मचारी शामिल होंगे जोकि रोस्टर के हिसाब से यहां तब तक रहेंगे जब तक इंडस्ट्रियल एरिया की सभी व्यवस्थाएं दुरूस्त न हो जाएं।

वार रूम स्थापित करने के लिए इंडस्ट्रियल एरिया स्थित एक फैक्टरी में कमरा भी तय किया गया। अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए इंडस्ट्रियल एरिया की व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के लिए गठित की गई कमेटी में इंडस्ट्रियल एरिया के प्रतिनिधि सुभाष धीमान, गोपी सहगल, कमलजीत जैन, कपिल वर्मा व अखिल गुप्ता को शामिल किया गया। यह सभी प्रतिनिधि सम्बन्धित विभागों के साथ समन्वय बनाकर सभी व्यवस्थाओं को दुरूस्त करवाने में सहयोग करेगे।

ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने आज प्रातः इंडस्ट्रियल एरिया में दौरा किया और यहां पर पानी उतरने के बाद युद्ध स्तर पर सफाई अभियान चलाने और दवा का छिड़काव करने के दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने नगर परिषद अधिकारियों को इंडस्ट्रियल एरिया में पूरी ताकत व संख्या के साथ सफाई अभियान चलाने के निर्देश दिए।

इसके अतिरिक्त उन्होंने पेयजल व बिजली आपूर्ति को सुचारू करने के निर्देश दिए। मंत्री अनिल विज ने नालों व सड़कों किनारे जहां भी पानी शेष रह गया है उसे सुपर सकर मशीन के माध्यम से निकालने के निर्देश जनस्वास्थ्य विभाग अधिकारियों को दिए और कहा कि जब तक सुपर सकर मशीन यहां नहीं पहुंचती तब तक वह इंडस्ट्रियल से नहीं जाएंगे। मशीन के आने पर ही उन्होंने उसकी कार्यप्रणाली को चेक भी किया।

इंडस्ट्रियल एरिया सारे शहर की नब्ज, हजारों की आजीविका यहां से जुड़ी है : ऊर्जा मंत्री अनिल विज

कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने इंडस्ट्रियल एरिया का दौरा करते हुए कहा कि इंडस्ट्रियल एरिया सारे इलाके का होता है, सारे शहर की नब्ज होती है। यहां पर हजारों लोग काम करते हैं जिनकी आजीविका यहां से जुड़ी हुई है। इस मौके पर उन्होंने अपने समक्ष सुपर सकर मशीन के माध्यम से सफाई व्यवस्था के कार्य को करवाना शुरू किया और कहा कि पूरे इंडस्ट्रीयल एरिया मे इस कार्य को बेहतर तरीके से करना सुनिश्चित करें। निरीक्षण के दौरान उन्होंने नगर परिषद के कर्मचारी को निर्देश दिए कि वे यहां पर तेल छिडकाव का कार्य करवाएं। कोई भी कौना नहीं छुटना चाहिए। इसके साथ-साथ चुना भी डलवाएं ताकि कोई भी जल जनित बीमारी न पनप सके। उन्होंने यहां पर यह भी कहा कि यदि कोई फैक्टरी संचालक अनुमति देता है कि उनकी फैक्टरी के अंदर तेल का छिडकाव करना है उस कार्य को भी करें। यहां पर सफाई कर्मचारियो की डयूटी लगाएं ताकि सफाई व्यवस्था का कार्य दुरूस्त हो सके और फैक्टरी संचालक अपने काम को शुरू कर सके।

इंडस्ट्रियल एरिया में सदर बाजार की तर्ज पर स्ट्रॉम वॉटर लाइन डाली जाए : मंत्री अनिल विज

ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने इस दौरान एचएसआईआईडी के कार्यकारी अभियंता बलदेव सिंह व जन स्वास्थ्य विभाग के कार्यकारी अभियंता से पानी की सप्लाई शुरू होने बारे भी जानकारी ली। उन्होंने कहा कि आगामी समय में इंडस्ट्रीयल एरिया को नहरी पानी से जोडने का काम किया जाएगा। उन्होंने इस दौरान एचएसआईआईडी के कार्यकारी अभियंता बलदेव सिंह को कहा कि जल भराव की स्थिति से निपटने के लिए अम्बाला छावनी सदर बाजार में स्ट्रॉम वाटर पाईप लाईन डाली गई है। इसी तर्ज पर वे इंडस्ट्रीयल एरिया के लिए रूपरेखा बनाएं। उन्होंने कहा कि ऐसी रूपरेखा तैयार करें कि बरसाती पानी सुगमता से निकल सके। कैबिनेट मंत्री ने इस मौके पर इंडस्ट्रीयल एरिया में स्थित लैबैक्स के.के इंटरनेशनल फैक्टरी का भी निरीक्षण किया और यहां पर जल भराव के तहत जो भी नुकसान हुआ था उसका जायजा लिया।